दैनिक

जयपुर टाइम्स

नई सोच नई रफ्तार

जयपुर,सीकर, झुंझुनूं, चुरू,नागौर एवं अलवर से एक साथ प्रकाशित

jaipurtimes.org
twitter.com/JaipurTimes2
dainikjaipurtimes
youtube.com/c/JaipurTimes
instagram.com/jaipurtimesjt

वर्ष : 10 | अंक : 70 | डाक पंजीयन संख्या : जयपुर सिटी / 007/2017-19 | जयपुर, गुरूवार 3 अप्रेल, 2025 | RNI.No.RAJHIN/2016/70162 | मूल्य : 1.5 रुपए | पृष्ठ : 8+2

वक्फ संशोधन विधेयक लोकसभा में पेश, पक्ष विपक्ष में बहस

12 साल में वक्फ बोर्ड की बढ़ गई 3 लाख बीघा भूमि, 21 लाख तक पहुंचीः शाह

जयपुर टाइम्स

नई दिल्ली(एजेंसी)। वक्फ संशोधन बिल बुधवार को लोकसभा में पेश किया गया। सदन में पक्ष और विपक्ष लगातार अपनी राय रख रहे हैं। सरकार की ओर पक्ष रखते हुए गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि मुझे लगता है कि या तो निर्दोष भाव से या राजनीतिक कारणों से ढेर सारी भ्रांतियां सदस्यों के मन में भी हैं और इन्हें फैलाने का प्रयास भी हो रहा है। बिल पर चर्चा का जवाब रिजिजू देंगे। कुछ बातों को स्पष्ट करने का प्रयास करूंगा। अमित शाह ने कहा कि वक्फ एक अरबी शब्द है जिसका इतिहास कुछ हदीसों से जुड़ा मिलता है। आज जिस अर्थ में इसका उपयोग किया जाता है, अल्लाह के नाम पर संपत्ति का दान। अभी जो हम समझ रहे हैं, इस्लाम के दूसरे खलीफा उमर के समय अस्तित्व में आया। वक्फ एक प्रकार का चैरिटेबल एंडोरमेंट है। इसमें व्यक्ति पवित्र दान करता है। दान उस चीज का किया जा सकता है जो अपनी हो, मैं सरकारी संपत्ति या किसी दूसरे की संपत्ति का दान नहीं कर सकता। ये सारी बहस इसी बात पर है।

वक्फ में एक भी गैर मुस्लिम नहीं शामिल होगा

गृह मंत्री ने कहा कि वक्फ में धार्मिक क्रियाकलाप चलाने के लिए गैर मुस्लिम को नहीं रखा जा रहा है। लेकिन विपक्ष इसके जरिये डराकर अपना वोट बैंक सुरक्षित करने का काम कर रहा है। वक्फ बोर्ड और वक्फ परिषद में गैर मुस्लिम रखने की बात है जिसका काम ये देखना है कि काम ठीक से हो रहा है या नहीं। इस सदन के माध्यम से पूरे देश के मुस्लिम भाइयों को कहना चाहता हूं कि आपके वक्फ में एक भी गैर मुस्लिम नहीं शामिल होगा। अमित शाह ने कहा कि वक्फ बोर्ड में जो संपत्तियां बेच खाने वाले, सौ-सौ साल के लिए औने-पौने दाम पर किराए पर देने वाले लोग है, वक्फ बोर्ड और वक्फ परिषद उन्हें पकड़ने का काम करेगा।

ये चाहते हैं कि इनके राज में जो मिलीभगत चलती रहे। अब ये नहीं चलेगा। अमित शाह ने कहा कि 2013 का जो संशोधन आया, वो नहीं आया होता तो आज ये संशोधन लाने की नौबत नहीं आती। कांग्रेस सरकार ने दिल्ली लूटियंस की 125 संपत्तियां वक्फ को दे दीं। उत्तर रेलवे की जमीन वक्फ को दे दी। उन्होंने कहा कि हिमाचल में वक्फ की जमीन बताकर मस्जिद बनाने का काम हुआ। अमित शाह ने मणिपट्टी समिति की रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि, एक लाख 38 हजार एकड़ जमीन किराये पर दिए जाने, सौ साल की लीज पर निजी संस्थानों की जमीन हस्तांतरित किए जाने, विजयपुर गांव की 1500 एकड़ भूमि पर दावा करके विवाद में डाले जाने, फाइव स्टार होटल को 12000 महीने के किराए पर देने का जिक्र किया और कहा कि ये पैसा गरीब मुसलमान का है।

जमीन हड़पने के उदाहारण देते हुए अमित शाह ने कहा कि कर्नाटक में एक मंदिर पर क्लेम किया, 600 एकड़ जमीन पर दावा किया। ईसाई समुदाय की ढेर सारी जमीनों पर भी दावा कर दिया। कई समूह वक्फ बिल का विरोध कर रहे हैं। अखिलेश, मुस्लिम भाइयों की सहानभूति लेने का कोई फायदा नहीं होगा। ये दक्षिण के जो सांसद बोल रहे हैं, वो अपने क्षेत्र के सारे चर्च को नाराज कर रहे हैं। कांग्रेस ने हरियाणा की गुरुद्वारे से संबंधित भूमि वक्फ को सौंप दिया। प्रयागराज में चंद्रशेखर आजाद पार्क को भी वक्फ घोषित कर दिया। ये सब जब जो चल रहा है, वक्फ मुस्लिम भाइयों के दान से बनाया ट्रस्ट है, उसमें सरकार कोई दखल नहीं करना चाहती है।

विपक्ष पर जमकर बरसे अमित शाह

शाह ने कहा कि लाखों करोड़ों की भूमि और इनकम 126 करोड़ रुपया। ये कहते हैं कि आय का क्या उद्देश्य है? आज राजद के सारे सदस्य बोले, 2013 का जब संशोधन आया, तब लालू ने क्या कहा, ये कहा कि सारी जमीनें हड़प ली गई हैं।

पटना में ही डाकबंगले की जितनी प्रॉपर्टी थी, सब पर बड़ी इमारतें बन गई है। हम समर्थन करते हैं लेकिन चाहते हैं कि एक कड़ा कानून लाइए। अमित शाह ने तब कई सदस्यों की ओर से सदन में कही गई बातों पर जवाब देते हुए कहा कि पारदर्शिता से क्यों डरना है। आपने तो कर दिया था कि उसके ऑर्डर को कोर्ट में कोई चैलेंज ही नहीं कर सकता। पूरा संविधान वहीं समाप्त कर दिया था। हम तो कहते हैं कि कोर्ट में कोई भी चैलेंज कर सकता है। कोर्ट के फोरम से बाहर करने का पाप कांग्रेस ने किया था।

बढ़ गई वक्फ बोर्ड की भूमि

इस दौरान सदन में गृह मंत्री अमित शाह ने कहा- 2013 में किया संशोधन सिर्फ पांच घंटे के बाद हुआ था, इस बार दोनों सदनों में 16 घंटे चर्चा हो रही है। गृह मंत्री ने कहा कि- विपक्ष अल्पसंख्यकों को भड़का रहा है। वक्फ मुस्लिम समुदाय का प्रतिनिधि निकाय नहीं है और ये बिल जन कल्याण के लिए है, वोटबैंक के लिए हैं। 1913 से लेकर 2013 तक वक्फ बोर्ड की कुल भूमि 18 लाख एकड़ थी और 2013 से 2025 तक 21 लाख भूमि बढ़ गई है। इसमें 2013 के बाद खासी बढ़ोत्तरी हुई है। अमित शाह ने कहा कि लोगों को डराया जा रहा है कि पूर्वव्यापी प्रभाव से आएगा। इस विधेयक के पहले तीन पेज और धाराएं पढ़ ली होतीं तो पता चल जाता।

इनको न पिछड़ों की चिंता है, न मुसलमानों की

अपने संबोधन के दौरान गृह मंत्री ने कहा कि इनको न पिछड़ों की चिंता है, न मुसलमानों की, ये सालों से जातिवादी और तुष्टिकरण के आधार पर काम करते हैं। इसी आधार पर काम करके अपने परिवार की राजनीति बढ़ाई है। और मोदी जी की सरकार ने इसे खत्म करने का काम किया है। जनता ने तीन टर्म मोदी को चुना और तीन टर्म भारतीय जनता पार्टी की रहने वाली है। मैं इस बिल को लेकर किरेन रिजिजू को बधाई देना चाहता हूं।

न्यायालयों के अधिकार क्षेत्र पर भी प्रतिबंध लगा दिए गए थे

इस दौरान सदन में गृह मंत्री अमित शाह ने कहा- 2013 में किया संशोधन सिर्फ पांच घंटे के बाद हुआ था, इस बार दोनों सदनों में 16 घंटे चर्चा हो रही है। इसे लेकर जो समिति भी बनाई गई, राज्य सरकारों के प्रतिनिधि आए, अध्ययन दौरे तीन किए गए। 92.68 लाख के करीब सुझाव ऑनलाइन आए आप ऐसे इसे खारिज नहीं कर सकते हो। यहां जो सदस्य हैं, वो किसी परिवार की कृपा से चुनकर नहीं आए हैं, एक सदस्य ने कहा है कि पुराने कानून में अपील का प्रावधान था। उसमें स्पष्ट था कि कोई भी निर्णय हो, अपील नहीं हो सकती, न्यायालयों के अधिकार क्षेत्र पर भी प्रतिबंध लगा दिए गए थे। अभी फैशन है संविधान लहराने का, संविधान के हिसाब से कोई भी फैसला कोर्ट के दायरे से बाहर कैसे हो सकता है। आपने वोटबैंक के लिए ऐसा किया था, हम खारिज कर रहे हैं, ऐसा नहीं चलेगा। एक सदस्य ने कह दिया कि माइनॉरिटी इस कानून को स्वीकार नहीं करेगी, क्या धमका रहे हो भाई। संसद का कानून है, सबको स्वीकार करना पड़ेगा।

न्यूज इनबॉक्स

आव्रजन और विदेशी विधेयक का कांग्रेस ने किया विरोध

जयपुर टाइम्स

नई दिल्ली(एजेंसी)। राज्यसभा में कांग्रेस सांसद अभिषेक मनु सिंघवी ने आव्रजन और विदेशी विधेयक 2025 का जोरदार विरोध किया। उन्होंने कहा कि यह बिल ऐसा संदेश देता है जैसे भारत में आने वाला हर विदेशी संभावित अपराधी है, जिस पर शक किया जाना चाहिए। यह बिल 27 मार्च को लोकसभा में पास हो चुका है। कांग्रेस सांसद ने इसे संसद की स्थायी समिति के पास भेजने की मांग की। उनका कहना था कि यह कानून छोटे अधिकारियों को बहुत ज्यादा ताकत देता है, लेकिन इसमें अपील करने, निगरानी रखने और जवाबदेही तय करने की कोई उचित व्यवस्था नहीं है। अभिषेक मनु सिंघवी ने इस दौरान कहा कि यह बिल सरकार के नियंत्रणवादी रवैये को दर्शाता है। यह विदेशियों के लिए डर का माहौल बनाने और उन पर निगरानी रखने का एक जरिया बन जाएगा। उन्होंने आरोप लगाया कि यह कानून मानता है कि विदेशियों के पास भारतीय संविधान के तहत कोई अधिकार नहीं हैं, जो पूरी तरह गलत है। उन्होंने यह भी कहा कि यह बिल सरकार को यह शक्ति देता है कि वह राष्ट्रीय सुरक्षा, भारत की संप्रभुता, विदेशी संबंधों या सार्वजनिक स्वास्थ्य के नाम पर किसी भी विदेशी को भारत में प्रवेश देने से मना कर सकती है या देश से निकाल सकती है। इसके अलावा, सरकार अपनी मर्जी से नए कारण जोड़कर किसी को भी रोक सकती है। इस बिल का सबसे विवादास्पद प्रावधान यह है कि इमिग्रेशन अधिकारी का निर्णय अंतिम और बाध्यकारी होगा, यानी इस पर कोई अपील नहीं की जा सकेगी। सिंघवी ने कहा कि यह अधिकारियों को मनमानी करने की खुली छूट देने जैसा है।

आसाराम की उम्मीदें धूमिल, हाई कोर्ट से नहीं मिली राहत

जयपुर टाइम्स

जोधपुर(निस)। नाबालिग के साथ यौन शोषण मामले में जोधपुर सेंटर जेल में सजा काट रहे आसाराम को हाईकोर्ट से राहत नहीं मिली है। बुधवार को राजस्थान हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। आधे घंटे तक चली सुनवाई में सरकारी अधिवक्ता ने

आसाराम को अंतिम जमानत देने का विरोध करते हुए कहा कि आसाराम ने सुप्रीम कोर्ट की प्रवचन नहीं देने की शर्त का उल्लंघन किया है। अब इस मामले में राजस्थान हाईकोर्ट में सात अप्रैल को अगली सुनवाई होगी। वहीं, आसाराम के अधिवक्ता ने हाईकोर्ट में कहा कि किसी भी शर्त का उल्लंघन नहीं किया गया है। अंतरिम जमानत के दौरान आसाराम को दिए गए ट्रीटमेंट की जानकारी ली और भविष्य में इलाज की भी जानकारी मांगी।

राज्य योजना में सड़कों के लिए 17 हजार 384 करोड़ का प्रावधान

राजस्थान में 5 हजार करोड़ रुपए की लागत से बनेंगे नेशनल हाईवेः दिया कुमारी

जयपुर टाइम्स

जयपुर (कासं.)। प्रदेश की भजनलाल सरकार आमजन को सहूलियत देने के लिए प्रयासरत हैं। अब भजनलाल सरकार राज्य के राजमार्गों का विकास

कराएगी जिससे प्रदेश में आमजन की राह सुगम होगी। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने बताया कि प्रदेश में 21 नेशनल हाईवे परियोजनाओं के लिए केंद्रीय सड़क परिवहन व राजमार्ग मंत्रालय की ओर से लगभग 5 हजार करोड़ की लागत की नई परियोजनाओं को स्वीकृति प्रदान की गई है। इसके तहत् नागौर नेत्रा सड़क के 4 लेन का कार्य, रायपुर जस्साखेड़ा, गंगापुर सिटी बाईपास, करौली बाईपास सहित विभिन्न सड़कों का निर्माण सार्वजनिक निर्माण विभाग की ओर से करवाया जाएगा। इसके साथ ही दुर्घटना सम्भावित 13 ब्लैक स्पाट्स के सुधार का कार्य भी करवाया जाएगा। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व सड़क परिवहन व राजमार्ग मंत्री नितिन गड़करी का इस स्वीकृति के लिए धन्यवाद दिया है।

गत वर्ष राज्य योजना में 12620 करोड़ खर्च, अब तक का सर्वाधिक

उपमुख्यमंत्री ने कहा है कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश की डबल इंजन सरकार विकास के नए प्रतिमान स्थापित कर रही है। गत वर्ष में राज्य योजना में सड़क, पुल/आरओबी/आरयूबी निर्माण हेतु 12 हजार 620 करोड़ रूपए व्यय किए गए जो कि अब तक का सर्वाधिक है। उन्होंने बताया कि इस वर्ष सड़क विकास के बजट में ऐतिहासिक वृद्धि करते हुए 17 हजार 384 करोड़ रूपये का प्रावधान किया गया है। गौरलतब है कि राज्य योजना में ग्रामीण सड़क, वृहद् जिला सड़क (एमडीआर), स्टेट हाईवे सहित विभिन्न निर्माण करवाये जाते है।

सीआरआईएफ में 1300 करोड़ खर्च, अब तक का सर्वाधिक

केंद्रीय सड़क आधारभूत निधि से प्रदेश में गत वर्ष में लगभग 1300 करोड़ की लागत की सड़कों का निर्माण करवाया गया है। सार्वजनिक निर्माण विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव प्रवीण गुप्ता ने बताया कि उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी के प्रयासों व प्रभावी मॉनिटरिंग से सीआरआईएफ में पूर्व के वर्षों मे संचयी राशि में से राशि प्राप्त करते हुए अब तक की सर्वाधिक राशि गत वर्ष में खर्च की गई है।

कांग्रेस पर बेवजह राजनीति करने का लगाया आरोप

कांग्रेस को सुशासन व एक प्रदेश-एक चुनाव से दिक्कतः खर्रा

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। नगरीय विकास राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) झाबर सिंह खर्रा ने कहा कि कांग्रेस परिसीमन और लोकतंत्र की बात करती है। कांग्रेस को परिसीमन से दिक्कत नहीं है, इन्हें सुशासन, सुधारों और एक प्रदेश-एक चुनाव से दिक्कत है। उन्होंने कहा कि कानूनी प्रक्रिया के तहत हो रहे परिसीमन को कांग्रेस बेवजह राजनीति से जोड़ रही है। खर्रा ने

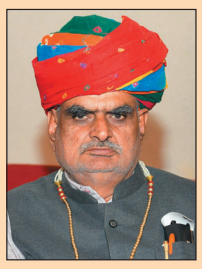

कहा कि परिक्षेत्र के हर मतदाता और हर नागरिक को आपत्ति दर्ज कराने का अधिकार है। वार्डों के पुनर्सीमांकन के मामले में उस नगरपालिका क्षेत्र का कोई भी मतदाता कोई भी नागरिक आपत्ति लगा सकता है, यह उनका अधिकार है। साथ ही, राजनैतिक दलों को भी अधिकार है कि उनकों किसी भी प्रकार की परेशानी हो तो, आपत्ति लगानी चाहिए। लेकिन प्रतिपक्ष अनावश्यक राजनीति कर रहा है। नेता प्रतिपक्ष इस मामले को पहले ही उठा चुके हैं। उसी होड में दूसरे नेता भी इस मुद्दे को लेकर अपना बयान जारी कर रहे हैं। उन्होंने परिसीमन की प्रक्रिया का उल्लेख करते हुए कहा कि यह एक प्रक्रियागत कार्य है। माननीय उच्च न्यायालय की ओर से कुछ याचिकाओं का निस्तारण भी किया जा चुका है और उच्च न्यायालय का यह मानना है कि परिसीमन करना, पुनर्गठन करना यह राज्य सरकार का अधिकार है। खर्रा ने कहा कि जनता को फायदा मिले, मूल मुद्दा ये है। किसी भी लोकतांत्रिक सरकार का प्रथम कर्तव्य है कि आम जनता का किसी भी प्रकार का अहित ना हो और वो जनता के हितों की रक्षा करें।

खुश ख़बरः आईपीएल के लिए 5 अप्रैल से टिकटों की ऑफलाइन बिक्री

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। जयपुर में आईपीएल 2025 के मैच देखने के इच्छुक क्रिकेटप्रेमियों के लिए बड़ी खुशखबरी है। राजस्थान रॉयल्स प्रबंधन ने घोषणा की है कि 5 अप्रैल से सवाई मानसिंह स्टेडियम के ऑफलाइन काउंटरों से टिकटों की बिक्री शुरू की जाएगी। इस साल टिकटों की कीमतों में पिछले सीजन की तुलना में इजाफा किया गया है।

स्टूडेंट्स को 1500 रुपये वाला टिकट 500 में

आईपीएल 2025 में जयपुर में खेले जाने वाले मैचों के लिए स्टूडेंट्स को बड़ी राहत दी गई है। राजस्थान रॉयल्स प्रबंधन ने बताया कि स्टूडेंट्स को उनके आईडी कार्ड पर विशेष छूट दी जाएगी।

जिन टिकटों की मूल कीमत 1500 रुपये होगी, वे स्टूडेंट्स के लिए मात्र 500 रुपये में उपलब्ध होंगी। हालांकि ये छूट केवल ऑफलाइन टिकट खरीदने पर ही मान्य होगी। सबसे सस्ते टिकट की कीमत 1500 रुपये (स्टूडेंट्स के लिए 500 रुपये) और सबसे महंगे टिकट की कीमत 20,000 रुपये रखी गई है। पिछले साल की तुलना में अधिकांश कैटेगरी में 3000 रुपये तक की बढ़ोतरी की गई है, रॉयल बॉक्स पिछले सीजन में 6000 रुपये का था जो कि इस बार 9000 रुपये कर दिया गया है।

ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों विकल्प उपलब्ध

राजस्थान रॉयल्स प्रबंधन ने बताया कि ऑफलाइन काउंटरों के साथ-साथ ऑनलाइन भी टिकटों की बिक्री की जाएगी। हालांकि स्टूडेंट्स के लिए छूट सिर्फ ऑफलाइन टिकट पर ही मिलेगी। टिकट बुकिंग प्लेटफॉर्म और ऑफलाइन काउंटरों की जानकारी जल्द ही जारी की जाएगी।

जयपुर में कुल 5 मैच होंगे

राजस्थान रॉयल्स इस सीजन में अपने घरेलू मैदान जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में कुल 5 मैच खेलेगी। इनमें पहला मैच 13 अप्रैल को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु खिलाफ होगा। मैचों के दौरान सुरक्षा को लेकर भी पुख्ता इंतजाम किए जा रहे हैं, जिसके लिए पुलिस और प्राइवेट सिक्योरिटी गार्ड की संख्या बढ़ाई जाएगी।

कोटा व बारां जिले में अभियान की समीक्षा

राजस्थान को बनाएंगे देश में सबसे स्वच्छ प्रदेशः दिलावर

जयपुर टाइम्स

जयपुर(निस)। शिक्षा व पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर ने कहा कि इस साल राजस्थान को देश का सबसे स्वच्छ ग्रामीण प्रदेश बनाने का लक्ष्य पूरा करते हुए हमें ग्राम पंचायतों को स्वच्छ बनाना है। उन्होंने कहा कि हर गांव प्रतिदिन साफ हो यह हमारा संकल्प होना चाहिए। गांवों में प्रतिदिन झाड़ू लगे, नालियों की सफाई हो और घर-घर से कचरा संग्रहण किया जाए, इसके लिए ग्राम पंचायतों को पैसा दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि ग्राम पंचायतों को 80 हजार से लेकर 2 लाख 50 हजार रूपये प्रति माह तक सफाई के लिए पैसा मिलता है उसका समुचित उपयोग करते हुए गांवों को स्वच्छ रखें। दिलावर ने बुधवार को कोटा जिले के केडीए ऑडिटोरियम में स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के तहत कोटा संभाग के कोटा व बारां जिले की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि विभागीय अधिकारियों को एक हजार टीमें गठित कर प्रदेश की समस्त ग्राम पंचायतों का निरीक्षण कर वहां सफाई व्यवस्था की रिपोर्ट देने के निर्देश दिए गए हैं। रिपोर्ट के आधार पर जिन ग्राम पंचायतों में सफाई व्यवस्था सही नहीं पाई जाएगी संबंधित अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने कहा कि अच्छा कार्य करने वाली ग्राम पंचायतों को प्रोत्साहित भी किया जाएगा। उन्होंने कहा कि स्वच्छ भारत मिशन के तहत अधिकारी गलत आंकड़ें प्रस्तुत नहीं करें बल्कि जो वास्तविकता हो उसे सामने लाया जाए। उन्होंने कहा कि आंकड़ों व धरातल की वास्तविकता में अंतर नहीं हो।

शिक्षा व पंचायती राज मंत्री ने स्पष्ट किया कि ग्राम पंचायतों में सफाई व्यवस्था के लिए उपलब्ध पैसा किसी अन्य कार्य के लिए काम में नहीं लिया जाए। उन्होंने जिला परिषद सीईओ, बीडीओ, एईएन व अन्य अधिकारियों को ग्राम पंचायतों के सफाई कार्यों का निरीक्षण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अधिकारी निरीक्षण के दौरान यह देखें कि गांवों में प्रतिदिन सफाई हो, घर-घर कचरा संग्रहण किया जाए व नालियों की पर्याप्त रूप से सफाई की जाए। उन्होंने कहा कि घरों से एकत्र किया जाने वाला कचरा तय जगह पर डाला जाए। दिलावर ने सीईओ जिला परिषद कोटा व बारां से पूछा कि उन्होंने किन-किन ग्राम पंचायतों में सफाई कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने बारां, छबड़ा, छीपाबड़ौद एवं खैराबाद के बीडीओ से ग्राम पंचायतों में सफाई व्यवस्था के निरीक्षण व गांवों में रात्रि विश्राम के बारे में पूछा। उन्होंने निर्देश दिए कि सफाई व्यवस्था के रजिस्टर का सही तरीके से संधारण किया जाए और उसी के आधार पर संबंधित ठेकेदार को भुगतान किया जाए। शिक्षा व पंचायती राज मंत्री ने विमुक्त, घुमन्तु व अर्द्ध घुमन्तु आवासहीन परिवारों को निःशुल्क भूखंड आवंटन की प्रगति के बारे में जानकारी ली। उन्होंने कहा कि इस वर्ष 25 हजार विमुक्त, घुमन्तु व अर्द्ध घुमन्तु परिवारों को पट्टा देने का लक्ष्य रखा गया है। जिन परिवारों को 2 अक्टूबर 2024 को पट्टे दिए गए थे उनकी रजिस्ट्री भी समय पर कराई जाए और उन्हें मौके पर जाकर कब्जा दिलाया जाए। उन्होंने इन परिवारों को पीएम आवास योजना की सूची में शामिल कर उनके मकान बनवाने के भी निर्देश दिए।

अन्नपूर्णा योजना में गरीब को 8 रूपये में भरपेट भोजन

दिलावर ने अन्नपूर्णा रसोई योजना की समीक्षा करते हुए कहा कि गरीब व्यक्ति को आठ रूपये में भरपेट भोजन उपलब्ध कराने के लिए यह व्यवस्था की गई है। उन्होंने कहा कि ठंडी रोटी खिलाने अथवा आठ रूपये से अधिक राशि वसूलने की शिकायतों पर जांच कर कार्यवाही की जाए व अनियमितता करने वाली संस्थाओं को हटाया जाए।

बर्तन बैंक के लिए हुआ एमओयू

कार्यक्रम में सांगोद पंचायत समिति के सावनभादौ गांव में बर्तन बैंक संचालन के लिए नारायणी स्वयं सहायता समूह के साथ एमओयू किया गया। इसके अलावा ग्राम पंचायत मंडाना में शीतला माता स्वयं सहायता समूह के साथ बर्तन बैंक संचालन के लिए एमओयू किया गया। इसके तहत स्टील के बर्तनों के 400 सेट दिए गए ताकि सामूहिक भोजन के अवसर पर डिस्पोजल का कम से कम उपयोग कर पर्यावरण संरक्षण किया जा सके और गौ माता को प्लास्टिक खाने से बचाया जा सके। प्रति बर्तन सेट 3 रूपये किराया निर्धारित किया गया है जो स्वयं सहायता समूह की ओर से लिया जाएगा। उल्लेखनीय है कि बजट घोषणा के तहत पूरे प्रदेश में एक हजार ग्राम पंचायतों में बर्तन बैंक स्थापित किए जाने हैं जिसमें प्रथम चरण में कोटा जिले में 20 ग्राम पंचायतों में बर्तन बैंक बनाए जाएंगे।

एसबीएमजी ऐप लॉन्च

कार्यक्रम में स्वच्छता मॉनिटरिंग के लिए एसबीएमजी राजस्थान ऐप लॉन्च किया गया। यह ऐप एन्ड्रॉयड व आईओएस दोनों वर्जन पर काम करेगा।

पैथलेब रजिस्ट्रेशन करवाना अनिवार्य

जयपुर टाइम्स

अलवर (नि.सं.)। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. योगेन्द्र कुमार शर्मा ने जिले में संचालित समस्त पैथलेब संचालकों को निर्देशित किया है कि अनाधिकृत रूप से संचालित करना अवैध है। अतः अपने पैथलेब के मूल दस्तावेजों के आधार पर रजिस्ट्रेशन हेतु अविलम्ब ऑनलाइन/ऑफलाइन आवेदन कर फाइल कार्यालय में भिजवाया जाना सुनिश्चित करें, जिससे पैथलेब का स्थाई रजिस्ट्रेशन किया जा सके। इस कार्य में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं बरते। बिना रजिस्ट्रेशन के संचालित समस्त पैथलेब पर सीईए एक्ट 2010 एवं नीम हकीम झोलाछाप अधिनियम के तहत सख्त कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

जिले के चिकित्सा संस्थान पोर्टल पर कराए रजिस्ट्रेशन

उन्होंने बताया कि जिले के समस्त जिला अस्पताल, उप जिला अस्पताल, सेटेलाइट हॉस्पिटल, सीएचसी, पीएचसी पर समस्त प्रमुख चिकित्सा अधिकार एवं चिकित्सा अधिकारी प्रभारी आज ही पोर्टल पर पंजीकरण कराकर सूचना मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय को भिजवाना सुनिश्चित करें जिससे समय पर चिकित्सा अधिकारी प्रभारियों के पोर्टल पर चिकित्सा संस्थानों एवं चिकित्सकों को एप्रूव्ड करने का कार्य किया जा सके। उन्होंने बताया कि पोर्टल पर पंजीकरण में सहयोग करने एवं इससे संबंधित अन्य ऑनलाइन कार्य में सहयोग करने के लिए एक तकनीकी कार्मिक नियुक्त कर इस कार्य में सहयोग लिया जाएगा। इस कार्य में किसी भी स्तर पर लापरवाही होने पर व्यक्तिशः जिम्मेदारी होगी।

मरीजो को बाहर की दवाईया नही लिखें चिकित्सक- सीएमएचओ

बाहर की दवाईया लिखने पर आवयश्क कार्रवाई की जाएगी

जयपुर टाइम्स

राजगढ़(नि.सं.)। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ अधिकारी डॉ योगेंद्र शर्मा ने कहा कि सभी चिकित्सक मरीजो को बाहर की दवाईया नही लिखे मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ योगेंद्र शर्मा ने कहा कि कुछ दिन पूर्व राजगढ़ सीएचसी का निरीक्षण किया था वहाँ एक महिला चिकित्सक द्वारा मरीज को एक छोटी सी पर्ची पर बाहर की दवाई लिख रही थी क्योंकि मरीज को समझाना डॉक्टर का काम है दवाई वितरण केंद्र पर सभी दवाई मौजूद है कोई कमी नही है शर्मा ने कहा कि कोई भी चिकित्सक बाहर की दवाईया नही लिखे अन्यथा कार्रवाई की जाएगी साथ ही शर्मा ने कहा कि इससे पूर्व भी राजगढ़ सीएचसी का निरीक्षण किया गया था तब व्यवस्था सुधार के निर्देश दिए थे लेकिन अभी भी कमिया है उनको सुधारने की आवश्यकता है।

घरेलू गैस की अवैध रिफलिंग एवं व्यावसायिक कार्य में दुरूपयोग करने पर 87 गैस सिलेंडर किए जब्त

जयपुर टाइम्स

अलवर(नि.सं.)। घरेलू गैस की अवैध रिफलिंग एवं व्यावसायिक कार्य में दुरूपयोग की रोकथाम हेतु रसद विभाग की टीम द्वारा कार्रवाई करते हुए 87 गैस सिलेंडर व अन्य सामग्री जब्त की गई। जिला रसद

अधिकारी विनोद जुनेजा ने बताया कि मोती डूंगरी स्थित मैसर्स आर. के ऑटो पार्ट्स द्वारा घरेलू गैस व्यावसायिक उपयोग किया जा रहा जिसके विरूद्ध टीम द्वारा कार्रवाई करते हुए 85 घरेलू एवं 2 व्यावसायिक गैस सिलेण्डर मय गैस रिफलिंग मोटर व नली जब्त किए तथा जप्त सामान मैसर्स ज्योति गैस सर्विस के प्रतिनिधि अनिल सिंह को सुपुर्द किया गया। इस दौरान प्रवर्तन अधिकारी बनवारी लाल शर्मा, कृष्ण कुमार बॉयल, अशोक कुमार शर्मा एवं गुलाब सिंह मौजूद रहे।

पंचायत समिति की साधारण सभा की बैठक आयोजित

जयपुर टाइम्स

कोटकासिम(नि.सं.)। पंचायत समिति कोटकासिम की साधारण सभा की बैठक जिला प्रमुख की उपस्थिति में बुधवार को आयोजित हुई। बैठक में जनप्रतिनिधियों के साथ क्षेत्र की समस्याओं के समाधान के लिए सार्थक चर्चा की बैठक में क्षेत्र के विभिन्न इलाकों से आए जनप्रतिनिधियों ने अपने क्षेत्र की समस्याओं को सदन के समक्ष रखा जिस पर चर्चा करते

उनके समाधान हेतु संबधित विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया। इस मीटिंग में पंचायत समिति के विकास अधिकारी वीरेंद्र सिंह बुंदेल एव पालीवाल और कर्मचारी उपस्थित रहे और जिन विभागों के अधिकारी उपस्थित नहीं हुए साधारण सभा में उनको कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिये है।

राम रूपसज्जा की तैयारियां पूर्ण

जयपुर टाइम्स

अलवर(नि.सं.)। अभय समाज के विशाल रंगमंच पर आने वाली 6 अप्रैल 2025 रविवार को राम रूप सज्जा प्रतियोगिता का आयोजन जो किया जा रहा है वह शाम को 5:00 बजे से प्रारंभ होगा पंडित धर्मवीर शर्मा की अध्यक्षता में एवं महामंत्री राजेंद्र प्रसाद शर्मा के निर्देशानुसार उपमंत्री मुकेश सैनी एवं कार्यक्रम के संयोजक ललित मिश्रा की देखरेख में महानिदेशक मनोज कुमार गोयल के निर्देशन में उप निदेशक परशुराम कौशिक मंच निर्देशक नवीन चतुर्वेदी संगीत निर्देशक जितेंद्र कुमार गुप्ता भंडार व्यवस्थापक दीपेंद्र उपाध्याय दीपक पंडित तथा लोकेश मिश्रा एवं अन्य सहयोगी कलाकार इसकी तैयारी में लगे हुए है। अभय समाज कार्यालय में प्रतिदिन शाम को 6:00 बजे से 8:00 बजे तक वेद प्रकाश शर्मा तथा दिनेश खंडेलवाल बालक बालिकाओं से फार्म प्राप्त कर रहे हैं जो की फार्म जमा करने की अंतिम तिथि 3 अप्रैल है इसी प्रकार ग्राउंड व्यवस्थापक ओमप्रकाश गुप्ता उप ग्राउंड व्यवस्थापक राजेंद्र आचार्य चंद्रशेखर बिट्टू एवं सभी स्वयंसेवक ग्राउंड व्यवस्थाओं को सुचारू रूप दे रहे हैं। ताकि प्रतियोगिता में भाग लेने वाले बालक बालिकाएं एवं उनके माता-पिता को कोई परेशानी ना हो महानिदेशक ने जानकारी देते हुए बताया की हर वर्ग के बालक बालिकाओं को कोड नंबर दिए जाएंगे ताकि उनका नाम और विद्यालय का नाम गोपनीय रहे। इस प्रतियोगिता के लिए तीन निर्णायक होंगे जो कि तीनों निर्णायक समाज से संबंधित नहीं होंगे बल्कि बाहर से होंगे ताकि परिणाम की पारदर्शिता बनी रहे।

जिला कलक्टर ने पौधारोपण कर मिनी सचिवालय को एनर्जी एफिसिएंट बिल्डिंग बनाने के नवाचार का किया शुभारम्भ

जयपुर टाइम्स

अलवर(नि.सं.)। जिला कलक्टर के निर्देशन में जिला प्रशासन के मिनी सचिवालय को ग्रीन बिल्डिंग अवधारणा के तहत एनर्जी एफिसिएंट बिल्डिंग बनाने के अभिनव नवाचार के तहत सीएसआर के सहयोग से मियावाकी पद्धति से भवन में पौधे लगाने के कार्य का शुभारंभ जिला कलक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला की अगुवाई में हुआ।

जिला कलक्टर ने बताया कि जिला प्रशासन द्वारा अर्णिमा सोशल वेलफेयर सोसायटी के सहयोग एवं चैम्बर ऑफ कॉमर्स अलवर के सीएसआर सहयोग के तहत 400 पौधे लगाकर मिनी सचिवालय के भवन को एनर्जी एफिसिएंट बिल्डिंग बनाने के नवाचार कार्य का शुभारंभ हुआ। उन्होंने बताया कि इस नवाचार के तहत वन विभाग के तकनीकी सहयोग से मिनी सचिवालय परिसर में खाली पेचेज में सीएसआर के माध्यम से मियावाकी पद्धति से सघन पौधारोपण किया जाएगा, जिससे मिनी सचिवालय का स्वरूप ग्रीन इमारत के रूप में उभरेगा।

उल्लेखनीय है कि इससे पूर्व पर्यावरण संरक्षण एवं हरित आवरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सीएसआर एवं कर्मचारियों के सहयोग से मिनी सचिवालय भवन में गैलरी आदि स्थानों पर गमलो में पौधे लगाए गए है।

इस अवसर पर एडीएम शहर बीना महावर, उप वन संरक्षक अलवर राजेंद्र हुड्डा, अलवर चेंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष राजेश गुप्ता, यशवंत मीणा, सुधीर माथुर, क्षितिज माथुर, सतीश मोदी, नवीन सेन, अशोक पाठक, पं. नथूराम शास्त्री, मोहित सिंह, आशीष गुप्ता, नवीन कुमार, आशीष रावत, रामचरण शर्मा, राजेंद्र सिंह भाटी, भीम सिंह, नेतराम, राकेश वर्मा, अशीमा माथुर, माया गुप्ता, राजदीप शर्मा सहित गणमान्य नागरिक उपस्थिति रहे।

कांवड़िया सेना संगठन राजस्थान प्रदेश कार्यकारिणी भंग, नई नियुक्ति आज

जयपुर टाइम्स

दिल्ली(एजेंसी)।। कांवड़िया सेना संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष महंत त्रिलोकीनाथ जी महाराज ने संगठन की राजस्थान प्रदेश कार्यकारिणी को भंग करने का निर्णय लिया है। उन्होंने दिल्ली स्थित राष्ट्रीय कार्यालय से एक आधिकारिक विज्ञप्ति जारी कर अपनी समस्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह निर्णय लिया।महंत त्रिलोकीनाथ जी महाराज ने बताया कि राजस्थान प्रदेश में संगठन को नई दिशा देने और इसे और अधिक प्रभावी बनाने के लिए यह कदम उठाया गया है। उन्होंने यह भी घोषणा की कि संगठन के नए प्रदेश अध्यक्ष की नियुक्ति आज, 3 अप्रैल 2025, को माता रानी के छठे नवरात्रे के शुभ अवसर पर की जाएगी। इस नियुक्ति के बाद संगठन की नई कार्यकारिणी का गठन किया जाएगा, जिससे संगठन की गतिविधियों को और अधिक सशक्त बनाया जा सके। राष्ट्रीय अध्यक्ष महंत त्रिलोकीनाथ जी महाराज ने इस अवसर पर सभी देशवासियों को हिंदू नववर्ष एवं नवरात्रों की हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित कीं और माता रानी से सभी के सुख, समृद्धि और कल्याण की कामना की। उन्होंने

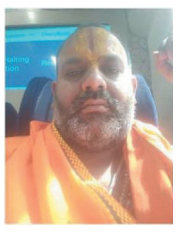

कहा कि संगठन की नई कार्यकारिणी के गठन के बाद राजस्थान प्रदेश में धार्मिक एवं सामाजिक गतिविधियों को और अधिक मजबूती मिलेगी। सूत्रों के अनुसार, संगठन की राजस्थान प्रदेश इकाई में कई बदलाव की संभावनाएं हैं और नई कार्यकारिणी में कुछ नए चेहरों को भी शामिल किया जा सकता है। महंत त्रिलोकीनाथ जी महाराज ने सभी सदस्यों से अपील की कि वे संगठन की विचारधारा के अनुरूप कार्य करते हुए धर्म, संस्कृति और समाज की सेवा के लिए तत्पर रहें।

संगठन को नई दिशा देने की तैयारी

कांवड़िया सेना संगठन का उद्देश्य हिंदू संस्कृति, धर्म और धार्मिक परंपराओं को बढ़ावा देना है। राजस्थान में संगठन की गतिविधियों को गति देने के लिए नई कार्यकारिणी का गठन किया जा रहा है, जिससे आने वाले समय में कांवड़ यात्रा और धार्मिक आयोजनों को और अधिक भव्य एवं संगठित रूप दिया जा सके। नई कार्यकारिणी की घोषणा के बाद संगठन की आगे की रणनीति और कार्यक्रमों की रूपरेखा तय की जाएगी।

विधायक डॉ जसवंत यादव ने की जनसुनवाई

विधायक डॉ. जसवंत यादव ने की क्षेत्र के विकास और सुख-समृद्धि के लिए प्रार्थना

जयपुर टाइम्स

बहरोड़(नि.सं.)। विधायक डॉ. जसवंत यादव ने विधायक कार्यालय, बहरोड़ में जनसुनवाई कार्यक्रम आयोजित कर जनता की समस्याओं को गंभीरता से सुना और उनके समाधान के लिए त्वरित निर्देश जारी किए। उन्होंने कहा कि जनता की सेवा ही उनकी पहली प्राथमिकता है और वे हरसंभव प्रयास करेंगे कि किसी भी व्यक्ति को समस्या के समाधान के लिए भटकना न पड़े।

उन्होंने कहा मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और भाजपा सरकार के सहयोग से मैं अपने क्षेत्र में विकास कार्यों को गति देने के लिए पूरी तरह समर्पित हूं। हमारी सरकार हर व्यक्ति तक सरकारी योजनाओं और सुविधाओं को पारदर्शी तरीके से पहुंचाने के लिए संकल्पित है। जनता के विश्वास को मजबूत करना और उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव लाना ही हमारा उद्देश्य है। भाजपा सरकार की नीतियों और योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन से हम बहरोड़ को एक विकसित और आत्मनिर्भर क्षेत्र बनाने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं।चतुर्थ नवरात्रि के शुभ अवसर पर डॉ. यादव ने कूल देवी जिलानी मंदिर और दहमी-हमजापुर स्थित

पवित्र मंशा माता मंदिर में पूजा-अर्चना भी की। उन्होंने माता रानी से बहरोड़ विधानसभा क्षेत्र के नागरिकों के सुख, समृद्धि, शांति और उत्तम स्वास्थ्य की प्रार्थना की।उन्होंने कहा धर्म और संस्कृति हमें जनकल्याण की प्रेरणा देते हैं। माँ की कृपा से समाज में सद्भाव, उन्नति और सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बना रहे, यही मेरी कामना है। इस अवसर पर बहरोड मण्डल अध्यक्ष प्रशान्त यादव, जिला उपाध्यक्ष कमल यादव, रामनरेश यादव पार्षद, देवेन्द्र शर्मा पार्षद, चिन्टू पार्षद, गौरीशंकर पार्षद, संजय शर्मा, संजय मीर पूर्व मण्डल अध्यक्ष, शिवचरण गुरूजी, कपिल वैद्य, कर्मवीर यादव, अनिल बोहरा, सुभाष यादव, नरेन्द्र यादव, नूतन सैनी, देवेन्द्र यादव एवं पार्टी कार्यकर्ता व पदाधिकारी उपस्थित रहे।

गर्मी में जयपुर डेयरी लॉन्च करेगी 23 नए प्रोडक्ट

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कास)।। जयपुर जिला दुग्ध सहकारी संघ (जयपुर डेयरी) इस गर्मी में 23 नए उत्पाद लॉन्च करने जा रही है। इनमें 5 रुपए की आइसक्रीम, फ्लेवर्ड मिल्क, कोल्ड कॉफी और श्रीखंड के नए फ्लेवर शामिल होंगे। 5 अप्रैल को आयोजित कार्यक्रम में इन प्रोडक्ट्स को बाजार में उतारा जाएगा। डेयरी चेयरमैन ओम पूनिया ने बताया कि आमजन की बढ़ती मांग को देखते हुए यह फैसला लिया गया है। सरस के दुग्ध उत्पाद शुद्धता और विश्वसनीयता के कारण लोकप्रिय हैं, इसलिए जयपुर डेयरी ने नए उत्पाद लॉन्च करने का निर्णय लिया। सभी उत्पाद डेयरी प्लांट में ही तैयार किए जा रहे हैं। नए उत्पादों में 3 तरह की कोल्ड कॉफी, 5 फ्लेवर्ड मिल्क, 10 कैंडी आइसक्रीम और 5 फ्लेवर्ड श्रीखंड शामिल हैं। इससे पहले डेयरी ने पुदीना और तड़का छाछ जैसे नए वैरिएंट लॉन्च किए थे, जिन्हें बाजार में अच्छा रिस्पॉन्स मिला।

गर्मी की छुट्टियों में राजस्थान से चलेंगी स्पेशल ट्रेनें

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कास)।। उत्तर पश्चिम रेलवे (NWR) ने गर्मी की छुट्टियों में यात्रियों की सुविधा के लिए कई स्पेशल ट्रेनें चलाने और ट्रेनों में अतिरिक्त कोच जोड़ने की घोषणा की है। इससे यूपी, बिहार और महाराष्ट्र जाने वाले यात्रियों को कन्फर्म टिकट मिल सकेगा।

एक्स्ट्रा कोच और ठहराव में बदलाव

मुंबई सेंट्रल-जयपुर ट्रेन (12955/12956) में 31 मार्च 2025 से एक साधारण श्रेणी का डिब्बा जोड़ा जाएगा, जिससे यह अब 22 कोच की होगी। पुणे-सांगानेर स्पेशल ट्रेन (01433/01434) का ठहराव अब उधना की जगह सूरत स्टेशन पर होगा। यह ट्रेन 9 अप्रैल से 25 जून तक हर बुधवार को चलेगी, जबकि वापसी 10 अप्रैल से 26 जून तक हर गुरुवार को होगी।

हावड़ा-खातीपुरा स्पेशल ट्रेन

यात्रियों की सुविधा के लिए हावड़ा-खातीपुरा स्पेशल ट्रेन (03007/03008) चलाई जाएगी। यह 13 अप्रैल से 1 जून तक हावड़ा से और 15 अप्रैल से 3 जून तक खातीपुरा से चलेगी। यह ट्रेन पटना, प्रयागराज, आगरा कैंट, भरतपुर, बांदीकुई और दौसा समेत कई स्टेशनों पर रुकेगी।

इन नई ट्रेनों और कोच बढ़ोतरी से यात्रियों को सफर में अधिक सुविधा मिलेगी।

को-ऑपरेटिव विकास समिति की समीक्षा बैठक आयोजित

जयपुर टाइम्स

अलवर(नि.सं.)। अतिरिक्त जिला कलक्टर द्वितीय योगेश कुमार डागुर की अध्यक्षता में कलक्ट्रेट सभागार में जिला स्तर पर सहकारी आंदोलन को मजबूत करने और जमीनी स्तर तक पहुंच को गहरा करने की योजना के क्रियान्वयन हेतु जिला स्तरीय को-ऑपरेटिव विकास समिति की बैठक आयोजित हुई। बैठक में जिले की पैक्स विहीन 11 ग्राम पंचायतों में नवीन पैक्स के गठन की अनुशंसा की गई।

अतिरिक्त जिला कलक्टर द्वितीय ने अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 के संबंध में जिला स्तर पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों एवं गतिविधियों के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए संबंधित विभागीय अधिकारियों को आपसी समन्वय से कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्देश दिए की अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 के कार्यक्रमों एवं गतिविधियों में महिलाओं, युवाओं एवं किसानों की व्यापक सहभागिता सुनिश्चित हो।

उन्होंने नई बहुउद्देशीय ग्राम सेवा सहकारी समितियों के लक्षानुसार ग्राम पंचायतों में गठन, पारदर्शिता में वृद्धि के लिए पैक्स के कंप्यूटराइजेशन, 34 स्थापित हो चुके कस्टम हायरिंग केंद्रों के अतिरिक्त शेष में इनकी स्थापना एवं पैक्स को प्रधानमंत्री किसान समृद्धि केंद्रों के संचालन हेतु प्रोत्साहित करने के निर्देश दिए। उन्होंने सहकारी बैंकों के सशक्तिकरण के लिए पैक्स को माइक्रो एटीएम उपलब्ध कराने, पैक्स को कॉमन सर्विस सेंटर के रूप में सक्रिय करने, म्हारो खातों म्हारों बैंक योजना के अंतर्गत सहकारी संस्थाओं के खाते सहकारी बैंक में संचालित करने, एफआईजी पोर्टल के माध्यम से किसानों को आधार आधारित प्रमाणीकरण से ऋण वितरण कार्य की समीक्षा कर उपरजिस्टार सहकारिता को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में सहकारी बैंक के एमडी देवीदास बैरवा, एसीईएम सुनीता यादव, जिला परिषद की अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी आरती गुप्ता, उप रजिस्ट्रार सहकारिता गुलाबचंद मीणा, नाबार्ड के एजीएम प्रदीप चौधरी, कृषि विभाग के संयुक्त निदेशक पीसी मीणा, राजीविका डीपीएम रेखा रानी व्यास सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

सीकर निवासी एवं कार्डियोलॉजी विशेषज्ञ डॉ. राकेश महला का निधन

जयपुर टाइम्स

अजमेर(निसं.) । जेएलएन मेडिकल कॉलेज और अस्पताल, अजमेर के कार्डियोलॉजी विभाग के एचओडी एवं वरिष्ठ आचार्य डॉ. राकेश महला का सोमवार दोपहर गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल में निधन हो गया। वे कार्डियक और रीनल डिजीज की समस्या के कारण पिछले सप्ताह अस्पताल में भर्ती हुए थे, जहां उनका ऑपरेशन भी हुआ था। उनकी मृत्यु से चिकित्सा जगत में शोक की लहर है।

डॉ. राकेश महला: एक साधारण परिवार से चिकित्सा क्षेत्र के शीर्ष तक का सफर

सीकर जिले के एक साधारण परिवार में जन्मे डॉ. राकेश महला ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा गांव में ही पूरी की। बचपन से ही मेधावी छात्र रहे डॉ. महला ने अपने परिश्रम और लगन से मेडिकल क्षेत्र में अपनी अलग पहचान बनाई। 1993 में उन्होंने एसएमएस मेडिकल कॉलेज, जयपुर से एमबीबीएस किया और बाद में कार्डियोलॉजी में विशेषज्ञता हासिल की। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत जयपुर के एसएमएस अस्पताल से की, लेकिन 2010 में जेएलएन मेडिकल कॉलेज, अजमेर में कार्डियोलॉजी विभाग में सेवाएं देना शुरू किया। उनके आने से अजमेर और आसपास के जिलों के हार्ट पेशेंट्स को बड़ा लाभ मिला, क्योंकि पहले उन्हें जयपुर या अन्य बड़े अस्पतालों में रेफर कर दिया जाता था। डॉ. महला ने अपनी चिकित्सा सेवा के दौरान कई अहम उपलब्धियां हासिल कीं। उन्होंने दो बार कार्डियक मरीजों के बैलून माइट्रल वैल्वोट्रॉमी ऑपरेशन कर रिकॉर्ड बनाया। हार्ट की बीमारियों के उपचार में उन्होंने नए प्रयोग किए और जेएलएन अस्पताल में आधुनिक कार्डियोलॉजी सुविधाओं की नींव रखी। उनके मार्गदर्शन में कई युवा चिकित्सकों ने विशेष प्रशिक्षण लिया और कार्डियोलॉजी में करियर बनाया।

व्यक्तिगत जीवन और सामाजिक सरोकार

डॉ. महला की पत्नी डॉ. आरती महला एक प्रसिद्ध गायनोकोलॉजिस्ट हैं। दोनों ने मिलकर चिकित्सा क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दिया। डॉ. महला न केवल एक कुशल चिकित्सक थे, बल्कि समाजसेवा में भी अग्रणी रहे। उन्होंने गरीब मरीजों के लिए निःशुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित किए और स्वास्थ्य जागरूकता अभियान चलाए। उनकी असमय मृत्यु से चिकित्सा जगत को अपूरणीय क्षति हुई है। कांग्रेस नेता महेंद्र सिंह रलावता, भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष व मीडिया विभाग के प्रदेश सहसंयोजक अरविंद यादव, संजय भादू, शिव कुमार बंसल, महेश चौहान, डॉ. संजय पुरोहित, मामराज सेन, गजेंद्र सिंह रलावता, राजेंद्र नरचल समेत कई गणमान्य व्यक्तियों ने उनके निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। डॉ. महला अपने पीछे चिकित्सा सेवा के क्षेत्र में एक ऐसी विरासत छोड़ गए हैं, जो आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेगी।

विभिन्न छात्रवृति योजनाओं की अंतिम तिथि में बढ़ोतरी

जयपुर टाइम्स

जयपुर, (का.सं.)। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग ने छात्र-छात्राओं की सुविधा और मांग के आधार पर विभाग द्वारा संचालित विभिन्न छात्रवृति योजनाओं की अंतिम तिथि में बढ़ोतरी की है। निदेशक एवं विशिष्ट शासन सचिव बचनेश अग्रवाल ने बताया कि शैक्षणिक सत्र 2024-25 में राजस्थान राज्य के मूल निवासियों के लिए विभिन्न छात्रवृति योजनाओं में अनुसूचित जाति/अनु. जनजाति/अति पिछड़ा वर्ग/अन्य पिछडा वर्ग/आर्थिक पिछड़ा वर्ग/विमुक्त, घुमन्तू एवं अर्धघुमंतू समुदाय/मिरासी एवं भिश्ती समुदाय तथा मुख्यमंत्री सर्वजन उच्च शिक्षा उत्तर मैट्रिक छात्रवृति योजनाओं में राज्य की राजकीय/निजी मान्यता प्राप्त शिक्षण संस्थाओं एवं राज्य के बाहर संचालित राष्ट्रीय/राजकीय स्तर की शिक्षण संस्थाओं के पाठ्यक्रमों में प्रवेशित/अध्ययनरत (कक्षा 11 व 12 के अतिरिक्त) शिक्षण संस्थाओं के विद्यार्थियों के लिए आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ाई है। श्री अग्रवाल ने बताया कि शिक्षण संस्थाओं के छात्रवृति पोर्टल पर पंजीयन/नवीनीकरण, कोर्स मैपिंग, मान्यता एवं पाठ्यक्रमवार फीस स्ट्रक्चर आदि को अद्यतन (अपडेट) करने के लिए अन्तिम तिथि 21 अप्रैल 2025 निधारित की गई है। साथ ही उत्तर मैट्रिक छात्रवृति के लिए विद्यार्थियों द्वारा पेपरलेस आनलाइन आवेदन पत्र पंजीकरण कर आनलाइन आवेदन पत्र भरने के लिए अंतिम तिथि/पोर्टल बन्द करने की तिथि को बढ़ाकर 30 अप्रेल, 2025 किया गया है। विभाग द्वारा यह भी निर्णय लिया गया है कि यदि छात्रवृति आवेदन विद्यार्थी के स्तर पर 45 दिनों से अधिक व शिक्षण संस्थानों के स्तर पर 30 दिनों से अधिक लंबित रहता है तो ऐसे आवेदनों को पोर्टल द्वारा स्वतः ही निरस्त कर दिया जाएगा। निदेशक ने बताया कि अभ्यर्थी विभाग के वेब पोर्टल www.sjmsnew.rajasthan.gov.in/ scholarship अथवा एसएसओ पोर्टल पर स्कॉलरशिप एसजेई एप अथवा मोबाइल ऐप एसजेईडी एप्लीकेशन के माध्यम से ऑनलाइन पेपरलेस छात्रवृत्ति आवेदन कर सकते हैं।

हाईकोर्ट ने असिस्टेंट प्रोफेसर भर्ती इंटरव्यू पर लगाई रोक

जयपुर टाइम्स

जयपुर (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने संस्कृत शिक्षा विभाग में 200 असिस्टेंट प्रोफेसर पदों पर जारी भर्ती में इंटरव्यू पर रोक लगा दी है। याचिकाकर्ताओं ने आरपीएससी पर भर्ती प्रक्रिया के बीच में नियम बदलने का आरोप लगाया था, जिसे कोर्ट ने गैर-संवैधानिक माना।

न्यूनतम अंकों में किया बदलाव

एडवोकेट हरेन्द्र नील ने बताया कि पहले दोनों पेपर (विषय और जीके) में 40% अंक लाने वाले ही इंटरव्यू के पात्र थे, लेकिन कार्मिक विभाग ने 25 फरवरी 2025 को इसे घटाकर 36% कर दिया। आरपीएससी ने इस बदलाव को भर्ती में लागू कर दिया, जिससे अभ्यर्थियों के हित प्रभावित हुए। याचिकाकर्ताओं ने सुप्रीम कोर्ट के फैसलों का हवाला देते हुए तर्क दिया कि भर्ती प्रक्रिया शुरू होने के बाद नियम नहीं बदले जा सकते। हाईकोर्ट ने सरकार से जवाब मांगा है, जिससे भर्ती प्रक्रिया फिलहाल अटक गई है।

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग में नियमित पदोन्नतियों से कार्मिकों की वर्क परफॉर्मेंस हुई उत्कृष्ट

जयपुर टाइम्स

जयपुर,(का.सं.)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा राज्य सरकार के कार्मिकों के कल्याण के लिए संकल्पित हैं। राज्य बजट में इस सम्बंध में अनेक घोषणाएं की गई तथा इनकी समयबद्ध पालना भी सुनिश्चित की गई। इसी भावना के साथ सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग ने वित्तीय वर्ष के पहले ही दिन 1 अप्रेल, 2025 को अतिरिक्त निदेशक, संयुक्त निदेशक, उप निदेशक, सहायक निदेशक, सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी, कैमरामेन और वरिष्ठ छायाकारों की अन्तिम वरिष्ठता सूची जारी कर दी है। सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग के आयुक्त सुनील शर्मा ने बताया कि समय पर अन्तिम वरिष्ठता सूची जारी होने से विभाग में कार्मिकों की नियमित पदोन्नति सुनिश्चित हो रही है। नई सरकार के गठन के साथ ही मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने इस सम्बंध में स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी किए थे, जिसकी पालना में यह कार्यवाही की गई है। विभाग के कार्मिकों में इस बारे में जबर्दस्त उत्साह है और उन्होंने इसके लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का आभार प्रकट करते हुए कहा कि इससे ज्यादा प्रसन्नता की कोई बात नहीं हो सकती कि कर्मचारी हितैषी यह सरकार हमें परिवार का अभिन्न अंग मानती है ।

आईपीएल के आयोजन के लिए सुरक्षा सहित समस्त आवश्यक इंतजाम हों सुनिश्चित

जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने अधिकारियों को दिये निर्देश

जयपुर टाइम्स

जयपुर (का.सं.)। जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने जयपुर में आईपीएल के आयोजन के दौरान दर्शकों की सुरक्षा सहित आयोजन से जुड़े सभी इंतजामों के लिए समस्त निर्धारित मानदंडों की पालना सुनिश्चित करने के निर्देश दिये हैं। बुधवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिला कलक्टर की अध्यक्षता में आईपीएल के आयोजन के संबंध में बैठक हुई।

जिला कलक्टर ने अधिकारियों को दर्शकों के लिए निःशुल्क पेयजल व्यवस्था करने के निर्देश दिये। जिला रसद अधिकारी एवं खाद्य सुरक्षा अधिकारियों को मैच के आयोजन के दौरान परोसे जाने वाले भोजन एवं अन्य खाद्य सामग्रियों की गुणवत्ता जांच करने एवं अस्थाई रसोईयों में साफ-सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए निर्देशित किया।

बैठक में जिला कलक्टर ने सभी विभागों के अधिकारियों को आपसी सहयोग एवं समन्वय स्थापित करते हुए सुरक्षा एवं बचाव की प्रभावी कार्ययोजना तैयार करने एवं क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। जिला कलक्टर ने अधिकारियों को स्टेडियम में एंबुलेंस मय प्रशिक्षित चिकित्सकीय दल की तैनाती करने,

अलग-अलग स्थानों पर मेडिकल कियोस्क स्थापित करने, नागरिक सुरक्षा के स्वयंसेवकों की तैनाती करने, निर्बाध विद्युत आपूर्ति, दर्शकों की सघन तलाशी करने, आयोजन स्थल पर पर्याप्त मात्रा में अग्निशमन वाहनों एवं यंत्रों की उपलब्धता सुनिश्चित करने, दर्शकों को नियमों की जानकारियों के लिए प्रचार प्रसार के लिए निर्देशित किया।

बैठक में सुरक्षा विशेषज्ञ फूलचंद चौधरी ने जानकारी दी कि आईपीएल के आयोजन के लिए जिला कलक्टर के निर्देश पर पहली बार आपात कालीन स्थिति में दर्शकों के बचाव एवं निकास के लिए कार्ययोजना तैयार की गई है साथ ही ब्लॉकवार निकास योजना एवं बचाव स्थल का भी चिन्हीकरण किया गया है।24 हजार की दर्शक क्षमता वाले सवाई मान सिंह स्टेडियम में सुरक्षा के लिए लिहाज से 291 सीसीटीवी कैमरे एवं एक केंद्रीयकृत नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया।

साथ ही बैठक में जानकारी दी गई कि आईपीएल के दौरान भीड़ नियंत्रण, आपत स्थिति में बचाव कार्य सहित अन्य जरूरी व्यवस्था बनाये रखने के लिए चप्पे चप्पे पर 477 सुरक्षा गार्डों की तैनाती की जाएगी। वहीं, अमरूदों के बाग, एसएमएस इंवेस्टमेंट सेंटर, रामबाग सर्किल पर सुबोध पार्किंग सहित विशिष्ट अतिथियों के लिए अलग से पार्किंग की व्यवस्था की गई है।

जिला कलक्टर ने अधिकारियों को संपूर्ण आयोजन के लिए नियंत्रण कक्ष की स्थापना करने, यातायात व्यवस्था दुरुस्त रखने सहित अन्य समस्त आवश्यक इंतजाम सुनिश्चित करने के लिए निर्देशित किया है।

बैठक में अतिरिक्ति जिला कलक्टर मुकेश कुमार मूंड, अतिरिक्त जिला कलक्टर संतोष मीणा सहित बीसीसीआई एवं राजस्थान रॉयल्स के प्रतिनिधि, पुलिस विभाग, नगर निगम, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, विद्युत विभाग, जनस्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग, सार्वजनिक निर्माण विभाग, नागरिक सुरक्षा सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

बाड़मेर लिग्नाइट खदानों में अनियमितताओं पर सांसद उम्मेदाराम बेनीवाल ने लोकसभा में उठाई आवाज़

जयपुर टाइम्स

नई दिल्ली/रावतसर(एजेंसी.)। बाड़मेर-जैसलमेर-बालोतरा लोकसभा क्षेत्र से सांसद उम्मेदाराम बेनीवाल ने बुधवार को लोकसभा में बाड़मेर की लिग्नाइट खदानों में भ्रष्टाचार और अनियमितताओं का मुद्दा उठाया। उन्होंने JSW समूह पर अवैध खनन, सरकारी भूमि अतिक्रमण और हत्तज्ञ व नियमों के उल्लंघन के गंभीर आरोप लगाए। सांसद ने सरकार से इस मामले में उच्च स्तरीय जांच और सख्त कार्रवाई की मांग की।

JSW समूह पर अनियमितताओं के आरोप

सांसद बेनीवाल ने कहा कि JSW समूह ने जालीपा और कपूरड़ी लिग्नाइट खदानों में पारदर्शिता की अनदेखी कर मनमानी की है। उन्होंने सरकारी जमीन, नाडी, ओरण और गौचर भूमि पर अतिक्रमण कर अवैध खनन का आरोप लगाया, जिससे पर्यावरण और स्थानीय समुदायों को नुकसान हो रहा है।

कैग रिपोर्ट और हाईकोर्ट के आदेशों की अवहेलना

उन्होंने बताया कि कैग रिपोर्ट में खनन घोटाले और राजस्व हानि पर सवाल उठाए गए थे, लेकिन कार्रवाई नहीं हुई। हाईकोर्ट के आदेशों की भी अनदेखी की गई, जिससे प्रभावशाली कंपनियों को खुली छूट मिली।

पर्यावरण और CSR नियमों का उल्लंघन

सांसद ने कहा कि अवैध खनन से वायु प्रदूषण बढ़ा है और जल स्रोत प्रभावित हुए हैं।

JSW के दिशा-निर्देशों का पालन नहीं हो रहा, जिससे स्थानीय लोगों का स्वास्थ्य खतरे में है। उन्होंने CSR फंड के दुरुपयोग का भी मुद्दा उठाया और स्थानीय विकास कार्यों की अनदेखी पर सवाल खड़े किए।

सांसद की मांगें

1. जालीपा और कपूरड़ी खदानों के आवंटन की पारदर्शी जांच हो।
2. कैग रिपोर्ट और हाईकोर्ट के आदेशों पर कड़ी कार्रवाई हो।
3. JSW के एकाधिकार को समाप्त कर सार्वजनिक उपक्रमों को प्राथमिकता दी जाए।
4. NGT और CSR नियमों को सख्ती से लागू किया जाए।
5. खातेदारों को रोजगार, विस्थापितों का पुनर्वास और पर्यावरण संरक्षण सुनिश्चित हो।
6. शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, पेयजल और बिजली जैसी सुविधाओं को पूरा किया जाए।

सांसद बेनीवाल ने केंद्र सरकार से खनन नियमों की कड़ी निगरानी और समीक्षा की मांग करते हुए कहा कि तत्काल हस्तक्षेप कर कानूनी कार्रवाई की जाए, ताकि पर्यावरण और स्थानीय जनता के हित सुरक्षित रह सकें।

आयुक्त रूक्मणी रियाड़ के नेतृत्व में नगर निगम ग्रेटर ने बनाया राजस्व वसूली का रिकॉर्ड

जयपुर टाइम्स

जयपुर, (का.सं.)। नगर निगम ग्रेटर जयपुर ने वित्तीय वर्ष 2024-25 में नगरीय विकास कर और विज्ञापन शुल्क वसूली में ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। आयुक्त रूक्मणी रियाड़ के कुशल नेतृत्व और राजस्व टीमों के अथक प्रयासों से निगम ने 118.51 करोड़ रुपये की कुल राजस्व वसूली कर पिछले वर्ष की तुलना में 49.23त्न अधिक संग्रहण किया है।

नगर निगम ग्रेटर द्वारा 104.02 करोड़ रुपये नगरीय विकास कर और 14.49 करोड़ रुपये विज्ञापन शुल्क के रूप में वसूले गए। इसके अलावा, 17.96 करोड़ रुपये सरकारी उपक्रमों से भी वसूल किए गए। इस सफलता में फर्म स्पैरो सॉफ्टेक प्राइवेट लिमिटेड का भी योगदान रहा।

मालवीय नगर जोन ने बनाया नया रिकॉर्ड

नगर निगम ग्रेटर के सभी जोनों ने इस वर्ष जबरदस्त राजस्व वसूली की, लेकिन मालवीय नगर जोन ने सबसे बड़ा रिकॉर्ड बनाया। इस जोन ने पिछले वर्ष 20.65 करोड़ रुपये की वसूली की थी, जबकि इस वर्ष 31 मार्च 2025 को एक ही दिन में 21.45 करोड़ रुपये का राजस्व संग्रहण किया। पूरे वित्तीय वर्ष में मालवीय नगर जोन ने 46.84 करोड़ रुपये की वसूली कर अब तक का सर्वाधिक संग्रहण किया।

अन्य जोनों की वसूली भी उल्लेखनीय रही

जगतपुरा जोन 10.79 करोड़ रुपये

झोटवाड़ा जोन 13.75 करोड़ रुपये

मानसरोवर जोन 14.15 करोड़ रुपये

मुरलीपुरा जोन 11.87 करोड़ रुपये

सांगानेर जोन 9.16 करोड़ रुपये

विद्याधर नगर जोन 6.66 करोड़ रुपये

मेगा कैंप से करदाताओं को राहत

नगर निगम ग्रेटर ने करदाताओं की समस्याओं के समाधान के लिए तीन दिवसीय मेगा कैंप का आयोजन किया। इसमें संपत्ति धारकों द्वारा प्रस्तुत भूखंडों से संबंधित आपत्तियों का त्वरित निस्तारण किया गया। निगम की राजस्व टीमों ने संशोधित बिल जारी कर तत्काल नगरीय विकास कर की वसूली की।

आयुक्त रूक्मणी रियाड़ ने इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर राजस्व टीमों की सराहना करते हुए कहा, हमारी टीम ने समर्पण और रणनीतिक कार्य योजना से यह रिकॉर्ड वसूली की है। आने वाले वर्षों में भी यह अभियान जारी रहेगा ताकि जयपुर का नगरीय विकास बेहतर हो सके।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने किया विकास कार्यों का लोकार्पण, मेधावी छात्राओं को वितरित की स्कूटियां

जयपुर टाइम्स

सवाई माधोपुर(का.सं.)। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने बुधवार को गंगापुर सिटी के दौरे के दौरान विभिन्न विकास परियोजनाओं का लोकार्पण किया और सरकार की कालीबाई भील एवं देवनारायण छात्रा स्कूटी योजना के तहत मेधावी छात्राओं को निःशुल्क स्कूटियां वितरित कीं।

कार्यक्रम में उन्होंने 245 लाख रुपये की लागत से 8.50 किमी सड़क निर्माण, 161.50 लाख रुपये से 2.645 किमी शहरी सड़कों के विकास कार्य, जल जीवन मिशन के तहत 495.34 लाख रुपये की अलीगंज पाईप्ड जल योजना एवं 365.68 लाख रुपये की मालियों की चौकी पाईप्ड जल योजना सहित अन्य परियोजनाओं का लोकार्पण किया।

राजस्थान में 12वीं पास के लिए 13,252 पदों पर भर्ती, 1 मई तक करें आवेदन

जयपुर टाइम्स

जयपुर (का.सं.)। राजस्थान सरकार ने नेशनल हेल्थ मिशन और राजस्थान मेडिकल एजुकेशन सोसायटी के तहत 13,252 पदों पर वैकेंसी निकाली है। 12वीं पास और ग्रेजुएट अभ्यर्थी 1 मई 2025तक राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड की वेबसाइट पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। भर्ती संविदा आधारित होगी, जिसे सरकार समयानुसार बढ़ा या घटा सकती है।

परीक्षा और रिजल्ट शेड्यूल

भर्ती परीक्षा जून 2025 में आयोजित होगी। 2 से 12 जून तक अलग-अलग परीक्षाएं होंगी, जिसके बाद आंसर-की जारी कर आपत्तियां मांगी जाएंगी। फाइनल रिजल्ट 13 नवंबर 2025 तक घोषित होगा।

भर्ती प्रक्रिया और योग्यता

- उम्र सीमा- 18-40 वर्ष (आरक्षित वर्ग को छूट)

फीस

- सामान्य क्रीमीलेयर रू600
- नॉन-क्रीमीलेयर/ईडब्ल्यूएस रू400
- सिलेक्शन प्रोसेस लिखित परीक्षा और डॉक्युमेंट वेरिफिकेशन

एग्जाम पैटर्न

- 2 घंटे की परीक्षा, 200 अंक
- विषय- हिंदी, अंग्रेजी, जनरल नॉलेज, मैथ्स
- कंप्यूटर/टैबलेट आधारित टेस्ट

ऐसे करें आवेदन

ऑफिशियल वेबसाइट पर जाकर नोटिफिकेशन चेक करें और नियमानुसार आवेदन करें।

पेयजल आपूर्ति में किसी प्रकार की समस्या नहीं आए - जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री

सिरोही एवं जालोर जिले की विभागीय समीक्षा बैठक का हुआ आयोजन

जयपुर टाइम्स

जयपुर(का.सं.)। जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री कन्हैयालाल की अध्यक्षता में बुधवार को आत्मा सभागार में सिरोही एवं जालोर जिले की विभागीय समीक्षा बैठक का आयोजन हुआ।

बैठक में पीएचईडी मंत्री ने दोनों जिलों में पेयजल की वर्तमान स्थिति और आने वाले समय में संभावित स्थिति की जानकारी ली तथा की जाने वाली आवश्यक कार्रवाई के सम्बन्ध में आवश्यक दिशा निर्देश दिये। उन्होंने पेयजल प्रबंधन के लिए गंभीरता से कार्य करने तथा पेयजल आपूर्ति में किसी प्रकार की समस्या न आए ये सुनिश्चित करने के निर्देश दिये।

जलदाय मंत्री ने आमजन द्वारा प्रस्तुत पेयजल सम्बन्धित समस्याओं का त्वरित एवं नियमानुसार निस्तारण करने तथा पेयजल प्रबंधन और वितरण तंत्र को मजबूत करने की बात कही।

उन्होंने क्षेत्रवार पेयजल प्रबंधन की जानकारी ली तथा पेयजल स्त्रोतों व विकल्पों के बारे में भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि आमजन को स्वच्छ एवं नियमित पेयजल उपलब्ध करवाना सरकार की प्राथमिकता है उन्होंने अधिकारियों को सरकार की मंशानुरूप

कार्य करने तथा जल जीवन मिशन का कार्य समय पर पूर्ण करने व गुणवत्ताहीन कार्य करने वाले ठेकेदारों पर आवश्यक कार्रवाई करने की बात कही। उन्होंने इस दौरान जल जीवन मिशन, अमृत 2.0 व अन्य विभिन्न विकास कार्यों और परियोजनाओं की विस्तृत समीक्षा की व आवश्यक दिशा निर्देश दिये।

जलदाय मंत्री ने हैंडपंप, बावडी एवं कुओं का मरम्मत व मेंटेनेंस के बारे में चर्चा करते हुए ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल आपूर्ति में कोई बाधा न आए इसके लिए नियमित मॉनिटरिंग करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने राज्य की बजट घोषणाओं से संबंधित कार्यों की क्रियान्विति समय बद्ध रूप से सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए।बैठक में मौजूद आबू-पिंडवाडा विधायक समाराम गरासिया व रानीवाडा विधायक रतन देवासी ने भी क्षेत्रवार पेयजल आपूर्ति की समस्या एवं प्रोजेक्ट्स संबंधित कार्यों के सफल क्रियान्वयन में आने वाली समस्याओं के बारे में अवगत कराया जिस पर पीएचईडी मंत्री ने संबंधित अधिकारियों को समस्याओं के त्वरित निस्तारण की बात कही तथा जनप्रतिनिधियों के साथ समन्वय कर सभी कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग व पूर्ण कार्यों का संयुक्त भौतिक सत्यापन करने के निर्देश दिए।

इस दौरान पूर्व सांसद देवजी पटेल तथा पूर्व विधायक जगसीराम कोली ने भी क्षेत्र में पेयजल प्रबंधन व वितरण, अवैध कनेक्शन सहित विभिन्न समस्याओं के बारे में अवगत कराया जिस पर पीएचईडी मंत्री ने संबंधित को नियमानुसार निस्तारण के निर्देश दिए।

बैठक में डॉ. रक्षा भंडारी, मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रकाश चंद अग्रवाल, एएसपी प्रभु दयाल धानिया, उपखंड अधिकारी हरिसिंह देवल एवं सिरोही एवं जालोर जिले के विभागीय अधिकारी व जनप्रतिनिधि मौजूद थे।

मरे हुए पर मार

खेती-किसानी को आय-कर के दायरे में लाने के नीति आयोग के सुझाव को भी इसी रोशनी में देखा जाना चाहिए। भले ही वित्तमंत्री ने यह कह कर फिलवक्त इस चर्चा पर विराम लगा दिया हो कि कृषि को आय-कर के दायरे में लाने की सरकार की मंशा नहीं है। मगर हमें इससे यह निचोड़ नहीं निकालना चाहिए कि खेती-किसानी पर आय-कर का मामला रफा-दफा हो गया है। नीति आयोग ने कृषि पर आय-कर लगाने के बारे में सुझाव देकर सार्वजनिक विमर्श की दिशा में एक बेहद अहम काम पूरा कर दिया है। कृषि पर आय-कर की चर्चा अब नए स्तर पर पहुंच गई है। अगली बार चर्चा इस बात पर नहीं होगी कि खेती-किसानी पर आय-कर लगाया जाए या नहीं, बल्कि इस बात पर बहस होगी कि कौन-से किसानों को आय-कर के दायरे से बाहर रखा जाए और किन्हें अंदर। बहरहाल, सवाल यह है कि क्या वाकई खेती-किसानी पर आय-कर लगाया जाना चाहिए? देश की जर्जर हो चली कृषि

किंवदंती है कि एक राजा को अपने इकलौते बेटे से बेहद लगाव था। राजा बेटे को किसी भी कीमत पर नहीं खोना चाहता था। दरबार के वैद्य-हकीमों ने राजा को मशवरा दिया कि राजकुमार को बचपन से ही हल्का-हल्का जहर दिया जाए। शुरुआती खुराकों की मात्रा बहुत कम होगी और बाद में समय के साथ खुराकों की मात्रा में इजाफा किया जाएगा। धीरे-धीरे नियमित अंतराल पर जहर दिए जाने के कारण राजकुमार का शरीर जहर का आदी हो जाएगा। साथ ही, राजकुमार के शरीर में जहर के प्रति प्रतिरोधक क्षमता भी विकसित हो जाएगी। एक समय आएगा जब राजकुमार पर बड़ी मात्रा में दिए गए जहर का भी असर नहीं होगा।

आर्थिक लफ्जों में 'नए सामान्य' (न्यू नॉर्मल) की अवधारणा के मुताबिक धीरे-धीरे संकट के आकार में बढ़ोतरी होने के कारण हम संकट के आदी होते जाते हैं। चूंकि हर नया संकट बड़ा व गंभीर होता है, इसलिए पुराना संकट छोटा जान पड़ता है। बड़े आर्थिक सुधार (जिनसे बड़े पैमाने पर लोगों को परेशानी होने का अंदेशा होता है) भी इसी तर्ज पर लागू किए जाते हैं। पहले महज उस आर्थिक मसले पर चर्चा छेड़ी जाती है। लोगों के कड़े विरोध के बीच चर्चा बंद हो जाती है। फिर उस आर्थिक मसले के संबंध में प्रस्ताव रखा जाता है। विरोध होता है और प्रस्ताव पर राय-मशवरा बंद हो जाता है।लेकिन इन सब कवायदों के जरिए सरकार अपना मकसद पूरा करने में कामयाब हो जाती है। लोग धीरे-धीरे संभावित बदलाव के प्रति मानसिक रूप से तैयार हो जाते हैं या बदलाव के बाद आने वाली कठिनाइयों को अपनी नियति मान लेते हैं। वस्तु व सेवा कर यानी जीएसटी इसका ताजा उदाहरण है। जीएसटी से मिलने वाले फायदों पर कोई दो मत नहीं है लेकिन यह भी सच है कि इसके लागू होने से राज्यों की संविधानप्रदत्त वित्तीय स्वायत्तता में कमी आएगी, साथ ही सबसे बड़ा खमियाजा भी आम लोगों और छोटे कारोबारियों के हिस्से में आएगा।

खेती-किसानी को आय-कर के दायरे में लाने के नीति आयोग के सुझाव को भी इसी रोशनी में देखा जाना चाहिए। भले ही वित्तमंत्री ने यह कह कर फिलवक्त इस चर्चा पर विराम लगा दिया हो कि कृषि को आय-कर के दायरे में लाने की सरकार की मंशा नहीं है। मगर हमें इससे यह निचोड़ नहीं निकालना चाहिए कि खेती-किसानी पर आय-कर का मामला रफा-दफा हो गया है। नीति आयोग ने कृषि पर आय-कर लगाने के बारे में सुझाव देकर सार्वजनिक विमर्श की दिशा में एक बेहद अहम काम पूरा कर दिया है। कृषि पर आय-कर की चर्चा अब नए स्तर पर पहुंच गई है। अगली बार चर्चा इस बात पर नहीं होगी कि खेती-किसानी पर आय-कर लगाया जाए या नहीं, बल्कि इस बात पर बहस होगी कि कौन-से किसानों को आय-कर के दायरे से बाहर रखा जाए और किन्हें अंदर।

बहरहाल, सवाल यह है कि क्या वाकई खेती-किसानी पर आय-कर लगाया जाना चाहिए? देश की जर्जर हो चली कृषि अर्थव्यवस्था के बारे में कुछ ऐसे मोटे-मोटे तथ्य हैं जो सब लोग जानते हैं। मसलन, राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के हालिया आंकड़ों

के मुताबिक 1995 से 2015 के बीच देशभर में 3,18,528 किसानों ने आत्महत्या की है। एनसीआरबी के मुताबिक साल 2015 में 12,602 किसानों और खेतिहर मजदूरों ने आत्महत्या की है। यानी बीते साल के मुकाबले किसानों-खेतिहर मजदूरों के आत्महत्या करने के मामलों में बयालीस फीसद की बढ़ोतरी हुई है। जब देश में औसतन हर 42वें मिनट एक किसान या खेतिहर मजदूर आत्महत्या कर रहा हो, तो यह खेती-किसानी पर छाए गहरे संकट का सबसे बड़ा सबूत है। जिस खेती-किसानी में मौत का खेल रुकने का नाम नहीं ले रहा हो, वहां संकट को टालने के बजाय आय-कर की बात करना एक क्रूर मजाक नहीं, तो और क्या है!

2014 के चुनावी घोषणापत्र में भाजपा ने किसानों को उपज का डेढ़ गुना ज्यादा दाम देने का वादा किया था। क्या सरकार ने उस वादे को पूरा किया? मगर भारतीय कृषिक्षेत्र इससे भी बड़ी कुछ संरचनात्मक किस्म की दिक्कतों से जूझ रहा है। देश की अर्थव्यवस्था में कृषि का हिस्सा महज चौदह फीसद रह गया है लेकिन अब भी देश की आबादी का आधा बोझ खेती-किसानी से रोजी-रोटी कमाने की जद्दोजहद में लगा है। हमारे छियासी फीसद किसान छोटे या मझोले आकार के सीमांत किसान हैं जिनके पास दो हेक्टेयर या इससे कम खेती की जमीन है। उदारीकरण के इस दौर में, जब बड़े पैमाने पर उत्पादन (इकोनॉमी ऑफ द स्केल) अर्थव्यवस्था के हर क्षेत्र का मंत्र बन चुका है, हमारे किसान अपने छोटे-छोटे भूमि के टुकड़ों पर दो जून की रोटी का जुगाड़ करने के लिए खेती करते हैं, उनके पास व्यापारिक फसलों की बड़े पैमाने पर खेती करके वैश्विक बाजार में कारोबार करने का सामर्थ्य और संसाधन नहीं हैं।

1990 के आर्थिक सुधारों के बाद से चाहे जिस भी राजनीतिक दल की सरकार रही हो, सभी ने व्यवस्थित रूप से कृषिक्षेत्र में निवेश कम किया है। खाद, बीज, बिजली, पानी, डीजल और कृषि उपकरणों जैसी कृषि आगतों के उत्पादन और आपूर्ति से सरकार लगभग बाहर निकल चुकी है। कृषि आगतों के दामों में साल-दर-साल बढ़ोतरी हुई है और किसान पूरी तरह बाजार भरोसे हैं। यह दीगर बात है कि किसान की उपज को वाजिब दामों पर खरीदने वाला कोई नहीं है। यही कारण है कि किसान आत्महत्याएं केवल गरीब सूबों तक सीमित नहीं हैं बल्कि तमिलनाडु और महाराष्ट्र जैसे संपन्न सूबों में भी हो रही हैं। खेती-किसानी पर आय-कर की दुआई देने वाले का कहना है कि भारत के किसान पुरानी पड़ चुकी तकनीकों का उपयोग करते हैं, इसलिए उनका प्रति हेक्टेयर उत्पादन कम है। किसानों को चाहिए कि वे नई तकनीक अपनाकर उत्पादन बढ़ाएं, मुक्त बाजार की प्रतिस्पर्धा में भाग लें और सरकार को आय-कर चुकाएं। लेकिन सच यह है कि पंजाब-हरियाणा में प्रति हेक्टेयर उत्पादकता दुनिया के विकसित देशों से भी ज्यादा है। जाहिर है, समस्या की जड़ें कहीं ज्यादा गहरी हैं। सरकारी निवेश में हुई लगातार कमी ने किसानों को पूरी तरह से बाजार के हवाले कर दिया है और ऐसे में मुट्ठीभर कथित बड़े किसान भी आज आय-कर चुकाने की स्थिति में नहीं हैं। नीति आयोग का कहना है कि हमारे देश का कर-दायरा बहुत सीमित है। यह बात सच है। मिसाल के तौर पर अंकेक्षण वर्ष 2014-15 में केवल 1.91 करोड़ लोगों ने आय-कर चुकाया। दूसरे शब्दों में देश की कुल आबादी के महज डेढ़ फीसद लोग आय-कर चुकाते हैं। दूसरे देशों के मुकाबले हमारे यहां बहुत कम लोग आय-कर चुका रहे हैं। लेकिन इसके लिए केवल किसानों को क्यों सूली पर चढ़ाया जाए? एक करोड़ रुपए से अधिक आमदनी वाले लोगों पर उप-कर लगाने जैसे छिटपुट टोटके करने के बजाए क्यों न सरकार उन पर कर लगाती है? सब जानते हैं कि मझोले कारोबारी, छोटे व्यवसायी और पेशेवर सेवाएं देने वाले लोग कर के दायरे से बच निकलते हैं।

सम्पादकीय

अमेरिकी धमकी से पहले भी भारत पर हुआ है बड़ा प्रभाव

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप शायद विश्व राजनीति में धमकी की नई परंपरा कायम करने पर तुले हैं। अब उन्होंने रूस से कच्चा तेल खरीदने वालों को धमकाया है कि जो ऐसा करेगा, वह अमेरिका में कारोबार नहीं कर पाएगा। ऐसे देशों पर पच्चीस से पचास फीसद तक अतिरिक्त शुल्क लगाया जाएगा। यह धमकी उन्होंने इसलिए दी है कि रूस-यूक्रेन युद्ध समाप्त करने की दिशा में न तो रूस और न ही यूक्रेन ने अपेक्षित सहयोग का रुख दिखाया है। इससे ट्रंप निराश हैं। पिछले महीने यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की को बुला कर ट्रंप ने कड़े शब्दों में फटकार लगाई थी। यूक्रेन को दी जाने वाली अमेरिकी मदद पर रोक लगा दी गई है। इससे उम्मीद बनी थी कि रूस, अमेरिका की युद्ध विराम संबंधी शर्तें मान जाएगा, मगर उसने अपनी शर्त रख दी कि सभी नाटो देश यूक्रेन को सैन्य मदद और गोपनीय सूचनाओं पर रोक लगाएं, तभी वह युद्ध विराम पर विचार कर सकता है। यह अमेरिका के लिए कठिन ही नहीं, शायद कभी पूरी न हो सकने वाली शर्त है। ऐसे में ट्रंप ने अब रूस पर नकेल कसने का रास्ता चुना है। मगर यह रास्ता भी उनके लिए कितना आसान और कारगर साबित होगा, कहना मुश्किल है। अमेरिका की नई धमकी से भारत की चिंता जरूर कुछ बढ़ गई है, क्योंकि सचमुच अगर वह ऐसा करता है, तो भारत की तेल कंपनियों के लिए रूस से तेल खरीदना मुश्किल हो जाएगा। अभी भारत सबसे अधिक कच्चा तेल रूस से खरीदता है। पहले ईरान और खाड़ी देशों से खरीदता था, मगर अमेरिकी प्रतिबंध के बाद भारतीय तेल कंपनियों ने वहां से तेल खरीदना बंद करके रूस से खरीदना शुरू कर दिया था। इस तरह कच्चे तेल की कीमत बढ़ने से महंगाई तेजी से बढ़ेगी, जिसका अर्थव्यवस्था पर बहुत बुरा असर पड़ेगा। हालांकि भारतीय तेल कंपनियां अभी समझ नहीं पा रही हैं कि अमेरिका का अतिरिक्त शुल्क लगाने का ढांचा क्या होगा, इसलिए वे इसे अधिक चिंता का विषय नहीं मान रही हैं, पर जिस तरह पहले ही पारस्परिक शुल्क नीति के तहत अमेरिका ने भारी शुल्क थोप दिए हैं, उससे भारत के लिए संतुलन बिठाना कठिन हो रहा है। यह नया शुल्क और परेशान करने वाला साबित हो सकता है। मगर ट्रंप प्रशासन के लिए भी अपनी शुल्क नीति पर लंबे समय तक कायम रह पाना कठिन होगा। इसे लेकर अमेरिका में ही विरोध हो रहा है। इसलिए कि पारस्परिक शुल्क के चलते अमेरिकी कारोबार पर भी बुरा असर पड़ सकता है। जिन चीजों के लिए अमेरिका दूसरे देशों पर निर्भर है, उनकी कीमतें बढ़ेंगी, तो वहां भी महंगाई बढ़ेगी। ऐसे में अमेरिकी लोगों का विरोध लंबे समय तक सहन कर पाना ट्रंप के लिए आसान नहीं होगा। वहां के मध्यावधि चुनाव में ट्रंप की पार्टी के लिए भी मुश्किलें बढ़ सकती हैं। फिर यह भी कि ट्रंप के नए ऐलान से रूस कितने दबाव में आ पाएगा, कहना मुश्किल है। यूक्रेनी राष्ट्रपति के साथ जैसा व्यवहार ट्रंप ने किया, उससे ज्यादातर पश्चिमी देश नाराज हैं। इसलिए रूस-यूक्रेन संघर्ष रुकवाने का उनका दावा कमजोर पड़ता जा रहा है। दोनों देशों के बीच चल रहा संघर्ष निश्चित रूप से रुकना चाहिए, यह दुनिया की बेहतरी के लिए बहुत जरूरी है।

भविष्य की बुनियाद

रूल-कालेज आए दिन बढ़ रहे। आंकड़ों में डिग्रीधारियों की संख्या रोज बढ़ रही। लेकिन शिक्षा के इस विस्तार का जो असर समाज पर दिखना चाहिए था, वह सही मायने में दिख नहीं रहा। आखिर ऐसा क्यों है? इसके लिए शिक्षा, विद्यार्थी और समाज के अंतर्संबंधों गौर करना जरूरी होगा। विद्या के समान आंख नहीं। विद्या के बिना मनुष्य लाचार हैं। शिक्षा अज्ञानता के अंधकार को नाश करती है। ज्ञान ज्योति फैला कर सफलता का मार्ग प्रशस्त करती है। इस तरह शिक्षा मनुष्य के जीवन में एक मशाल बनकर आती है। इस मशाल की रोशनी में मनुष्य अपना भला-बुरा समझ सकता है। पुस्तकों के माध्यम से और दूसरों के अनुभव और ज्ञान को प्राप्त कर मनुष्य अपनी कल्पना को साकार कर सकता है। इस लिहाज से देखें तो विद्यार्थी किसी देश के भविष्य होते है। वे ही देश के भावी पीढ़ी के अगुआ या प्रतिनिधि हैं। उन्हीं के हाथों में देश की बागडोर आने वाली होती है। स्वभाविक है कि किसी देश के विकास में वहां के विद्यार्थियों की महत्त्वपूर्ण भूमिका होती है। विद्यार्थी इस भूमिका को निभा सकें, इसके लिए जरूरी है जीवन से जुड़ी शिक्षा के माध्यम से उनका सही व्यक्तित्व निर्माण। शिक्षा काल में हमेशा रचनात्मक क्रियाकलापों में उनका व्यस्त रहना भी आवश्यक है। लेकिन आज देखने को मिल रहा कि किताबी अध्ययन के अतिरिक्त विद्यार्थियों की किसी प्रकार की न तो रचनात्मक व्यस्तता है और न उसके बारे में उन्हें सम्यक दिशानिर्देश ही मिल रहा है। विद्यार्थियों को इस स्थिति से उबार कर उन्हें अपेक्षित भूमिका के निर्वहन के लायक बनाने का दायित्व शिक्षकों का है। वे ही मार्गदर्शक होते हैं, भविष्य की नींव डालते हैं। विडंबना है कि आज सर्वत्र नैतिक पतन होता दिख रहा है। स्वार्थ की भावना से ग्रसित अध्यापक और शिष्य अपने आदर्श को भूल चुके हैं। सामाजिक जीवन में तरह-तरह के अपराधों का अनायास घटित होना आम बात है। समाज और देश को पटरी पर लाने के लिए आज शिक्षा, विद्यार्थी और अध्यापकों के रिश्ते को सुधारना आज की पहली जरूरत है।

'पढ़ेगा' तभी तो आगे बढ़ेगा देश

हम जात–पात की राजनीति में उलझे रहे, हम उलझे रहे हिंदू-मुसलमान में, हम उलझे रहे तथाकथित गरीबी हटाने में, लेकिन हमने शिक्षा के गिरते स्तर पर कभी ध्यान ही नहीं दिया। लेकिन, क्या हम इस बात का ही रोना रोते रहें कि आजादी के बाद से ही इसपर ध्यान नहीं दिया गया? क्या हम लकीर पीटते रहें कि पूर्ववर्ती सरकारों के कारण ही शिक्षा का स्तर गिरता रहा? प्रश्न यह है कि हमने या यूं कहिए कि हमारी सरकार ने उसमें सुधार के लिए क्या किया। देश की शिक्षा के स्तर को सुधारने के लिए

पिछले दिनों एक साक्षात्कार में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने अशिक्षित वर्ग के लोगों को देश पर एक बोझ बताया। गृह मंत्री ने कहा, एक अनपढ़ व्यक्ति अच्छा नागरिक कभी नहीं बन सकता, क्योंकि उसे अपने मौलिक अधिकारों तक की जानकारी नहीं होती। गृह मंत्री ने बिना लाग–लपेट के यह बात कहकर देश की राजनीति में हलचल मचा दी है। राजनीतिक स्तर पर विपक्षी दल इसकी कटु आलोचना कर रहे हैं। सच तो यह है उन्होंने यह सच ही कहा है, लेकिन यहां प्रश्न यह है कि इसके लिए जिम्मेदार कौन है? राज्य सरकार, केंद्र सरकार या वह अशिक्षित व्यक्ति, जो सरकार द्वारा प्रदत्त समस्त सुविधाएं छोड़कर अशिक्षित रहकर अपमानित जीवन जीना स्वीकार कर लिया जिसे अपने मौलिक अधिकारों तथा संविधान तक का ज्ञान नहीं है? हमारे देश में लोकतंत्र है, जहां प्रत्येक व्यक्ति चाहता है कि सरकार उसकी मदद करे। वह इसलिए क्योंकि हम विकसित नहीं हो सके, क्योंकि विकास का पैमाना ही शिक्षा है। सच में हमारी शिक्षा व्यवस्था उस तरह की बनाई ही नहीं की गई जिस तरह की जरूरत भारतीय समाज को थी। हम जात–पात की राजनीति में उलझे रहे, हम उलझे रहे हिंदू-मुसलमान में, हम उलझे रहे तथाकथित गरीबी हटाने में, लेकिन हमने शिक्षा के गिरते स्तर पर कभी ध्यान ही नहीं दिया। लेकिन, क्या हम इस बात का ही रोना रोते रहें कि आजादी के बाद से ही इसपर ध्यान नहीं दिया गया? क्या हम लकीर पीटते रहें कि पूर्ववर्ती सरकारों के कारण ही शिक्षा का स्तर गिरता रहा? प्रश्न यह है कि हमने या यूं कहिए कि हमारी सरकार ने उसमें सुधार के लिए क्या किया। देश की शिक्षा के स्तर को सुधारने के लिए, शिक्षा के लिए पलायन करने वाले छात्रों को रोकने के लिए क्या किया? प्रश्न बहुत हैं, लेकिन इन प्रश्नों से समस्या का समाधान नहीं होने वाला है। इसी प्रक्रिया में अपने देश के विभिन्न राज्यों के शिक्षा स्तर के समझने के लिए प्रयास किया और जो जानकारी मिली सच में वह चौंकाने वाली है। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) के सर्वेक्षण के अनुसार भारत में साक्षरता के मामले में केरल एक बार फिर पहले पायदान पर रहा है, जबकि आंध्र प्रदेश सबसे निचले स्थान पर है। सर्वेक्षण के अनुसार केरल में साक्षरता दर 96.2 प्रतिशत, जबकि आंध्र प्रदेश 66.4 प्रतिशत है। राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण के 75वें दौर के तहत जुलाई 2017 से जून 2018 के बीच 'परिवारिक सामाजिक उपभोग भारत में शिक्षा' पर आधारित इस रिपोर्ट में सात साल या उससे अधिक आयु के लोगों के बीच साक्षरता दर की राज्यवार जानकारी दी गई है। सर्वेक्षण के अनुसार केरल के बाद दिल्ली 88.7 प्रतिशत साक्षरता दर के साथ दूसरे स्थान पर है। उत्तराखंड 87.6 प्रतिशत के साथ तीसरे, हिमाचल प्रदेश 86.6 फीसदी के साथ चौथे और असम 85.9 प्रतिशत के साथ पांचवे स्थान पर है। दूसरी ओर राजस्थान 69.7 प्रतिशत साक्षरता दर के साथ सबसे पिछड़े राज्यों में दूसरे स्थान पर है। इसके ऊपर बिहार 70.9, तेलंगाना 72.8 प्रतिशत, उत्तर प्रदेश 73 प्रतिशत और मध्य प्रदेश 73.7 प्रतिशत है। सर्वेक्षण के अनुसार देश की साक्षरता दर 77.7 प्रतिशत है। देश के ग्रामीण इलाकों की साक्षरता दर जहां 73.5 प्रतिशत है, वहीं शहरी इलाकों में यह दर 87.7 प्रतिशत है। राष्ट्रीय स्तर पर पुरुषों की साक्षरता दर 84.7 प्रतिशत, जबकि महिलाओं की साक्षरता दर 70.3 प्रतिशत है। सर्वेक्षण में कहा गया है कि सभी राज्यों में पुरुषों की साक्षरता दर महिलाओं से अधिक है। केरल में पुरुषों की साक्षरता दर 97.4 प्रतिशत, जबकि महिलाओं की साक्षरता दर 95.2 प्रतिशत है। इसी प्रकार, दिल्ली में पुरुषों की साक्षरता दर 93.7 प्रतिशत, जबकि महिलाओं की यह दर 82.4 प्रतिशत है। साक्षरता दर के मामले में पिछड़े राज्यों में भी पुरुषों और महिलाओं की साक्षरता दर में अच्छा-खासा अंतर है। आंध्र प्रदेश में पुरुषों की साक्षरता दर 73.4 प्रतिशत है जबकि महिलाओं (सात साल या उससे अधिक आयु)की साक्षरता दर 59.5 प्रतिशत है। राजस्थान में पुरुषों की साक्षरता दर जहां 80.8 प्रतिशत है, वहीं महिलाओं की साक्षरता दर 57.6 प्रतिशत है। बिहार में भी पुरुषों की साक्षरता दर महिलाओं से अधिक है। बिहार में जहां 79.7 प्रतिशत पुरुष साक्षर हैं, वहीं 60 प्रतिशत महिलाएं पढ़ी-लिखी हैं। सर्वे के दौरान देशभर से 8,097 गांवों से 64,519 ग्रामीण परिवारों और 6,188 ब्लॉक से 49,238 शहरी परिवारों के सैंपल लिए गए थे। सर्वेक्षण रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि चार प्रतिशत ग्रामीण परिवारों और 23 प्रतिशत शहरी परिवारों के पास कंप्यूटर है। रिपोर्ट के अनुसार ग्रामीण इलाकों में 15 से 29 साल तक की उम्र के लगभग 24 प्रतिशत, जबकि शहरी इलाकों में 56 प्रतिशत लोग कंप्यूटर चला सकते हैं।

द भूतनी में दिखाई देंगे सनी सिंह

अपनी आगामी फिल्म भूतनी के ट्रेलर लॉन्च पर अभिनेता सनी सिंह ने कहा कि वह हमेशा से हॉरर कॉमेडी करना चाहते थे। नी सिंह, मौनी रॉय, पलक तिवारी, संजय दत्त, निक और आसिफ खान 'द भूतनी' में नजर आएंगे। फिल्म का ट्रेलर फैंस को पसंद आ रहा है। कॉमेडी और हॉरर का मिक्सअप इस फिल्म में देखने को मिलेगा। ल्म के बारे में अपनी उत्सुकता साझा करते हुए सनी ने कहा, मैं हमेशा से हॉरर कॉमेडी करना चाहता था। जब मैंने स्क्रिप्ट पढ़ी और सिद्धांत सचदेव से मिला, तो मुझे पूरा कॉन्सेप्ट पसंद आया। संजू सर के साथ, मुझे पता था कि यह एक अविस्मरणीय अनुभव होगा। द्धांत सचदेव द्वारा निर्देशित और दीपक मुकुट और संजय दत्त द्वारा बनाई गई यह हॉरर-कॉमेडी एक भरपूर मनोरंजन करने का वादा करती है। नी ने कहा कि लोगों को फिल्म का पोस्टर बहुत पसंद आया है और मुझे भी। हर हॉरर कॉमेडी अनोखी होती है, लेकिन यह कॉन्सेप्ट पहले देखी गई किसी भी चीज से अलग है। इसे खूबसूरती से शूट किया गया है, और मेरे दोस्त पहले से ही उत्साहित हैं। दर्शकों ने पहले भी मेरी फिल्मों में मुझे पसंद किया है, और मुझे लगता है कि इस बार भी वे मुझे उतना ही प्यार देंगे।

यह फिल्म 18 अप्रैल को रिलीज होगी।

सनी ने 2007 में धारावाहिक कसौटी जिंदगी की टेलीविजन पर अपनी शुरुआत की, जिसमें उन्होंने कृतिका सेंगर द्वारा निभाए गए किरदार के प्रेमी की भूमिका निभाई। इसके बाद, उन्होंने 2009 के धारावाहिक शकुंतला में करण की भूमिका निभाई। सनी ने अपने फिल्मी करियर की शुरुआत 2010 में पाठशाला से की थी, जिसमें उन्होंने शाहिद कपूर के साथ काम किया था। 2011 में उन्होंने मधुर भंडारकर की कॉमेडी फिल्म दिल तो बच्चा है जी में काम किया, जिसमें उन्होंने एक छोटी सी भूमिका निभाई थी। उनकी पहली प्रमुख भूमिका रोमांटिक ड्रामा आकाश वाणी में थी। न्होंने प्यार का पंचनामा 2 में कार्तिक आर्यन के साथ काम किया। 2011 में फिल्म प्यार का पंचनामा रिलीज हुई थी। जिसमें कार्तिक, नुसरत, ओमकार कपूर, इशिता राज शर्मा और सोनाली सह-कलाकार थे। ख्य अभिनेता के रूप में उनकी पहली रिलीज उजड़ा चमन थी, जो गंजेपन की अवधारणा पर आधारित थी। 2023 में उन्होंने रामायण पर आधारित फिल्म आदि पुरुष में लक्ष्मण की भूमिका निभाई।

सावित्रीबाई फुले का किरदार पर्दे पर निभाना बड़ी जिम्मेदारी थी

अभिनेत्री पत्रलेखा की अपकमिंग बायोपिक 'फुले' का ट्रेलर हाल ही में लॉन्च हुआ। फिल्म में अभिनेत्री सावित्रीबाई फुले की भूमिका में हैं। अभिनेत्री ने बताया कि पर्दे पर सावित्रीबाई फुले का किरदार निभाना, उनके लिए एक बड़ी जिम्मेदारी थी और उनका यह सफर भावनाओं से भरा रहा। इसे एक परिवर्तनकारी और बेहद प्रेरणादायक अनुभव बताते हुए, पत्रलेखा ने कहा कि समाज सुधारक की भूमिका निभाना उनके लिए बहुत बड़ी जिम्मेदारी थी, उन्होंने उनके संघर्ष, ताकत और विरासत को पर्दे पर दिखाने का प्रयास किया।

उन्होंने बताया, जब मुझे इस भूमिका के लिए संपर्क किया गया, मेरे विचार स्पष्ट थे। जब मैंने पहली बार अनंत सर से बात की, तो उन्होंने मुझे स्क्रिप्ट भेजी, जो काफी बड़ी थी। मुझे याद है कि मैंने उन्हें फोन करके कहा था, सर, यह स्क्रिप्ट बहुत बड़ी है। मेरे पास पढ़ने के लिए बहुत कुछ है, लेकिन उन्होंने मुझे आश्वस्त करते हुए कहा कि यह सिर्फ पहला ड्राफ्ट है और वे इसे और बेहतर बनाएंगे। डेढ़ साल बाद, मुझे अंतिम स्क्रिप्ट मिली और यह खूबसूरती से लिखी गई थी। मैं मना नहीं कर सकी। मुझे बस इतना पता था कि मुझे इसका हिस्सा बनना है। पत्रलेखा ने सावित्रीबाई फुले के रूप में चुने जाने पर अपनी शुरुआती प्रतिक्रिया के बारे में भी बताया, उन्होंने स्वीकार किया कि वह इतनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए उत्साहित और चिंतित दोनों थीं। अभिनेत्री ने बताया, ईमानदारी से कहूं तो मैं तुरंत ही इस किरदार की ओर आकर्षित हो गई। यह सिर्फ एक ऐतिहासिक शख्सियत का किरदार निभाने के बारे में नहीं था, यह साहस की कहानी के बारे में था। जब अनंत सर और मैंने पहली बार बात की, तो मैं ऐसे महत्वपूर्ण व्यक्ति का किरदार निभाने को लेकर चिंतित थी, लेकिन उन्होंने मेरी मदद की। उन्होंने कहा, अपनी चिंताओं को छोड़ो और बस करो। उस आश्वासन ने मुझे बहुत आत्मविश्वास दिया। बेशक यह चुनौतीपूर्ण था, लेकिन एक बार जब मैं सेट पर गई, तो घबराहट गायब हो गई।

फिल्म में सावित्रीबाई का किरदार निभाना उनके लिए कितना चुनौतीपूर्ण था, इस बारे में अभिनेत्री ने कहा, मैं पहले तो काफी चिंतित थी, लेकिन अनंत सर ने मेरी मदद की। उन्होंने मुझे चीजों को समझने और अपना आत्मविश्वास पाने का मौका दिया। इस तरह के महत्वपूर्ण ऐतिहासिक किरदार को निभाना कोई आसान काम नहीं है। टीम के सहयोग से मुझे किरदार में पूरी तरह से ढलने का आत्मविश्वास मिला। अनंत महादेवन के निर्देशन में बनी इस फिल्म में ज्योतिराव फुले की भूमिका में प्रतीक गांधी हैं। यह महात्मा फुले की 197वीं जयंती के मौके पर 11 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

कजिन जान्हवी-खुशी को कड़ी टक्कर देंगी शनाया, हाथ लगी बड़ी फिल्म

शनाया कपूर अपनी पहली फिल्म की रिलीज से पहले ही कई बड़े प्रोजेक्ट्स से जुड़ चुकी हैं। इस लिस्ट मे करण जौहर की रोमांटिक ड्रामा फिल्म के अलावा मुंजा स्टार अभय वर्मा के साथ भी एक फिल्म शामिल है। एक खबर के मुताबिक शनाया कपूर स्टूडेंट ऑफ द ईयर 3 में नजर आएंगी। इस फिल्म में शनाया एक नहीं बल्कि डबल रोल निभाती नजर आएंगी। करण के इस बड़े प्रोजेक्ट के अलावा शनाया मुंजा स्टार अभय वर्मा के साथ भी एक फिल्म में नजर आएंगी।

शनाया का वर्कफ्रंट

इन फिल्मों से पहले शनाया की फिल्म तू या मैं का टीजर रिलीज हो चुका है, जिसमें वह आदर्श गौरव के साथ नजर आई। यह एक रोमांचक थ्रिलर फिल्म है, जिसे आनंद एल. राय ने सपोर्ट किया है। प्रशंसकों को यह टीजर बहुत पसंद आया और वह लगातार शनाया की तारीफ कर रहे हैं। इसके अलावा शनाया विक्रांत मैसी के साथ फिल्म आंखों की गुस्ताखियां में भी आएंगी।

शनाया की तारीफ कर रहे हैं फैंस

सोशल मीडिया पर शनाया के फैंस उनकी जमकर तारीफ कर रहे हैं। कुछ फैंस का मानना है कि वह सबसे अलग और स्मार्ट तरीके से काम कर रही हैं। तो वहीं कुछ फैंस का कहना है कि वह अपनी कजिन सिस्टर जान्हवी और खुशी से भी आगे निकल सकती हैं।

फिल्मी बैकग्राउंड से हैं शनाया कपूर

शनाया कपूर बॉलीवुड अभिनेता संजय कपूर की बेटी और महीप कपूर की बेटी हैं। संजय कपूर कई बॉलीवुड फिल्मों में बतौर हीरो अपनी छाप छोड़ चुके हैं। वहीं महीप को आपने सिंगर इला अरुण के प्रसिद्ध गाने निगोड़ी कैसी जवानी है में देखा होगा। महीप का करियर कुछ खास नही रहा, लेकिन अब उनकी बेटी शनाया कई फिल्मों में नजर आने वाली हैं।

तारक मेहता का उल्टा चश्मा से पूरी तरह कटा दिशा वकानी का पत्ता

दिशा वकानी कई फिल्मों और टीवी शो का हिस्सा रही हैं, लेकिन उनका सबसे मशहूर किरदार तारक मेहता का उल्टा चश्मा की दया बेन का रहा है। उन्होंने 2017 में शो छोड़ दिया था। इसके बाद कई बार उनकी वापसी की खबरें आईं, लेकिन हर बार वह महज अफवाह साबित हुईं। अब शो में दया बेन की वापसी की खबरें फिर सामने आई हैं, लेकिन दिशा वकानी के रूप में नहीं, बल्कि नए कलाकार की कास्टिंग की खबरें सामने आई हैं। अब कथित तौर पर निर्माताओं ने दिशा का रिप्लेसमेंट ढूंढ लिया है। इससे पहले शो के निर्माता असित मोदी ने पुष्टि की थी कि दिशा शो में वापस नहीं आएंगी, जिसका मतलब था कि निर्माताओं को उनका रिप्लेसमेंट ढूंढना होगा। अब न्यूज 18 की रिपोर्ट के अनुसार, शो के निर्माता असित मोदी दया बेन की भूमिका के लिए ऑडिशन ले रहे थे और आखिरकार उन्होंने किसी को शॉर्टलिस्ट कर लिया है। एक सूत्र ने बताया है कि हां, यह सही है। असित नई दया बेन की तलाश में थे और हाल ही में एक ऑडिशन ने उन्हें काफी प्रभावित किया। अभिनेत्री के साथ मॉक शूट चल रहे हैं। वह हमारे साथ शूटिंग करते हुए यहां करीब एक सप्ताह से हैं। दिशा की शादी नवंबर 2015 में हुई थी और 2017 में वह गर्भवती हो गई। वह मातृत्व अवकाश पर चली गई और फिर कभी शो में वापस नहीं आई। बीच में चर्चा थी कि वह वापसी कर सकती हैं, लेकिन 2022 में उन्हें अपने दूसरे बच्चे का आशीर्वाद मिला। अभिनेत्री ने कथित तौर पर अभिनय छोड़ने का फैसला किया है।

ज्वेल थीफ में जयदीप और सिद्धार्थ के साथ काम करना रहा शानदार

सैफ अली खान की अपकमिंग थ्रिलर 'ज्वेल थीफ' नेटफ्लिक्स पर रिलीज के लिए तैयार है। फिल्म में अभिनेता जयदीप अहलावत और निर्माता-निर्देशक सिद्धार्थ आनंद के साथ काम करने को लेकर उत्साहित नजर आए। सैफ ने बताया कि उनके साथ काम करने का उनका अनुभव शानदार रहा। फिल्म में सैफ एक ठग की भूमिका में हैं। उन्होंने बताया कि निर्माता सिद्धार्थ आनंद के पास कहानी को पेश करने का खास तरीका है और इसी वजह से वह काफी उत्साहित हैं। सैफ ने बताया, सिद्धार्थ आनंद के साथ फिर से काम करना उत्साह और खुशियां देता है – वह एक्शन, स्टाइल और कहानी को एक ऐसे तरीके से ब्लेंड करना जानते हैं और ये खास होता है। ज्वेल थीफ के साथ हमने एकदम अलग और शानदार काम किया है, जिसे करने में बहुत मजा भी आया। सैफ ने कहा कि जयदीप ने प्रोजेक्ट में रोमांच को और बढ़ा दिया। अभिनेता जयदीप अहलावत के साथ स्क्रीन शेयर करने के उत्साह को जाहिर करते हुए सैफ ने कहा, जयदीप ने अनुभव को और भी रोमांचक बना दिया। मैं नेटफ्लिक्स पर इस फिल्म की रिलीज को लेकर उत्साहित हूं। फिल्म में माफिया की भूमिका निभा रहे जयदीप ने कहा, यह एक ऐसी फिल्म है जो दिलचस्प, चुनौतीपूर्ण और रोमांचक है। यह एक नए यूनिवर्स में जाने का अनुभव है, जिसमें ऐसे लोग हैं जो सर्वश्रेष्ठ देने के लिए उतने ही उत्साहित हैं, जितने आप।

25 साल बाद सलमान संग काम करने पर बोले संजय

बॉलीवुड अभिनेता संजय दत्त ने शनिवार, 29 मार्च को सलमान खान के साथ एक नई एक्शन फिल्म पर काम करने की पुष्टि की। हाल ही में सलमान ने एक प्रेस मीट में खुलासा किया कि वह संजय के साथ एक बड़ी देहाती एक्शन फिल्म में काम करेंगे। अभिनेताओं ने रोमांटिक म्यूजिकल साजन और कॉमेडी फिल्म चल मेरे भाई में साथ काम किया था।

संजय ने की सिकंदर की तारीफ

संजय दत्त शनिवार को मुंबई में अपनी आने वाली हॉरर-कॉमेडी फिल्म द भूतनी के ट्रेलर लॉन्च में शामिल हुए। इस मौके पर बात करते हुए अभिनेता ने सलमान खान की फिल्म सिकंदर के ट्रेलर की तारीफ की, जो 30 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। संजय ने कहा, ट्रेलर सुपरहिट है। सलमान मेरा छोटा भाई है। मैं हमेशा उसके लिए प्रार्थना करता हूं। भगवान ने उसे बहुत कुछ दिया है। सिकंदर एक सुपरहिट फिल्म होगी। सलमान के साथ 25 साल बाद फिर से काम करने के बारे में उन्होंने कहा, हां, हम साथ काम कर रहे हैं। साजन और चल मेरे भाई के बाद आप हमारा टशन देखेंगे। यह एक एक्शन फिल्म है। मैं बहुत खुश हूं कि मैं 25 साल बाद अपने छोटे भाई के साथ काम कर रहा हूं। इससे पहले सलमान ने मुंबई प्रेस से बात करते हुए फिल्म के बारे में कहा था, सिकंदर के बाद मैं एक और बड़ी फिल्म कर रहा हूं, जिसमें अगले स्तर का एक्शन होगा। मेरा मतलब है देहाती एक्शन। मैं इसे इंडस्ट्री में अपने बड़े भाई संजय दत्त के साथ कर रहा हूं।

द भूतनी की कहानी

पहले खबर आई थी कि सलमान और संजय दत्त मध्य पूर्व में फिल्माई गई एक अमेरिकी थ्रिलर में नजर आएंगे। वहीं, बात करें द भूतनी की तो यह एक हॉरर-कॉमेडी है, जो एक भूतिया पेड़ के इर्द-गिर्द घूमती है। फिल्म में संजय दत्त एक भूत-शिकारी की भूमिका निभा रहे हैं, जबकि मौनी रॉय फिल्म में भूतनी का किरदार निभा रही हैं। यह फिल्म 18 अप्रैल, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

धोखाधड़ी के आरोपों पर श्रेयस तलपदे ने तोड़ी चुप्पी

अभिनेता श्रेयस तलपदे गुरुवार को उस समय मुश्किल में पड़ गए जब उन पर उत्तर प्रदेश में करोड़ों रुपये के चिटफंड घोटाले में शामिल होने का आरोप लगा, लेकिन शुक्रवार को उनकी टीम ने आधिकारिक बयान जारी कर इन खबरों को खारिज कर दिया और कहा कि उनका इस धोखाधड़ी से कोई लेना-देना नहीं है। उन्होंने कहा कि ये खबरें निराधार और बेसलेस हैं। बयान जारी करते हुए अभिनेता की टीम ने कहा, यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है कि आज की दुनिया में एक व्यक्ति की कड़ी मेहनत से अर्जित प्रतिष्ठा निराधार अफवाहों के कारण अनुचित रूप से धूमिल होने की चपेट में आती है। श्रेयस तलपदे पर धोखाधड़ी में शामिल होने का आरोप लगाने वाली हालिया रिपोर्टें पूरी तरह से झूठी और किसी भी तरह से निराधार हैं।

धोखाधड़ी में शामिल नहीं हैं अभिनेता

बयान में आगे कहा गया है, एक पब्लिक फिगर के रूप में श्रेयस को कई अन्य मशहूर हस्तियों की तरह अक्सर विभिन्न कॉर्पोरेट और वार्षिक कार्यक्रमों में आमंत्रित किया जाता है, जहां वे यथासंभव भाग लेते हैं। कहने की आवश्यकता नहीं है कि तलपदे का किसी भी धोखाधड़ी या गैरकानूनी कार्य से कोई संबंध नहीं है, जैसा कि आरोप लगाया जा रहा है और प्रसारित किया जा रहा है।

स्वराज ट्रैक्टर्स और महिंद्रा सस्टेन ने पंजाब की सबसे बड़ी सोलर ग्रुप कैप्टिव परियोजना विकसित करने के लिए की साझेदारी

जयपुर टाइम्स

मोहाली (नि.सं.)। महिंद्रा समूह के एक विभाग स्वराज ट्रैक्टर्स ने पंजाब की सबसे बड़ी सौर समूह कैप्टिव परियोजना - बठिंडा जिले में 26 मेगावाट की सौर ऊर्जा स्थापना स्थापित करने के लिए समूह की स्वच्छ-तकनीक शाखा महिंद्रा सस्टेन के साथ अपने सहयोग की घोषणा की है। यह महत्वाकांक्षी उद्यम स्वराज ट्रैक्टर्स की अक्षय ऊर्जा हिस्सेदारी को 50 प्रतिशत तक बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

महिंद्रा सस्टेन द्वारा विकसित सौर ऊर्जा परियोजना, मोहाली और डेरा बस्सी में स्थित चार स्वराज ट्रैक्टर विनिर्माण संयंत्रों को स्वच्छ ऊर्जा प्रदान करेगी। इस परियोजना से सालाना लगभग 60 मिलियन द्मङ्खद्ध अक्षय ऊर्जा उत्पन्न होने की उम्मीद है, जिससे लगभग 54,600 टन कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन में कमी आएगी।

यह पहल महिंद्रा समूह की स्थिरता और जलवायु कार्रवाई के प्रति प्रतिबद्धता को पुष्ट करती है, साथ ही ट्रैक्टर निर्माण में हरित ऊर्जा अपनाने के लिए एक नया मानक स्थापित करती है।

इस परियोजना के महत्व पर टिप्पणी करते हुए, महिंद्रा एंड महिंद्रा लिमिटेड के फार्म इक्विपमेंट सेक्टर के अध्यक्ष हेमंत सिक्का ने कहा, ÷इस अभूतपूर्व सौर परियोजना के साथ, हम भारत में पहली बार ट्रैक्टर निर्माण में इतने बड़े पैमाने पर हरित ऊर्जा को पेश करने की दिशा में एक अग्रणी कदम उठा रहे हैं। यह पहल खेती को बदलने और जीवन को समृद्ध बनाने के हमारे दृष्टिकोण के साथ पूरी तरह से मेल खाती है, जबकि एक स्थायी भविष्य की ओर बढ़ रही है। महिंद्रा एंड महिंद्रा लिमिटेड के स्वराज डिवीजन के सीईओ गगनजोत सिंह ने कहा, ÷यह सौर परियोजना एक स्वच्छ, हरित भविष्य बनाने के लिए हमारी अटूट प्रतिबद्धता का प्रमाण है। महिंद्रा सस्टेन की विशेषज्ञता का लाभ उठाकर, हम अपने अक्षय ऊर्जा लक्ष्यों को प्राप्त करने और पंजाब के विकसित ऊर्जा परिदृश्य में महत्वपूर्ण योगदान देने के प्रति आश्वस्त हैं। यह परियोजना महिंद्रा सस्टेन के दूसरे राज्य पंजाब में प्रवेश को भी चिह्नित करती है, जो एक अग्रणी अक्षय स्वतंत्र विद्युत उत्पादक (आईपीपी) के रूप में अपने व्यापार को और मजबूत करता है। महिंद्रा सस्टेन प्राइवेट लिमिटेड के प्रबंध निदेशक और सीईओ दीपक ठाकुर ने इस सहयोग के महत्व पर जोर दिया÷ ÷महिंद्रा सस्टेन में, हमारा दृष्टिकोण वाणिज्यिक और औद्योगिक (सीएंडआई) क्षेत्र को स्वच्छ और कुशल ऊर्जा समाधान प्रदान करना है और हम प्रत्येक सीएंडआई ग्राहक की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए अनुकूलित बिजली संयंत्र विकसित करके ऐसा कर रहे हैं। हमें स्वराज ट्रैक्टर्स के साथ उनकी स्थिरता यात्रा में भागीदार बनने और अपनी अक्षय ऊर्जा विशेषज्ञता को पंजाब तक पहुंचाने पर गर्व है।

साथ मिलकर, हमारा लक्ष्य हरित ऊर्जा को अपनाने को बढ़ावा देना और भारत के अक्षय भविष्य की ओर संक्रमण में योगदान देना है। भारत में 100% नवीकरणीय ऊर्जा अपनाने के लिए प्रतिबद्ध अग्रणी कंपनियों में से एक के रूप में, महिंद्रा समूह स्थिरता और नवाचार के लिए मानक स्थापित करना जारी रखता है।

श्री सीमेंट ने उत्तर प्रदेश के एटा में शुरू की अत्याधुनिक ग्राइंडिंग इकाई

जयपुर टाइम्स

इस अत्याधुनिक सुविधा के लिए लगभग 850 करोड़ रुपये का निवेश किया जाएगा यह नई इकाई गुणवत्ता, लागत-प्रभावशीलता, स्थिरता और तकनीकी उन्नति में नए मानक स्थापित करेगी इस इकाई से स्थानीय रोजगार को बढ़ावा मिलने, क्षेत्रीय विकास को बढ़ावा मिलने और 500 से अधिक प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर पैदा होने की उम्मीद है। यह इकाई निकटवर्ती जवाहरपुर थर्मल पावर प्लांट से निकलने वाली फ्लाई ऐश का 100त्न उपयोग करेगी, जो प्रतिदिन लगभग 5,000 टन है।

भारत के अग्रणी सीमेंट निर्माताओं में से एक श्री सीमेंट ने एटा में अपनी नई ग्राइंडिंग इकाई के चालू होने की घोषणा की है। 3 मिलियन टन प्रति वर्ष (MTPA) की वार्षिक क्षमता के साथ, श्री की एटा इकाई इस क्षेत्र की सबसे बड़ी ग्राइंडिंग इकाइयों में से एक होगी, जो उत्तर प्रदेश राज्य की विकास यात्रा में योगदान देगी। पूरी तरह से आंतरिक स्रोतों से वित्तपोषित इस परियोजना में 9?850 करोड़ का निवेश शामिल है और इससे 500 से अधिक प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर पैदा होने की उम्मीद है। इस मौके पर श्री सीमेंट के प्रबंध निदेशक, नीरज अखौरी ने कहा, ÷श्री सीमेंट में, हम उत्तर प्रदेश के तेजी से बढ़ते बुनियादी ढांचे और आवास विकास का समर्थन करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हमारी विनिर्माण इकाइयां रोजगार के अवसर पैदा करके, शैक्षिक ससुविधाएं स्थापित करके और बुनियादी ढांचे में सुधार करके स्थानीय समुदायों के लिए एक स्थायी भविष्य में भी योगदान देती हैं।÷

रेलवे के बुनियादी ढांचे के करीब इकाई का रणनीतिक स्थान राजस्थान से कच्चे माल के किफायती परिवहन को सक्षम बनाता है, जबकि सीमेंट प्रेषण इष्टतम वितरण के लिए सड़क और रेलवे दोनों का लाभ उठाएगा। एक नवनिर्मित सड़क सीधे राजमार्ग तक पहुंच प्रदान करती है, जिससे परिवहन दक्षता बढ़ती है और रसद को सुव्यवस्थित किया जाता है। एटा प्लांट स्थिरता के लिए एक मॉडल के रूप में काम करेगा, जिसमें शून्य-अपशिष्ट संचालन, पानी की खपत को कम करने के लिए एयर-कूल्ड स्क्रू कंप्रेसर और न्यूनतम पर्यावरणीय प्रभाव सुनिश्चित करने के लिए उन्नत फ़िल्टर शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, प्लांट ने अपने 100त्न फ्लाई ऐश अपशिष्ट - लगभग 5000 टन प्रतिदिन का उपभोग करने के लिए निकटवर्ती जवाहरपुर थर्मल पावर प्लांट के साथ सहयोग किया है, जिससे परिचालन क्षमता में वृद्धि हुई है। श्री सीमेंट की हरित ऊर्जा के प्रति प्रतिबद्धता के अनुरूप, अगले 2-3 वर्षों के भीतर एक सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित करने की योजना बनाई गई है।

एटा ग्राइंडिंग यूनिट न केवल मुख्य परिचालन भाग के लिए बल्कि उन्नत प्रदूषण नियंत्रण प्रणालियों में भी अत्याधुनिक जर्मन तकनीक से सुसज्जित है, जिसमें एपॉक्सी केज के साथ मिल बैग हाउस भी शामिल है। यह तकनीक प्रदूषण नियंत्रण में असाधारण दक्षता सुनिश्चित करती है, धूल उत्सर्जन को निर्धारित मानदंडों से काफी नीचे के स्तर तक कम करती है और पर्यावरणीय प्रभाव को कम करती है। सुरक्षा और गुणवत्ता के उच्चतम मानकों को सुनिश्चित करने के लिए संयंत्र में कच्चे माल के लिए 100% कवर्ड स्टोरेज है। इसके अतिरिक्त, उन्नत फ़िल्टर वायु गुणवत्ता को बनाए रखते हैं, जो श्री सीमेंट की टिकाऊ और प्रदूषण मुक्त पर्यावरण के प्रति प्रतिबद्धता को मजबूत करता है।

प्लांट में तकनीकी नवाचारों में सटीक इन्वेंट्री प्रबंधन के लिए एक एआई-आधारित बैग काउंटर सिस्टम, अनुकूलित सीमेंट गुणवत्ता के लिए एक लेजर-आधारित ऑनलाइन पार्टिकल साइज एनालाइजर और एचटी पैनल में थर्मल सेंसर और रियर डोर लिमिट स्विच सहित बेहतर सुरक्षा उपाय शामिल हैं। प्लांट में उद्योग में पहली बार वैगन टिपलर सिस्टम भी है, जो रेलवे के नवीनतम आरडीएसओ दिशानिर्देशों का पालन करता है, जिसमें जर्मन-डिज़ाइन किए गए ट्विन हाइब्रिड सैमसन फीडर हैं जो बिजली की खपत को कम करते हैं, लिफ्ट को कम करते हैं, समय बचाते हैं और पानी के रिसाव की समस्याओं को खत्म करते हैं। यह अत्याधुनिक सुविधा सीमेंट उद्योग में नवाचार, उत्कृष्टता और स्थिरता के प्रति प्रतिबद्धता का उदाहरण है। अपनी सीएसआर पहल के अंतर्गत श्री सीमेंट निकटवर्ती गांव निगोह हसनपुर में बुनियादी ढांचे के विकास और शिक्षा प्रदान करने पर भी ध्यान केंद्रित करेगा, जिससे 2500 निवासियों को लाभ होगा।श्री सीमेंट लिमिटेड स्थिरता, परिचालन दक्षता और नवाचार में अग्रणी है। पर्यावरण के अनुकूल निर्माण समाधानों के लिए प्रतिबद्ध, कंपनी सिंथेटिक जिप्सम का उपयोग करती है, 6× जल सकारात्मकता बनाए रखती है और अपशिष्ट पदार्थों सहित कई ईंधन स्रोतों का उपयोग करती है। यह रेलवे के उपयोग को बढ़ाकर और इलेक्ट्रिक और सीएनजी वाहनों को अपनाकर टिकाऊ परिवहन को भी आगे बढ़ाता है। ब्रांड पोर्टफोलियो प्रीमियम उत्पादों की एक श्रृंखला प्रदान करता है, जिसमें ठोस कंक्रीट के लिए बांगुर मैग्ना, ठोस छतों के लिए बांगुर रूफन और ठोस चमकदार घरों के लिए बांगुर मार्बल शामिल हैं।

एनएमडीसी ने नए वित्त वर्ष में प्रवेश किया, मार्च माह में श्रेष्ठता सिद्ध करते हुए चौथी तिमाही में अब तक की सर्वाधिक बिक्री दर्ज की

जयपुर टाइम्स

हैदराबाद (नि.सं.)। भारत की सबसे बड़ी लौह अयस्क उत्पादक और सरकार के स्वामित्व वाली दिग्गज खनन कंपनी एनएमडीसी लिमिटेड ने मार्च 2025 को समाप्त होने वाले वित्तीय वर्ष में 44.04 मिलियन टन उत्पादन और 44.4 मिलियन टन बिक्री का मील का पत्थर सफलतापूर्वक पार किया है । कंपनी ने स्थापना के बाद से अब तक चौथी तिमाही का सबसे अधिक बिक्री प्रदर्शन करते हुए 12.66 मिलियन टन बिक्री की है ।

मार्च 2025 तक, एनएमडीसी का संचयी उत्पादन 3.55 मिलियन टन रहा, जबकि बिक्री में वार्षिक रूप से 6त्न की वृद्धि हुई और 4.21 मिलियन टन हो गई, जो कि वित्त वर्ष 24 के मार्च माह में 3.96 एमएनटी थी । अनेक बाधाओं के बावजूद यह सतत वृद्धि एनएमडीसी की सुदृढ़ता को रखनकित करती है ।

वर्ष की अंतिम तिमाही में 13.27 मिलियन टन उत्पादन की रिपोर्ट के साथ एनएमडीसी एक सुस्थिर विकास की गति के लिए तैयार है । बिक्री में दिसंबर तिमाही (वित्त वर्ष 25 की तीसरी तिमाही) से 6त्न की क्रमिक वृद्धि देखी गई और वर्ष-दर-वर्ष सुधार भी देखा गया, जो वित्त वर्ष 24 की चौथी तिमाही के 12.54 मिलियन टन से बढ़कर वित्त वर्ष 25 की चौथी तिमाही में 12.66 मिलियन टन हो गया ।

इसके अतिरिक्त, रणनीतिक दूरदर्शिता और क्षमता विस्तार के लिए एक मजबूत प्रतिबद्धता का प्रदर्शन करते हुए, एनएमडीसी ने ? 3,704 करोड़ का अपना अब तक का सबसे अधिक स्टैंडअलोन कैपेक्स दर्ज किया ।

वित्त वर्ष 26 की एक नई शुरुआत पर सभी कर्मचारियों की सराहना करते हुए, श्री अमिताव मुखर्जी, अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक, एनएमडीसी ने कहा, ÷जब हम नए वित्तीय वर्ष में प्रवेश कर रहे हैं, भारत की लौह अयस्क मांग कम निर्यात और मर्चेन्ट माइनिंग में सुस्थिर विस्तार के प्रभाव से बढ़ता जा रहा है । एनएमडीसी की रणनीतिक योजना और निरंतर प्रयासों ने, चुनौतियों के बावजूद, हमें वित्त वर्ष 2024-25 में अपनी टॉप लाइन बनाए रखने में सक्षम बनाया । वित्त वर्ष 26 में प्रवेश करने के साथ हम 2030 तक 100 मिलियन टन उत्पादन क्षमता प्राप्त करने के हमारे महत्वाकांक्षी लक्ष्य के एक कदम और करीब पहुंच गए हैं । उत्पादकता को अनुकूल बनाए रखने और परिचालन को सुचारू बनाने के लिए हमें निरंतर प्रयास करते रहना है ।

TCS को फ्रांस में श्नाइडर इलेक्ट्रिक मैराथन डे पेरिस के लिए ऑफिशियल एआई और प्रौद्योगिकी पार्टनर नियुक्त किया गया

जयपुर टाइम्स

मुंबई (नि.सं.)। सूचना प्रौद्योगिकी सेवाओं, परामर्श और व्यावसायिक समाधानों में वैश्विक स्तर पर अग्रणी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेस (TCS) को श्नाइडर इलेक्ट्रिक मैराथन डे पेरिस का ऑफिशियल एआई और प्रौद्योगिकी पार्टनर नियुक्त किया गया है। यह तीन साल की साझेदारी कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डेटा एनालिटिक्स और डिजिटल नवाचार में ञ्जष्टस् की विशेषज्ञता का लाभ उठाकर दौड़ के अनुभव को बेहतर बनाएगी, जिससे दौड़ने वालों और दर्शकों दोनों के लिए यह अधिक व्यक्तिगत, इंटरैक्टिव और सुलभ बन जाएगा।

TCS द्वारा प्रायोजित वैश्विक रनिंग इवेंट्स के विस्तृत पोर्टफोलियो में अब श्नाइडर इलेक्ट्रिक मैराथन डे पेरिस जुड़ा है। इसके पहले न्यूयॉर्क, लंदन, शिकागो, बोस्टन और सिडनी में पांच विश्व मैराथन मेजर रेस, साथ ही एम्स्टर्डम, मुंबई, सिंगापुर और टोरंटो मैराथन इसमें शामिल हैं। कुल मिलाकर, ञ्जष्टस् अब 14 वैश्विक रनिंग इवेंट्स में भागीदार है, जिनमें 600,000 से अधिक रनर हिस्सा लेते हैं। TCS की ये भागीदारी तकनीक के माध्यम से एंड्यूरेंस खेलों में क्रांति लाने और फिनिश लाइन से परे सार्थक सामाजिक प्रभाव पैदा करने के लिए ञ्जष्टस् के समर्पण को दर्शाती है। अकेले 2024 में, ञ्जष्टस् द्वारा समर्थित रेसेस ने अलग-अलग चैरिटी के लिए लगभग 280 मिलियन डॉलर जुटाए। अमौरी स्पोर्ट ऑर्गनाइजेशन (A.S.O.) के सीईओ यान ले मोएनर ने कहा, ÷श्नाइडर इलेक्ट्रिक पेरिस मैराथन के भागीदारों के परिवार में TCS का स्वागत करते हुए हमें बहुत खुशी हो रही है।

नई तकनीकों और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में अपनी विशेषज्ञता के साथ, ञ्जष्टस् इस इवेंट को आगे बढ़ाना जारी रखेगी, सभी दर्शकों की भागीदारी को मज़बूत करेगी और डिजिटल अनुभव को समृद्ध करेगी। साथ मिलकर, हम रनर्स और दर्शकों दोनों को अधिक इमर्सिव और कनेक्टेड अनुभव प्रदान करना चाहते हैं। श्नाइडर इलेक्ट्रिक मैराथन डे पेरिस में 145 से अधिक देशों के 55,000 से अधिक प्रतिभागी भाग लेते हैं। यह बात इस इवेंट की वैश्विक अपील को दर्शाती है। खेलों में एआई और अत्याधुनिक तकनीक को एकीकृत करने के दृष्टिकोण के तहत, यह मैराथन एथलीटों और दर्शकों के अनुभव को बेहतर बनाने के लिए ञ्जष्टस् के साथ साझेदारी कर रहा है। रेस रणनीति के लिए पूर्वानुमान विश्लेषण से लेकर व्यक्तिगत प्रशिक्षण अंतर्दृष्टि तक, लॉजिस्टिक्स को अनुकूलित करने, प्रदर्शन ट्रैकिंग में सुधार करने और स्थिरता में योगदान देने के लिए ञ्जष्टस् एआई, डेटा एनालिटिक्स और डिजिटल ट्विन तकनीक का लाभ उठाएगा। TCS ने लगातार खुद को वैश्विक निगमों के लिए एक विश्वसनीय भागीदार के रूप में साबित किया है, जो जटिल चुनौतियों का समाधान करने वाले उन्नत प्रौद्योगिकी समाधान प्रदान करता है। समुदाय को लाभ पहुंचाने के लिए प्रौद्योगिकी और खेलों को एकीकृत करने के समर्पण ने इसे वैश्विक मान्यता दिलाई है। उल्लेखनीय रूप से, ब्रांड फाइनेंस आईटी सर्विसेस 2025 रैंकिंग के अनुसार, ञ्जष्टस् 21.3 बिलियन के ब्रांड मूल्यांकन के साथ 20 बिलियन का आंकड़ा पार करने वाला दूसरा वैश्विक आईटी सेवा ब्रांड बन गया है।टीसीएस के चीफ मार्केटिंग ऑफिसर श्री अभिनव कुमार ने कहा, श्नेइडर इलेक्ट्रिक मैराथन डे पेरिस के साथ हमारी साझेदारी हमारे ग्राहकों, समुदायों और उन इकोसिस्टम के लिए एक विश्वसनीय परिवर्तन भागीदार होने की टीसीएस की प्रतिबद्धता के अनुरूप है, जिसमें हम रहते हैं और काम करते हैं।

डेसिगनेटेड क्वालिफाइड स्टॉक ब्रोकर्स (क्यूएसबी) की संशोधित सूची पर संयुक्त प्रेस विज्ञप्ति

जयपुर टाइम्स

मुंबई(नि.सं.)। कुछ स्टॉक ब्रोकर अपने आकार, ट्रेडिंग वॉल्यूम और उनके द्वारा संभाले जाने वाले क्लाइंट के फंड की मात्रा जैसे विभिन्न कारकों के कारण भारतीय प्रतिभूति बाजार में महत्वपूर्ण स्थान रखते हैं, जिससे कुछ स्टॉक ब्रोकरों के बीच गतिविधि का केंद्रीकरण होता है। ऐसे स्टॉक ब्रोकरों से संबंधित अनुपालन और निगरानी आवश्यकताओं को और मजबूत करने और प्रतिभूति बाजार के कुशल कामकाज को सुनिश्चित करने के लिए, सेबी ने 06 फरवरी, 2023 के परिपत्र संख्या SEBI/ HO/ MIRSD/ MIRSD-PoD-v/P/CIR/2023/24 और 11 मार्च, 2024 के SEBI/ HO/ MIRSD/MIRSD-PoD-v/P/CIR/2024/14 के माध्यम से ÷क्वालिफाइड स्टॉक ब्रोकर्स (क्यूएसबी) पर बढ़े हुए दायित्व और जिम्मेदारियां÷ पर कुछ स्टॉक ब्रोकर्स को क्यूएसबी के रूप में नामित करने के लिए निम्नलिखित मापदंडों को सूचीबद्ध किया।

1. स्टॉक ब्रोकर के सक्रिय ग्राहकों की कुल संख्या;
2 स्टॉक ब्रोकर के पास ग्राहकों की उपलब्ध कुल संपत्ति;
3 स्टॉक ब्रोकर की ट्रेडिंग मात्रा (स्टॉक ब्रोकर की मालिकाना ट्रेडिंग मात्रा को छोड़कर);
4 स्टॉक ब्रोकर के सभी ग्राहकों के दिन के अंत में मार्जिन दायित्व (मालिकाना मार्जिन दायित्व को छोड़कर) ;
5 स्टॉक ब्रोकर का मालिकाना व्यापारिक वॉल्यूम जो ग्राहकों के व्यापार में लगे हुए हैं।

गोदरेज एंटरप्राइजेज ग्रुप ने भारत में एयरोस्पेस विनिर्माण के लिए 3D प्रिंटिंग क्षमताओं को और उन्नत करने के मकसद से ईओएस के साथ साझेदारी की

3D प्रिंटिंग से 70-80% तक सामग्री की बचत और प्रक्रिया का समय 80त्न तक कम किया जा सकता है

जयपुर टाइम्स

मुंबई(नि.सं.)। गोदरेज एंटरप्राइजेज ग्रुप के एयरोस्पेस व्यवसाय ने भारत की आत्मनिर्भरता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बढ़ाते हुए ईओएस के साथ एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किए हैं। ईओएस औद्योगिक 3D प्रिंटिंग समाधान प्रदान करने वाली एक वैश्विक अग्रणी कंपनी है। इस साझेदारी का उद्देश्य भारतीय विमानन और अंतरिक्ष उद्योगों के लिए एक उन्नत एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग (९रू) आधारित विनिर्माण सिस्टम को विकसित करना है। यह सहयोग भारत की तकनीकी प्रगति में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा, जिससे जटिल विनिर्माण प्रक्रियाओं को बदलने और देश को एयरोस्पेस नवाचार में ग्लोबल तौर पर अग्रणी देश के रूप में स्थापित करने में सहायता मिलेगी।साझेदारी का उद्देश्य एएम-संचालित डिजाइन और कार्यात्मक रूप से उन्नत उत्पादों की डिलीवरी के माध्यम से भारत में विमानन और अंतरिक्ष उद्योग को बदलना है। अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी उद्योग में सबसे बड़ा एएम वैश्विक इंस्टाल-बेस रखने वाले ईओएस के साथ, यह सहयोग तकनीकी विशेषज्ञता और विनिर्माण क्षमताओं का एक शक्तिशाली संयोजन लाता है। गोदरेज एंटरप्राइजेज ग्रुप और ईओएस साथ मिलकर भारतीय और वैश्विक ओरिजिनल इक्विपमेंट मैन्युफैक्चरर्स (ओईएम) दोनों की सेवा करने के लिए एक मजबूत एएम-आधारित विमानन और अंतरिक्ष आपूर्ति श्रृंखला स्थापित करने के लिए आवश्यक तकनीकी क्षमताओं और उत्पादन क्षमताओं का निर्माण करेंगे। गोदरेज एंटरप्राइजेज ग्रुप के एक भाग गोदरेज एंड बॉयस के एयरोस्पेस व्यवसाय के कार्यकारी उपाध्यक्ष और बिजनेस हेड मानेक बेहरामकामदीन ने कहा, ÷यह साझेदारी भविष्य की तैयारी की दिशा में एक रणनीतिक कदम है। 3ष्ठ प्रिंटिंग एयरोस्पेस डिजाइन में एक क्रांतिकारी बदलाव ला रही है, जिससे हम जटिल आकारों और डिजाइनों को एकल प्रिंटिंग प्रक्रिया के माध्यम से निर्मित कर सकते हैं। हम अपनी %ग्रीन% उत्पाद श्रृंखला का विस्तार करने के लिए प्रतिबद्ध हैं, साथ ही सामग्री दक्षता और सुगम विनिर्माण प्रक्रियाओं के माध्यम से मूल्य संवर्धन को बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं।÷

ईओएस इंडिया के निदेशक विनू विजयन ने कहा, ÷एएम ने अंतरिक्ष उद्योग में एक अविश्वसनीय परिवर्तन किया है। हम पहले से ही देख रहे हैं कि पारंपरिक रूप से निर्मित असेंबलियों में 100 से अधिक भाग होते थे, लेकिन९रू के माध्यम से इन्हें केवल 3 या 4 भागों में सरल बनाया जा सकता है, जिससे असेंबली आसान हो जाती है और लागत एवं जटिलता में कमी आती है। हमने यात्री विमान के लिए पहली उड़ान-सुरक्षा-आवश्यक क्लास 2 टाइटेनियम भाग को विकसित और प्रमाणित करने में भी सफलता हासिल की है ङ्क जो एयरोस्पेस उद्योग के लिए सर्वोच्च स्तर की योग्यता दर्शाता है।÷अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी में भारत की उल्लेखनीय प्रगति को देखते हुए यह साझेदारी विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। 1963 में अपने पहले प्रक्षेपण के बाद से, भारत ने पहले प्रयास में मंगल की कक्षा में पहुंचने, चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर सॉफ्ट लैंडिंग करने वाला पहला देश बनने और हाल ही में अपना 100वां प्रक्षेपण पूरा करने सहित कई महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की हैं। गोदरेज भारत की अंतरिक्ष महत्वाकांक्षाओं को आगे बढ़ाने में अग्रणी रहा है और उसने क्रायो-इंजन असेंबली और सैटेलाइट थ्रस्टर्स के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दिया है, जिसने भारत के सभी अंतरिक्ष अभियानों को शक्ति प्रदान की है।

पुलिस ने वृद्ध महिला की हत्या के मामले का 18 दिन बाद किया खुलासा, एक आरोपी को यूपी से किया गिरफ्तार

जयपुर टाइम्स

सवाईमाधोपुर(निसं.) पुलिस ने वृद्ध महिला की हत्या के मामले का 18 दिन बाद खुलासा कर दिया है। पुलिस ने आरोपी को उत्तरप्रदेश से गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इस मर्डर का खुलासा करते हुए बताया कि यह वारदात लूटपाट के इरादे से की गई थी। पुलिस अधीक्षक ममता गुप्ता ने बताया कि जिले के सूरवाल थाना क्षेत्र के जटवाड़ा कला में 18 दिन पहले खेत में घास काटती महिला की किसी ने गला रेतकर हत्या कर दी थी और गले में पहनी हुई सोने की चेन लूटकर आरोपी फरार हो गया था। महिला की पहचान जटवाड़ा कला निवासी 62 वर्षीय रामपति मीणा के रूप में हुई। परिजनों ने इसका मामला सूरवाल थाने में दर्ज करवाया। इसके बाद पुलिस ने विशेष टीम का गठन किया। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि पुलिस को एक युवक आसिफ पर शक हुआ, क्योंकि जिस दिन घटना हुई। वह उसी दिन वह अपने गांव से यूपी निकल गया। साइबर सूचनाओं और अन्य साक्ष्यों के आधार पर छानबीन करते हुए पुलिस आरोपी की तलाश में उत्तरप्रदेश पहुंची। वहां शामली जिले के गड़ी पुख्ता गांव से आरोपी आसिफ को गिरफ्तार कर लिया। अब पुलिस लूटे गए माल की रिकवरी के प्रयास में जुटी है। आरोपी आसिफ सवाईमाधोपुर में अमरूदों के बगीचों का ठेका लेने का काम करता था। वारदात के समय पिछले कुछ समय से आरोपी आसिफ जटवाड़ा के बगीचों के आसपास ही रह रहा था। फिलहाल पुलिस आरोपी से पूछताछ में कर रही है।

बीजेएस एवं सेलो फाऊंडेशन ने कोसेलाव तालाब की खुदाई करवाई शुरू

तालाबों के पुनर्जीवन कार्यक्रम का शुभारंभ

जयपुर टाइम्स

सुमेरपुर(निसं.)। भारतीय जैन संगठन एवं सेलो फाउंडेशन द्वारा बुधवार को कोसेलाव तालाब के पुनरुद्धार कार्य शुरू किया। कार्यक्रम के दौरान सेलो ग्रुप एवं बीजेएस के प्रतिनिधियों के साथप सैंकड़ों किसान एवं ग्रामीण उपस्थित रहे। बीजेएस के संस्थापक शांतिलाल मुत्था के कुशल नेतृत्व में राजस्थान में भारतीय जैन संगठन पिछले 2 वर्षों से काम कर रहा है। जो सेलो फाउंडेशन के प्रदीप राठौड़ के सहयोग से चल रहा है।तालाबों का पुनरुद्धार कर जल भराव क्षमता बढ़ाई गई एवम तालाब की मिट्टी किसानो ने मुफ्त काम में ली है। इस अभूतपूर्व कार्य का प्रभाव यह हुआ है कि भूजल स्तर में काफी सुधार हुआ है एवं कुएं,बावड़ियों में जल स्तर बढ़ा है। तालाब की उपजाऊ मिट्टी को किसानों द्वारा खेतों में डालने से खेत की उर्वरता क्षमता बढ़ी है एवं फसल की उपज बढ़ने से किसानों की आय बढ़ी है। प्रशासक सोनी देवी ने किया पूजन-तालाब में प्रशासक सोनी देवी,वीडियो भगवत सिंह व हनुमान भाटी ने सानिध्य में पंडित हनुमान व्यास ने पूजन करवाया।

विश्व ऑटिज्म जागरूकता दिवस मनाया

बीकानेर (निसं.)सौर चेतना एवं ऊर्जा विज्ञान शोध संस्थान इकाई सेवा आश्रम में बुधवार को विश्व ऑटिज्म जागरूकता दिवस मनाया गया। जिसमें इस वर्ष की थीम न्यूरोडायवर्सिटी को आगे बढ़ाना और संयुक्त राष्ट्र सतत विकास लक्ष्य पर विशेष अध्यापिका भावना गौड़ ने बताया कि ऑटिज्म के लक्षण हमें बचपन में ही दिखाई देने लगते हैं, यह एक न्यूरोलॉजिकल स्थिति है। इसमें बच्चों का हाइपर एक्टिव होना ज्यादातर अकेले खेलना लक्षण दिखाई देते हैं। इस दिवस को मनाने का मुख्य कारण ज्यादा से ज्यादा लोगों को डिसऑर्डर के बारे में जागरूक करना है। उन्होंने बताया कि 1 नवंबर वर्ष 2007 को संयुक्त राष्ट्र महासभा ने विश्व ऑटिज्म जागरूकता दिवस मनाने का संकल्प पास किया था। जिसे सभा ने 18 दिसंबर 2007 को अपनाया तभी से हर वर्ष 2 अप्रैल को विश्व ऑटिज्म जागरूकता दिवस मनाया जाता हैं विशेष शिक्षक मनोज कुमावत ने बताया कि यह बच्चे दुनिया को देखने का एक अनोखा चश्मा पहनते हैं। अगर हम थोड़ी समझदारी, धैर्य और प्यार से उन्हें देखें, तो हम भी उस चश्मे से जीवन को देखना सीख सकते हैं। जहां हर चीज में गहराई और मासूम खूबसूरती छुपी होती है। हमें इन्हें केवल सहारा नहीं सम्मान देना होगा है। इस अवसर पर व्याख्याता रजत सहारण, मनोज कुमावत, विशेष शिक्षक पृथ्वीराज, शशि बाला, लक्ष्मी रावत, गुंजन तंवर, देवेंद्र कुमार वर्मा, सौरभ पाल आदि उपस्थित रहे।

नगर परिषद सुजानगढ (चूरू) राजस्थान
E-mail id:- nps222419@gmail.com Phone no. 01568-222419
क्रमांक :–न.प.सु/सफाई शाखा/2025/8294 दिनांक :– 28.03.2025
निविदा सूचना–2025
नगर परिषद सुजानगढ़ द्वारा विभिन्न प्रकार के कार्यों के लिये उपयुक्त सक्षम श्रेणी के राज्य सरकार के विभागों में प्रजीकृत ठेकेदारों/फर्मस से निविदा दिनांक 07.04.2025 को दोपहर 3:00 बजे तक आमन्त्रित की जाती है। निविदा प्रतियां दिनांक 07.04.2025 को दोपहर 2:00 बजे तक विक्रय की जावेगी प्राप्त निविदायें उसी दिन उपस्थित ठेकेदारों के समक्ष सायं 4:00 बजे खोली जावेगी। उक्त निविदा से संबंधित विस्तृत विवरण वेबसाईट www.sppp.raj.gov.in पर प्राप्त की जा सकती है। निविदा का बीड क्रमांक– DLB2425WSOB22972 कार्यालय समय में किसी भी कार्य दिवस को नगर परिषद सुजानगढ के कार्यालय में एवं सूचना बोर्ड पर देखी जा सकती है।
आयुक्त
नगर परिषद सुजानगढ
राज.संवाद/सी/25/114

नाम संशोधन सूचना
मेरे पासपोर्ट संख्या-E7113756 में मेरे नाम की अंग्रेजी वर्णमाला HAFIZ MOHAMMED MUBARAK DYER दर्ज हो गया जिसे दुरूस्त करवाना चाहता हूँ। भविष्य में मेरे नाम की अंग्रेजी वर्णमाला HAFIZ MOHAMMED MUBARAK के अनुसार ही मुझे जाना व पहचाना जावे। इसी प्रकार मेरी पत्नी का नाम अंग्रेजी वर्णमाला के अनुसार AMINA BANOO अंकित है जबकि सही नाम AMANA है।
-HAFIZ MOHAMMED MUBARAK पुत्र MOHAMMED YUSUF DYER निवासी NEW ROAD, NEAR SCHOOL NO 08, WARD NO 19 CHURU [Raj]

साधारण सभा में गूंजे पेयजल, सड़क, शिक्षा और चिकित्सा के मुद्दे

सांभरलेक पंचायत समिति में 25 लाख रुपए की लागत से बनेगा पृथ्वीराज चौहान सभागार

विधायक ने की घोषणा, निजी कोष से भवन में लगाएंगे एसी

जयपुर टाइम्स

सांभरलेक(निस)। पंचायत समिति सांभरलेक में 25 लाख रुपए की लागत से सम्राट पृथ्वीराज चौहान सभागार में मीटिंग हॉल बनाया जाएगा। इसकी घोषणा मंगलवार को पंचायत समिति सांभरलेक के प्रधान सहदेव गुर्जर की अध्यक्षता में आयोजित हुई साधारण सभा में विधायक विद्याधरसिंह चौधरी ने की। उन्होंने कहा कि यह राशि विधायक कोष से आवंटित की जाएगी और यह मीटिंग हॉल बनने के बाद इसमें एसी मेरे निजी कोष से लगवा दूंगा। इससे पूर्व साधारण सभा करीब सवा बारह बजे शुरू हुई। शुरूआत में काफी कम संख्या में जनप्रतिनिधि पहुंचे जिससे कोरम पूरा होने में भी समस्या आई। इसके बाद फोन कर जनप्रतिनिधियों को बुलाया गया। साधारण सभा में पेयजल, बिजली, सडक़, शिक्षा और चिकित्सा के मुद्दे छाए रहे। जनप्रतिनिधियों ने पेयजल और सडक़ के मामले में अधिकारियों को खरी खोटी सुनाई और जन समस्याओं के निराकरण करने में लापरवाही बरतने का आरोप लगाया। साधारण सभा शुरू होते ही सबसे पहले पंचायत समिति के वार्ड नं. 13 के नव निर्वाचित सदस्य नरेन्द्र कुमार उज्ज्वल का स्वागत किया गया। इस दौरान नौरंगपुरा सरपंच श्रवण जांदू ने पेयजल लाईनों को दुरूस्त कराने, सिनोदिया सरपंच गिरधारी कुल्हरी व हबसपुरा सरपंच पुरूषोत्तम मीणा ने क्षतिग्रस्त सडक़ों की मरम्मत की मांग की। पंचायत समिति सदस्य नेमीचंद कुमावत और त्योद सरपंच हरदेवराम चौधरी ने भी उनके इलाके में सडक़ क्षतिग्रस्त होने का मुद्दा उठाया। प्रधान सहदेव गुर्जर ने भी पीडब्ल्यूडी विभाग के सहायक अभियंता मुकेश रणवा को सडक़ों के दोनों और पेड़ों को नहीं हटाने पर लताड़ पिलाई। निर्दलीय पंचायत समिति सदस्य धन्नालाल नोदल ने जर्जर स्कूल भवनों की मरम्मत कराने की मांग रखी। उन्होंने पंचायत समिति सदस्यों के साथ भेदभाव किए जाने का भी आरोप लगाया। गर्मी का मौसम शुरू होने से पहले ही पेजजल संकट होने का मामला भी सभा में गूंजा। बरडोती सरपंच मूलचंद गुर्जर ने कोच्चा की ढ़ाणी में जल जीवन मिशन के अंतर्गत एक साल में एक बूंद भी पानी नहीं आने की शिकायत की। पंचायत समिति सदस्य नेमीचंद कुमावत ने काचरोदा में और धन्नालाल नोदल ने बाघपुरा, हरीपुरा, शार्दुलपुरा में पेयजल समस्या की मांग रखी। जिला परिषद सदस्य महेन्द्र नील ने कोटेडा में स्वीकृत हैडपंप एक साल में भी नहीं लगने, त्योद सरपंच हरदेव चौधरी ने उप स्वास्थ्य केन्द्र के चारदीवारी करने की मांग रखी।

भाजपा का केवल एक सदस्य ही पहुंचा बैठक में

साधारण सभा की बैठक में जनप्रतिनिधियों की इस बार बेरूखी रही। भाजपा के निर्वाचित पंचायत समिति सदस्यों में केवल एक ही सदस्य नेमीचंद कुमावत पहुंचा जबकि बरजी देवी कुमावत, मंदराज गुर्जर, गिर्राज झंझसंह और अरूण कंवर नहीं पहुंचे। कांग्रेस से जीते पंचायत समिति सदस्यों में राजेन्द्र गोरा, नरेन्द्र उज्जवल, सिराजुद्दीन आदि पहुंचे जबकि निर्दलीय पंचायत समिति सदस्य धन्नालाल नोदल ने भाग लिया। कांग्रेस के पंचायत समिति सदस्यों में उप प्रधान मोहनी यादव, बीला देवी, सीमा देवी, मन्नी देवी, चंदा यादव, राकेश वर्मा, भंवरलाल अनुपस्थित रहे। इसी तरह महिला जन प्रतिनिधियों में भी केवल तीन सदस्य ग्राम पंचायत कोरसीना की सरपंच सीता देवी गुर्जर, आकोदा सरपंच पुष्पा मेघवाल और जयसिंहपुरा सरपंच बृजेश्वरी देवी मौजूद रही।

उत्तर पश्चिम रेलवे मजदूर संघ की जयपुर मंडल परिषद की बैठक आयोजन हुआ

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.) दिनांक 02 अप्रैल 2025 को उत्तर पश्चिम रेलवे मजदूर संघ की जयपुर मण्डल परिषद की बैठक का आयोजन जयपुर में सफल आयोजन किया गया। इस मंडल परिषद की बैठक में उत्तर पश्चिम रेलवे मजदूर संघ के ज़ोनल महामंत्री विनोद मेहता भी शामिल हुए। इस मण्डल परिषद की बैठक में न्यू पेंशन स्कीम को समाप्त कर पुरानी पेंशन योजना को बहाल करने या यूपीएस में ओपीएस जैसे सभी आवश्यक सुधार करने, निजीकरण निगमीकरण को समाप्त करने, बोनस सीलिंग लिमिट बढ़ाने, जैसे प्रमुख मुद्दो पर चर्चा की गई। जोनल महामंत्री विनोद मेहता ने सभी को मान्यता चुनाव में प्रचंड जीत के लिए बधाई दी और सभी आगामी समय मे महत्वपूर्ण मांगो के लिए संघर्षरत रहने के लिए आव्हान किया मंडल अध्यक्ष सौरभ दीक्षित ने बताया कि मान्यता चुनाव के बाद यह प्रथम मंडल परिषद की बैठक का आयोजन है जिसमे जयपुर मंडल के कर्मचारियो की समस्याओं पर चर्चा कर उन्हें समाधान की ओर ले जाने की योजनाओं पर कार्य किया गया। मंडल प्रवक्ता अनिल चौधरी ने बताया कि इस मंडल परिषद की बैठक में एनपीएस को हटा कर ओपीएस को बहाल किया जाए यह प्रमुख मुद्दा रहा और इस मुद्दे पर सबने सर्वसम्मति से एनपीएस यूपीएस का विरोध किया गया साथ ही बोनस की सीलिंग लिमिट बढ़ाने को लेकर भी चर्चा की गई। इस मंडल परिषद की बैठक में मण्डल अध्यक्ष सौरभ दीक्षित मंडल मंत्री महेश शर्मा सहित मंडल पदाधिकारी प्रवीण सिंह चौहान मोहन पुनिया सुनील यादव मनीष शर्मा दीपक वर्मा प्रमोद डांगी लोकेश कसाना वीरेंद्र सिंह कविया किशन लाल मीना मंजू मीणा शाखा पदाधिकारी याकत अली अर्जुन लाल कुमावत मंडल मिडिया प्रभारी महेश शर्मा देवेंद्र सिंह चौहान निकेद्र सिंह शेखावत बिमलेश शर्मा नवनीत गुर्जर लोकेंद्र सिंह पप्पू लाल मीणा राहुल कुमार सौरभ सिंह अमर सिंह पवन सैन जीताराम चौधरी राजेश गुर्जर गुलाब चंद छाजूराम गढ़वाल हरिवल्लभ गुर्जर श्रवण यादव तेजराम माली सोहन लाल मीणा मुकेश शर्मा भरत वैष्णव राघवेंद्र सुमन चौधरी सरोज धाकड़ श्रवण लाल मीणा सुशील कुमार अनवर हुसैन सुरेंद्र कुमार जितेंद्र गुर्जर पवन शर्मा राजेश जांगिड़ शैलेन्द्र तिवाड़ी प्रदीप कुमार प्रदीप मंडल कैलाश चंद सोनी लालाराम वर्मा विक्रम सिंह राजेश मीना श्योजीराम बीरबल रेबारी मूलचंद विकास चौधरी प्रदीप स्वामी प्रफुल जांगिड़ रिछपाल सिंह मुकेश नेटवाल पूरण सिंह शेखावत सुदर्शन कुमार रूपचंद सैनी ओमप्रकाश सैनी शाहरियर खान दीपक कुमावत हीरालाल यादव महेंद्र कुमार राजेन्द्र चौधरी रामप्रसाद वर्मा मीठालाल मीना कैलाश मीना विमलेश मीना रामकरण मीना धान सिंह धारासिंह कैलाश सैनी राधेश्याम मीना सहित सभी पदाधिकारी शामिल हुए।

प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत कोलायत के वंचित गांवों को सम्पर्क सड़कों से जोड़ा जाए- अंशुमान सिंह भाटी

जयपुर टाइम्स

बीकानेर(निसं.)। कोलायत विधायक अंशुमान सिंह भाटी ने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत विधानसभा क्षेत्र कोलायत के धार्मिक एवं पर्यटन की दृष्टि से महत्वपूर्ण विभिन्न गांवों को नेशनल हाइवे, स्टेट हाइवे से जोड़ने के लिए सम्पर्क सड़को के निर्माण का आग्रह केन्द्रीय ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान से किया है। भाटी ने कहा कि इन सड़कों के निर्माण से कोलायत के लम्बे समय से सड़क मार्ग से वंचित ग्रामीणों व पशुपालकों को आवागमन की सुविधा मिलेगी साथ ही क्षेत्र के व्यापारिक विकास को नए आयाम मिलेंगे । अंशुमान सिंह भाटी ने कोलायत ब्लॉक की तंवरभान की ढाणी से उदावतों की ढाणी तक, स्टेट हाइवे 87ए से पूनियों की ढाणी, एमडीआर 365 गड़ियाला से भिडमलों की ढाणी तक बज्जू खालसा ब्लॉक में नेशनल हाइवे 911 से सादोलाई तक, एमडीआर 363 से 6 बीडीवाई तक, भूरासर डिस्ट्रीब्यूटरी से डेहरिया तक व एमडीआर 365 उदावतों की ढाणी, एमडीआर 365 नगरासर से किशन सिंह की ढाणी तक लिंक रोड़ बनाने का आग्रह किया है। भाटी ने हदां ब्लॉक में मोडिया से बेलदारों की ढाणी तक, हनुमाननगर से बेनीवालों की ढाणी तक, स्टेट हाइवे 136 से मेघवालों की ढाणी तक, एमडीआर 371 खिखनिया कुण्डलियान से खिलेरी ढाणी तक, स्टेट हाइवे136 लम्माणा भाटियान से भाटियों की ढाणी तक, एमडीआर 371 से रूपलियान की ढाणी तक, एमडीआर 371 खिखनिया कुण्डलियान से मेघवालों की ढाणी तक, स्टेट हाइवे 136 से मेघवाल व राजपूतों की ढाणी तक, भेलू से मटोलो की ढाणी तक, एमडीआर 371 भेलू से भाटियों की ढाणी तक सम्पर्क सड़कों को बनाने का आग्रह किया है।

पंचायती राज और नगरीय निकाय चुनाव पारदर्शिता, समयबद्धता व कम व्यय में करवाने के लिए राज्य निर्वाचन आयोग संकल्पबद्ध-डॉ.मधुकर गुप्ता, राज्य निर्वाचन आयुक्त

जयपुर टाइम्स

बीकानेर(निसं.)। राज्य निर्वाचन आयोग के आयुक्त डॉ.मधुकर गुप्ता ने कहा है कि राज्य निर्वाचन आयोग पंचायती राज और नगरीय निकाय चुनाव पूर्ण पारदर्शिता, समयबद्धता व कम व्यय में शांतिपूर्ण तरीके से करवाने के लिए संकल्पबद्ध है। डॉ.गुप्ता बुधवार को सर्किट हाउस में मीडिया से संवाद कर रहे थे। उन्होंने कहा कि ई.वी.एम.मशीनों के रख रखाव, उनकी सुरक्षा, गंतव्य स्थल पर पहुंचाने में व्यय बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि पंचायती राज एवं नगरीय निकाय के चुनाव बैलेट पेपर या ई.वी.एम.मशीन से करवाने के लिए जिला निर्वाचन अधिकारी को अधिकृत किया गया है। जिला निर्वाचन अधिकारी अपने विवेक, कानून एवं व्यवस्था की स्थिति को देखते हुए बैलेट पेपर या ई.वी.एम. मशीन से चुनाव करवा सकते है। डॉ. गुप्ता ने कहा कि राजस्थान में जिलों की संख्या तथा आबादी के बढ़ने से पुनर्सीमांकन आदि का कार्य जिला प्रशासन स्तर पर करवाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि नगरीय निकाय व पंचायती राज चुनाव के तहत निर्वाचक नामावलियों का कार्य समयबद्ध तरीके से करवाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि बीकानेर संभाग के श्रीगंगानगर, हनुमानगढ व बीकानेर के जिला निर्वाचन अधिकारी व उप जिला निर्वाचन अधिकारियों से आगामी चुनाव की व्यवस्थाओं की चर्चा की गई तथा उन्हें आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए है। इस अवसर पर उप जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) रामावतार कुमावत ने बताया कि राज्य निर्वाचन आयोग के परिपत्र की अनुपालन में पंचायती राज संस्थाओं में एक जून 2024 से 31 दिसम्बर 2024 तक रिक्त पदों के लिए अर्हता तिथि एक जनवरी 2025 के संदर्भ में निर्वाचक नामावली तैयार करने का कार्य शुरू कर दिया है। उन्होंने बताया कि जिले में पुरुष मतदाताओं की संख्या 9 लाख 64 हजार 372 और महिला मतदाताओं की संख्या 8 लाख 82 हजार 200 है।

मुख्यमंत्री के कुशल नेतृत्व में जिले के 2 हजार 656 वरिष्ठ नागरिकों ने की तीर्थ स्थलों की नि:शुल्क यात्रा

जयपुर टाइम्स

बीकानेर(निसं.)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कुशल मार्गदर्शन में राज्य सरकार के वर्तमान कार्यकाल के दौरान जिले के 2 हजार 656 वरिष्ठ नागरिकों ने वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा योजना के तहत विभिन्न तीर्थ स्थलों की नि:शुल्क यात्रा की है। राज्य सरकार की इस पहल की बदौलत अनेक वरिष्ठ नागरिकों की तीर्थ स्थलों की यात्रा का सपना साकार हुआ है। राज्य सरकार द्वारा देश के विभिन्न धार्मिक क्षेत्रों और नेपाल के पशुपतिनाथ मंदिर सहित विभिन्न तीर्थ स्थलों पर वरिष्ठ नागरिकों को नि:शुल्क यात्रा करवाई जाती है। ऐसे बुजुर्ग जो आर्थिक कारणों से इन स्थलों पर नहीं जा सकते, उन्हें सम्मान स्वरूप तीर्थयात्रा करवाने के लिए राज्य सरकार द्वारा यह ऐतिहासिक योजना चलाई जा रही है। इसी श्रृंखला में बीकानेर जिले में देवस्थान विभाग द्वारा दिसंबर 2023 से मार्च 2025 तक 2 हजार 656 वरिष्ठ नागरिकों को रेल व हवाई मार्ग से नि:शुल्क तीर्थ यात्रा करवाई जा चुकी है। विभाग ने रेल से रामेश्वरम-मदुराई, हरिद्वार-ऋषिकेश-अयोध्या, तिरूपति, कामाख्या, जगन्नाथपुरी, द्वारकापुरी सोमनाथ, गंगासागर, हरिद्वार-ऋषिकेश-अयोध्या-वाराणसी-सारनाथ की यात्रा में लगभग 2 हजार 458 वरिष्ठ नागरिकों को धार्मिक स्थलों के दर्शन करवाएं। इसी प्रकार हवाई जहाज से यात्रा करके 198 वरिष्ठ नागरिकों ने पशुपतिनाथ मंदिर काठमांडू के दर्शन किए। यात्रा के दौरान राज्य सरकार द्वारा वरिष्ठ नागरिकों की हर सुविधा एवं जरूरत का ध्यान रखा जाता है। देवस्थान विभाग द्वारा यात्रा से जुड़ी सभी व्यवस्थाएं और व्यय किया जाता है। देवस्थान विभाग द्वारा रेल के जरिए देश के 15 धार्मिक स्थलों की तीर्थ यात्रा कराई जाती है। इनमें रामेश्वरम, जगन्नाथ पुरी, तिरुपति, द्वारकापुरी, वैष्णो देवी, प्रयागराज, मथुरा-वृंदावन-बरसाना, सम्मेदशिखर-पावापुरी-बैजनाथ, उज्जैन-ओंकारेश्वर-त्र्यंबकेश्वर, गंगासागर, कामाख्या, हरिद्वार-ऋषिकेश-अयोध्या, मथुरा-अयोध्या, बिहार शरीफ एवं वेलंकनी चर्च-तमिलनाडु शामिल हैं।

शहीद गोपाल फोगावट की स्मृति में 17वां रक्तदान शिविर व श्रद्धांजली सभा पांच अप्रेल को

सीकर(निसं.) शहीद गोपाल फोगावट स्मृति प्रन्यास की ओर शहीद गोपाल फोगावट की स्मृति में 5 अप्रेल शनिवार को सुबह 9 बजे रक्तदान शिविर एवं श्रद्धांजली सभा आयोजित की जाएगी। कार्यक्रम के पोस्टर का विमोचन बुधवार को प्रन्यासियों ने धाबाई क्लिनिक पर किया। प्रन्यास के अध्यक्ष डॉ. रविंद्र धाबाई ने बताया कि शहीद फोगावट की स्मृति में सांवली सर्किल जयपुर बीकानेर बाईपास स्थित भारतीय शिक्षा संकुल में 17वां रक्तदान शिविर एवं श्रद्धांजली सभा आयोजित की जाएगी। प्रन्यास के महामंत्री संपत सिंह ने बताया कि कार्यक्रम के पोस्टर का विमोचन किया गया है। इस दौरान डॉ. रविंद्र धाबाई, सम्पत सिंह चारण, मनीष डीडवानियां, राजीव शर्मा, रिछपाल फोगावट, मामराज ढाका, शिशपाल चेचू, ओमेंद्र चारण, रामस्वरूप पाटोदा, राजेश रोलन, सुमित जोशी आदि मौजूद रहे।

भारत निर्वाचन आयोग का राजनीतिक दलों के साथ सबसे बड़ा संपर्क अभियान

बीकानेर(निसं.) भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने देश भर में निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी (ईआरओ), जिला निर्वाचन अधिकारी (डीईओ) और मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) के स्तर पर राजनीतिक दलों के साथ व्यापक एवं योजनाबद्ध तरीके से संपर्क स्थापित किया है. बीते 25 दिनों की अवधि में 31 मार्च तक विभिन्न स्तर पर राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ कुल 4,719 बैठकें आयोजित की गईं हैं. इनमें मुख्य निर्वाचन अधिकारियों द्वारा 40 बैठकें, जिला निर्वाचन अधिकारियों द्वारा 800 बैठकें और निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों द्वारा 3,879 बैठकें शामिल हैं, जिनमें देश भर में राजनीतिक दलों के 28,000 से अधिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया. मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार, निर्वाचन आयुक्त डॉ. सुखबीर सिंह संधू और डॉ. विवेक जोशी द्वारा 4-5 मार्च को नई दिल्ली में आयोजित मुख्य निर्वाचन अधिकारियों के सम्मेलन के दौरान जारी किए गए निर्देशों के अनुसार ये बैठकें आयोजित की गईं.

एसडीएम जिला अस्पताल में चिकित्सा कैंसर पहचान, जांच और परामर्श शिविर आयोजित

जयपुर टाइम्स

बीकानेर(निसं.)। एसडीएम राजकीय जिला अस्पताल में बुधवार को कैंसर रोग की पहचान, जांच एवं परामर्श शिविर का आयोजन किया गया। अधीक्षक डॉ. सुनील हर्ष ने बताया कि विषय विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीमों द्वारा रोगियों की जांच की गई एवं आवश्यक उपचार उपलब्ध करवाते हुए लोगों को गैर संचारी रोगों के लक्षणों एवं बचाव के उपायों के बारे में बताया गया। शिविर में डॉ. बी. के. तिवाड़ी, दन्त चिकित्सा अधिकारी डॉ इन्दु दायमा एवं अन्य चिकित्सकों ने अपनी सेवाएं दी। शिविर में मुख्यतया पुरुषों के मुंह, फेफड़े, ग्रासनली और अमाशय के कैंसर तथा स्त्रियों के गर्भाशय, स्तन और मुंह कैंसर से संबंधित समस्त जांच की गई। शिविर में आवश्यक बचाव एवं उपचार के बारे में बताया गया। शिविर में 201 मरीजों की स्क्रीनिंग की गई। जिसमें 1 मरीज को अल्सर ऑन न्यूक्लियस पाया गया। फिजियोथैरेपी में डॉ. मनीष गहलोत द्वारा 24 मरीजों को थेरेपी दी गई। उनको सलाह व उपचार मौके पर ही दिए गए। शिविर में जिला एनसीडी इकाई से उमेश पुरोहित, नर्सिंग ऑफिसर सुनील रावत, ईसीजी टेक्निशियन ऋषि गहलोत आदि ने कैंप में सहयोग प्रदान किया।

एक जिला-एक उत्पाद, बीकानेरी नमकीन विनिर्माता इकाइयों के लिए ऑनलाइन पंजीकरण शुरू

बीकानेर(निसं.) राज्य के जिलों को एक जिला-एक उत्पाद के तहत चयनित उत्पादों के आधार पर उस जिले को एक्सपोर्ट हब के रूप में विकसित करने के लिए 8 दिसंबर 2024 को एक जिला एक उत्पाद नीति 2024 अधिसूचित की गई है। यह योजना 31 मार्च 2029 तक प्रभावी रहेगी। जिला उद्योग एवं वाणिज्य केन्द्र महाप्रबन्धक मंजू नैण गोदारा ने बताया कि जिले में 'एक जिला एक उत्पाद' नीति के तहत बीकानेरी नमकीन का चयन किया गया है। उन्होंने बताया कि योजनांतर्गत ओडीओपी उत्पाद से संबंधित नवीन सूक्ष्म एवं लघु उद्यम स्थापित करने हेतु विभिन्न लाभ देय होंगे। इनमें मार्जिन मनी अनुदान, स्टॉल रेंट अनुदान, आईपीआर ,ई-कॉमर्स प्लेटफोर्म फीस पुर्नभरण सहायता, उन्नत प्रौद्योगिकी / सॉफ्टवेयर अधिग्रहण हेतु सहायता इत्यादि ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से देय होंगे।

किसानों ने भानीपुरा तहसील कार्यालय का किया घेराव, धरना जारी

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निस)। भानीपुरा तहसील कार्यालय पर किसान सभा के नेतृत्व में पिचकराई ताल पटवार मंडल में सरसों की गलत क्रॉपकटिंग प्रयोग का विरोध किया जा रहा है। किसानों की मांग है कि प्रयोग निरस्त कर दुबारा प्रयोग किया जाए। बड़ी संख्या में किसान धरना स्थल से तहसील कार्यालय का घेराव किया ओर तहसील कार्यालय के अंदर घुस गए। कॉमरेड रामकृष्ण छींपा ने बताया कि जब तक प्रयोग निरस्त कर दुबारा प्रयोग नहीं किया जाता तब तक तहसील कार्यालय से बाहर नहीं निकलेंगे किसान। किसानों ने बताया कि रात्रि को किसान तहसील कार्यालय के अंदर ही अपना भोजन बनाकर तहसील कार्यालय में सोने की रणनीति पर अन्य व्यवस्था की जा रहीं है। तहसील कार्यालय घेराव में तहसील मंत्री काशीराम सारण, महेंद्र भाकर, बलवीर भारती, रामदेव भाकर सहित सैकड़ों किसान उपस्थित रहे।

लायंस क्लब ने नेत्र अस्पताल में दिए तीन ए.सी व एक ऑप्थाल्मोस्कोप

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। सामाजिक संस्था लायंस क्लब चूरू की ओर से राजकीय नेत्र अस्पताल में बुधवार को तीन एयर कंडीशनर व एक आप्थअलमोस्कोप प्रदान किए गए। क्लब एडमिनिस्ट्रेटर डॉ. कमल वशिष्ठ ने बताया कि क्लब अध्यक्ष आर्किटेक्ट अनुराग शर्मा की अध्यक्षता में हुए कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मेडिकल कॉलेज प्राचार्य डॉ. महेश मोहन पुकार रहें। वहीं कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि भामाशाह गणेश गोयनका, राजीव चाहर, महेंद्र राजगढ़िया व मूलाराम बुगालिया रहे। क्लब अध्यक्ष अनुराग शर्मा ने बताया कि क्लब की ओर से आयोजित किए गए पिछले नि:शुल्क लैंस प्रत्यारोपण शिविर में नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. शशिधर शर्मा के आग्रह पर भामाशाह राजीव चाहर व महेंद्र राजगढ़िया ने अस्पताल को एयर कंडीशनर देने की घोषणा की थी, इसके साथ ही विगत कैंप के भामाशाह गणेश प्रसाद गोयनका ने अस्पताल की मांग पर रोगियों के नेत्र के पर्दे की जांच करने के लिए आप्थलमोस्कोप देने की घोषणा की थी, जिसको आज पूरा कर दिया गया है। इस अवसर पर मुख्य अतिथि मेडिकल कॉलेज प्राचार्य डॉ. एम.एम. पुकार ने लायंस क्लब का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए उनके कार्यों की सराहना की और भविष्य में भी क्लब के साथ मिलकर सामाजिक सरोकारों में बढ़ चढ़कर हिस्सा लेने की बात कही। डॉ. शशिधर शर्मा ने कहा कि क्लब ने हमारे आग्रह को स्वीकार कर जरूरत का सामान अस्पताल को भेंट किया। इसके लिये हम लायंस क्लब के पदाधिकारियों का सम्मान करते हैं। इस दौरान मंचस्थ भामाशाहों ने कहा कि आवश्यकता पड़ने पर हम सदैव तत्पर हैं। इस दौरान भामाशाह महेंद्र राजगढ़िया ने मेडिकल कॉलेज में बन रहे नए अस्पताल में एक वाटर कूलर देने की घोषणा की। क्लब अध्यक्ष अनुराग शर्मा ने बताया कि आगामी 15 से 17 अप्रैल को गौरी शंकर व निर्मला अग्रवाल फाउंडेशन के आर्थिक सौजन्य से एक ओर नि:शुल्क लैंस प्रत्यारोपण शिविर लगाया जायेगा, जिस पर कॉलेज प्राचार्य डॉ. महेश मोहन पुकार व वरिष्ठ नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. शशिधर शर्मा ने कहा कि हम तन-मन से आम जन की सेवा कर इस शिविर को सफल बनाएंगे। इस अवसर पर अस्पताल के डॉक्टर्स व स्टाफ सदस्यों ने क्लब अध्यक्ष अनुराग शर्मा, डॉ. कमल वशिष्ठ, रामचंद्र राजोतिया, सुनील टकणेत, ओम प्रकाश बेरवा, आबिद खान व मंगतूराम सैनी का माल्यार्पण कर स्वागत किया। इस अवसर पर डॉ. बजरंग लाल सोनी, डॉ. प्रशांत, डॉ. राजकुमार चोपड़ा, डॉ. सुजाता, डॉ. गरिमा, डॉ. रुचि लखावत, डॉ. श्रद्धा, डॉ. भीकमचंद, डॉ. मनफूल रूहिल, डॉ. लक्ष्मी, डॉ. सुभाष व डॉ. जय सिंह सहित अनेक लोग उपस्थित रहे।

भामाशाह सिंघानिया का किया अभिनंदन

जयपुर टाइम्स

लक्ष्मणगढ़(निस) एम शिलांग के रामचंद्र लक्ष्मीनारायण सिंघानिया फर्म की तीन पीढ़ियों का स्वागत किया गया। शिलांग प्रवासी भामाशाह महावीर प्रसाद सिंघानिया के सपरिवार पधारने पर का आज अभिनंदन किया। गाँव में इनके प्रतिनिधि प्रदीप दाधीच ने बताया कि इस परिवार का आरंभ से ही योगदान रहा है और इन्होंने मंदिर, स्कूल आदि में अनेकों विकास कार्य करवाए हैं। सिंघानिया ने बताया कि नरोदडा गाँव के विकास के लिए ये कृतसंकल्पित हैं। इनके साथ इनके पुत्र अभिषेक, विक्रम, पुत्रवधु अदिति, गुंजन व पौत्र सिद्धार्थ सिंघानिया उपस्थित रहे। संक्षिप्त दौरे पर आए भामाशाह सिंघानिया का थानेदार रामकुमार ख्यालिया, शिक्षाविद रामेश्वर सिंह ख्यालिया, सांवरमल शर्मा, घीसालाल जांगिड़, पंकज दाधीच, प्रवेश, इशांत, नीरज कुमार, महेंद्र नाई आदि ने स्वागत किया।सिंघानिया ने इनके परिवार से जुड़े हुए लोगों से मुलाकात कर उन्हें शिलांग आने का न्योता दिया।

ज्योतिबा फूले व डॉ. अम्बेडकर जयंती की रैली के बारे में चर्चा

जयपुर टाइम्स

मण्डावा(निस)। ग्राम टोडरवास (मोजास) में बुद्धवार को अजा - जजा समाज की हुई मीटिंग में निर्णय लिया गया कि आगामी 14 अप्रैल को भारत रत्न डॉ. बाबा साहब भीमराव अंबेडकर साहेब की जयंती व महात्मा ज्योतिबा फूले की जयंती पर नगर पालिका चौक मंडावा से लेकर अंबेडकर भवन तक डी.जे. से विशाल रैली निकाली जाएगी और अम्बेडकर भवन में जयंती मनाई जाएगी। सरपंच मुकेश झाझडिया ने सभी का माल्यार्पण पहनाकर स्वागत किया। सभी लोगों ने निर्णय लिया कि 14 अप्रैल से पहले हर गांव में मीटिंग करके लोगों को जागरूक करेंगे जिसमें पधारे बहादुरवास सरपंच बृजेश सेवदा, हनुमानपुरा सरपंच प्रतिनिधि विकास सेवदा, तेतरा सरपंच प्रतिनिधि मनोज घोटड़, सज्जन चुडी, जगदीश महरिया, अजय नुआ, परमेश्वर लाल, हरदयाल काला, राजेंद्र प्रसाद आर्य, अशोक किरोडिया, रामकरण सिंह, ओम प्रकाश, रामचंद्र अमरचंद, कमलेश ,नरेंद्र कडहायला, नथमल चोपड़ा, सीताराम, भागुराम, श्रवण, कालुराम, रोहित, सचिन, हरीराम नलवा, विजय, अजय, अनिल, पिकेश, राकेश, बाबुलाल, रामप्रसाद, विजेन्द्र, नागर, रामकरणसिंह, नेमीचंद, सुनिल, नरोत्तम किलानिया हरिओम, डूंगरमल आदि मौजूद रहे।

गिव-अप अभियान की अवधि 30 अप्रैल तक बढ़ाई, अब तक 2661 परिवारों ने हटवाए नाम

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। खाद्य सुरक्षा योजना के अपात्र लाभार्थियों को स्वेच्छा से अपना नाम हटवाने के लिए रसद विभाग ने एक और मौका दिया है। विभाग के गिव अप अभियान की अवधि 30 अप्रैल तक बढ़ा दी गई है। डीएसओ साक्षी पुरी ने बताया कि अभियान में अब तक 2661 परिवारों के 11,880 लाभार्थियों ने स्वेच्छा से अपना नाम हटवा चुके हैं। इसके अलावा विभाग की तरफ से हर सप्ताह 20 अपात्र लाभार्थियों को नोटिस जारी किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि अब तक कुल 160 लाभार्थियों को नोटिस जारी किए जा चुके है, जिनमें से 28 लाभार्थी सरकारी कर्मचारी हैं। विभाग इनके खिलाफ वसूली की भी कार्यवाही कर रहा है। उन्होंने बताया कि 26 जनवरी, 2025 को खाद्य सुरक्षा योजना में नए लाभार्थियों के लिए नाम जुड़वाने के लिए पोर्टल शुरू किया गया था। आज तक खाद्य सुरक्षा योजना में नाम जुड़वाने के लिए 29863 नए आवेदन प्राप्त हो चुके हैं।

कैरियर की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए विद्यार्थी जीवन से ही करें अनुशासन का पालनः बिजेन्द्र सिंह

एसडीएम ने किया केजीबीवि टाइप-3 व छात्रावास का निरीक्षण, मिड डे मील की जांच की

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा के निर्देशानुसार चूरू एसडीएम बिजेन्द्र सिंह ने बुधवार को कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय टाईप-3 व राजकीय कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय छात्रावास टाईप-3 का निरीक्षण किया और मिड-डे-मील की जांच कर बच्चों से भोजन की गुणवता के बारे में जानकारी ली। इस अवसर पर उन्होंने कक्षा-कक्षों में जाकर विद्यार्थियों से संवाद किया और कैरियर गाइडेंस दिया। उन्होंने कहा कि निरंतर अभ्यास कौशल विकास का सक्षम आधार है। कैरियर की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए विद्यार्थी जीवन से ही अनुशासन का पालन करें। विद्यार्थी नियमित अध्ययन को अपनी रूचि बनाएं। बिजेन्द्र सिंह ने मिड डे मील की जांच कर कहा कि विद्यालय में विद्यार्थियों को दिए जाने वाले पोषाहार में गुणवता मेंटेन रखें। इसी के साथ सह-शैक्षणिक गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास करें। उन्होंने विद्यालय व छात्रावास में बने छात्र-छात्राओं के लिए बने आवास, रहने की व्यवस्था, दी जाने वाली सुविधाओं, शैक्षणिक गतिविधियों व शौचालय की जानकारी ली। इस दौरान प्रध्यानाध्यपक विमला देवी, कृष्णा कुमारी, निजी सहायक सुरेश कुमार, अनिता, सबनम, तनीजा, सुनिता, सुकेश और विनोद उपस्थित रहे।

महिलाओं का तकनीकी रूप से समृध्द होना विकसित समाज की आधारशिलाः सहारण

विधायक ने महिलाओं के लिए नि:शुल्क कंप्यूटर प्रशिक्षण बैच का किया उदघाटन

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। चूरू विधायक हरलाल सहारण ने बुधवार को जिला मुख्यालय स्थित एक्सीलैंट कंप्यूटर सेंटर में महिला अधिकारिता विभाग की ओर से चयनित महिलाओं के लिए नि:शुल्क कंप्यूटर कोर्स के नए बैच का उद्घाटन किया। एक्सीलैंट कंप्यूटर सेंटर की संचालिका मंजू प्रजापत व मुकेश जांगिड़ ने अतिथियों का स्वागत किया। इस अवसर पर विधायक हरलाल सहारण ने कहा कि महिलाओं का तकनीकी रूप से समृद्ध होना विकसित समाज की आधारशिला है। महिलाएं तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ेंगी तो निस्संदेह भावी पीढ़ी अधिक कौशल, मानसिक व तार्किक रूप से समृद्ध होगी। उन्होंने कहा कि सरकार महिला उत्थान के लिए समग्र प्रयास कर रही है। महिलाओं को तकनीकी प्रशिक्षण देना सराहनीय पहल है। एक्सीलैंट कंप्यूटर सेंटर की ओर से चूरू में तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में किए जा रहे कार्य प्रशंसनीय हैं। उन्होंने बालिकाओं व महिलाओं को प्रोत्साहित किया। उपस्थित सभी ने इस पहल की सराहना की और महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में इसे एक महत्वपूर्ण कदम बताया। निदेशक मंजू प्रजापत ने जानकारी देते हुए बताया कि राज्य सरकार के जन कल्याणकारी प्रयासों के अंतर्गत महिला अधिकारिता विभाग की ओर से चयनित 99 महिलाएं वर्तमान में 90 दिनों का कंप्यूटर प्रशिक्षण प्राप्त कर रही हैं। इस दौरान आरिफ भालेरी, पवन गुर्जर, आरकेसीएल से डीपीओ कैलाश, जिला समन्वयक पंकज पारीक, सुरेश कुमार सहित महिलाएं मौजूद रहीं।

स्वर्वेद शोभायात्रा निकाली, उमड़ा हुजूम

जयपुर टाइम्स

रतनगढ़(निस)। विहंगम योग संत समाज के तत्वावधान में महर्षि सदाफल देव जी महाराज की शोभा यात्रा शताब्दी महोत्सव के अंतर्गत बुधवार को स्वर्वेद शोभायात्रा का आयोजन किया गया। शोभा यात्रा का मुख्य बाजारों में अनेक जगह स्वागत किया। अशोक स्तंभ से शुरू हुई शोभायात्रा मुख्य घंटाघर बाजारों में होती हुई घाटा मेहंदीपुर बालाजी मंदिर होते हुए मंगल भवन पहुंची। शोभा यात्रा में अनेकों महिलाएं सिर पर स्वर्वेद ग्रंथ लिए सदगुरुदेव भगवान के जयकारे लगा रही थी।विहंगम योग के नगर प्रमुख दिनेश चोटिया ने बताया कि यात्रा पूरे भारतवर्ष में एक दिन एक साथ एक समय पर प्रतिवर्ष निकाली जाती है। विहंगम योग के उपदेष्टा जगदीश प्रसाद चोटिया ने बताया कि महर्षि सदाफलजी महाराज की 17 वर्ष कि कठोर साधना से समाधि अवस्था में स्वर्वेद ग्रंथ की रचना की थी, जिसका विशाल भव्य मंदिर बनारस में बना है। उसमें स्थित सभागार में एक साथ बीस हजार लोग प्रार्थना कर सकते हैं। इस मौके पर पूर्व मंत्री राजकुमार रिणवा, सत्यप्रकाश चोटिया, मुरारीलाल चोटिया, सत्यनारायण सेवदा, मुकुल, अमित चोटिया, मनोज जोशी, नन्द किशोर माठोलिया, शंकरलाल सेवदा, विनोद बोचीवाल, अमीत जोशी, देवकीनंदन सेवदा, अनील चोटिया, गणपत राय पिपलवा, रमादेवी शर्मा, शारदा शर्मा, पूजा, रचना देवी, बिमला देवी, प्रिया शर्मा, स्वाति शर्मा, चेतना शर्मा आदि मातृशक्ति उपस्थित थे।शोभा यात्रा का समापन मंगल भवन में पूजा-अर्चना के साथ किर्तन व सत्संग के स्थानीय मंगल भवन में हुआ।

स्वामी की सेवानिवृति के बाद सहारण होंगे राज्य मंत्रालयिक महासंघ के जिलाध्यक्ष

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। राजस्थान राज्य मंत्रालयिक महासंघ के जिलाध्यक्ष दिनेश स्वामी के सेवानिवृत होने पर अब घनश्याम सहारण को अध्यक्ष मनोनीत किया गया। अध्यक्ष बनने के बाद सहारण ने कहा कि वे कर्मियों के हकों के लिए हमेशा आवाज उठाएगे। पेंशनर भवन में मंगलवार को हुए कार्यक्रम में महासंघ के जिलाध्यक्ष दिनेश स्वामी के सेवानिवृत्त होने पर जिले के मंत्रालयिक कर्मचारियों ने स्वामी का अभिनंदन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता संयुक्त निदेशक बजरंग लाल स्वामी ने की। कार्यक्रम में जिले के विभिन्न ब्लॉकों से आए कार्मिकों का प्रमोद कौशिक ने स्वागत किया। कार्यक्रम में कर्मचारियों ने मार्ल्यापण कर, साफा पहनाकर व अभिनंदन पत्र भेंट कर स्वामी का स्वागत किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि सीडीईओ गोविंद सिंह राठौड़ ने कहा कि स्वामी ने अपने कार्यकाल में मंत्रालयिक कर्मचारियों के हक के लिए हमेषा सक्रिय भूमिका निभाई। दिनेश स्वामी ने महासंघ के कार्याकारी अध्यक्ष के लिए घनश्याम सहारण का नाम प्रस्तावित किया, जिसका सरदारशहर ब्लॉक अध्यक्ष अब्दुल करीम, सुजानगढ़ ब्लाक अध्यक्ष दीपक भास्कर, तारानगर ब्लॉक अध्यक्ष विकास सिहाग सहित उपस्थित जिले के समस्त मत्रांलयिक कार्मिकों ने ध्वनि मत से समर्थन कर सहारण को अध्यक्ष मनोनीत किया। कार्यक्रम में सहायक निदेशक महेंद्र बड़सरा, एडीईओ कमल शर्मा ने भी अपने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर दिनेश कुमार, जग्गू सिंह चारण, ओमप्रकाश मीणा, मुकेश, कुलदीप, मांगीलाल सहारण, प्रकाश शर्मा, पवन, पंकज, मुकेश, देवाराम, अशोक जांगिड, रामचंद्र, विजेंद्र पूनियां, बहादुर सिंह, मनोज राजपुरोहित, होशियार सिंह कस्वां, कल्पेश, दौलराम, अंकित, संजय कुमार वर्मा, नरेंद्र सिंह सहित बड़ी संख्या में कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन उमेश दाधीच ने किया।

कर्मचारी ने किया 13.50 लाख का गबन, मामला दर्ज

जयपुर टाइम्स

झुंझुनूं(निस)। शहर के एक किराना स्टोर "के-मार्ट" में कार्यरत कर्मचारी ने 13.50 लाख रुपये के गबन कर लिया। इस संबंध में कोतवाली थाने में मामला दर्ज हुआ है। स्टोर के साझेदार विजय कुमार कुमावत ने कर्मचारी शुभम चौमाल के खिलाफ धोखाधड़ी और गबन की शिकायत दर्ज करवाई है।

ऐसे हुआ गबन

शिकायत के अनुसार, शुभम चौमाल फरवरी 2023 से सितंबर 2023 तक के-मार्ट के कैश काउंटर का कार्यभार संभाल रहा था। इस दौरान उसने स्टोर के बिलों में हेराफेरी की, सेल्स रिटर्न के नाम पर गड़बड़ी की और ग्राहकों से सीधे अपने निजी यूपीआई खातों (फोन पे, पेटीएम, गूगल पे) के माध्यम से भुगतान लेकर कंपनी के पैसे गबन कर लिए। जब हिसाब-किताब मिलाया गया तो करीब 13.50 लाख रुपये की हेराफेरी का खुलासा हुआ।

गलती स्वीकार कर लौटाने का किया था वादा

पकड़े जाने पर शुभम चौमाल ने अपनी गलती स्वीकार की और लिखित में आश्वासन दिया कि वह पांच महीनों में पूरी राशि लौटा देगा। उसने अपने परिवार को भी बुलाकर एफआईआर नहीं करवाने का निवेदन किया। लेकिन तय समय बीतने के बाद भी उसने राशि वापस नहीं की। अब गोलमोल जवाब देकर कर रहा है टालमटोल पीड़ित के अनुसार, शुभम चौमाल से जब भी पैसे लौटाने के लिए कहा जाता है। वह बार-बार टालमटोल कर रहा है और गोलमोल जवाब देकर बहाने बना रहा है। इस पर विजय कुमार कुमावत ने झुंझुनूं कोतवाली थाना में शिकायत दर्ज करवाई।

एफआईआर दर्ज, जांच शुरू

कोतवाली थानाधिकारी हरजिंदर सिंह ने बताया कि पुलिस ने विजय कुमार कुमावत की रिपोर्ट पर शुभम चौमाल के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। मामले की जांच की जा रही है।

हिस्ट्रीशीटर सहित 2 आरोपी गिरफ्तार

जयपुर टाइम्स

झुंझुनूं(निस)। गुढ़ागौड़जी थाना पुलिस ने कुल्हाड़ी से जानलेवा हमला करने के मामले में हिस्ट्रीशीटर सहित दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। यह हमला बीते 23 फरवरी 2025 को हुआ था, जिसमें पीड़ित को गंभीर चोटें आई थीं और उसे जयपुर के सवाई मानसिंह अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा था। आरोपियों ने कुल्हाड़ी से हमला किया था। गुढ़ागौड़जी थाना पुलिस ने इस मामले में कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी हिस्ट्रीशीटर संदीप उर्फ बुलिया (24) पुत्र बहादुर सिंह, निवासी पोसाना और विकास स्वामी (26) पुत्र हजारीलाल, निवासी खबरसो की ढाणी, तन गुढ़ागौड़जी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने दोनों को गुढ़ागौड़जी क्षेत्र से दस्तयाब कर पूछताछ के बाद गिरफ्तार किया।

यह था मामला

परिवादी किशोर जाट (52) निवासी पोसाना ने थाने में दर्ज कराई गई रिपोर्ट में बताया कि 23 फरवरी को दोपहर 12.56 बजे सावलराम का फोन आया। फोन पर कहा गया कि संदीप और सोनू के बीच विवाद हो गया है, इसलिए नायरा पेट्रोल पंप के पास दुकान पर परिवार के लोग आकर राजीनामा करवा लें। इस पर किशोर और उसका पुत्र सोनू दुकान पर पहुंचे, जहां सांवलराम, बहादुर, मदन, सुनील, बुलिया उर्फ संदीप समेत अन्य लोग मौजूद थे। रिपोर्ट के मुताबिक, वहां पहुंचते ही आरोपियों ने अचानक जानलेवा हमला कर दिया। इस हमले में हिस्ट्रीशीटर बुलिया उर्फ संदीप ने कुल्हाड़ी से सोनू के हाथ-पैर पर वार किए, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। अन्य आरोपियों ने सोनू और किशोर को पकड़कर मारपीट की। घायल सोनू को पहले गुढ़ागौड़जी अस्पताल ले जाया गया, जहां से उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए झुंझुनूं और फिर जयपुर रेफर कर दिया गया।

शेखावाटी जयपुर टाइम्स

जयपुर, गुरूवार
3 अप्रेल, 2025

चीता सेना का गांधी चौक पर अनिश्चितकालीन धरना शुरू

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निसं.)। शहर के गांधी चौक पर एक बार फिर चीता सेना ने विभिन्न मांगों लेकर धरना शुरू कर दिया। धरने पर बैठे चीता सेना के कार्यकर्ताओं ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन कर समस्या के समाधान की मांग की है। चीता सेना के प्रमुख ओमकार बाली ने बताया कि पहले भी विभिन्न मांगों को लेकर धरना दिया गया था। प्रशासन की ओर से हमारी मांगों पर कोई संज्ञान नहीं लिया गया था। एक बार फिर पंजीयन कार्यालय में भ्रष्टाचार कर रहे अधिकारियों पर कार्रवाई करने व उनका तबादला करने की मांग, कई सालों से बंद बापा सेवा सदन स्कूल, रेगर बस्ती कस्तुरबा स्कूल व छात्रावास पुनः शुरू करने की मांग, नगर परिषद में एसी के पार्षदों की आरक्षण से सीटों की संख्या बढ़ाने की मांग सहित अन्य मांगों को लेकर धरना शुरू किया गया है। हमारी मांगों पर संज्ञान नहीं लिया गया तो हमारे अनिश्चित कालीन धरना जारी रहेगा। धरने पर ओमकार बाली, जगदीश धन्नावंशी, लक्ष्मण सिंह डूडी, जेठदास स्वामी, शिवा बैजासर, शंकरलाल कड़वासरा, विक्रम रामसीसर, हीरालाल रामसीसर, अशोक कुमार, रामस्वरूप, आलोक कुमार, दुष्यंत स्वामी सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

माहेश्वरी समाज की अच्छी पहल, पशु पक्षियों के लिए पानी की व्यवस्था

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निस)। बुजुर्गों से एक कहावत सुनी थी कि बिन पानी सब सून, उसी कहावत को चरितार्थ करने के लिए माहेश्वरी समाज ने एक अनूठी पहल करते हुए गर्मी के मौसम की दस्तक के साथ ही पुन्य का कार्य शुरू किया गया है। शहर में पशु पक्षियों के लिये बीहड़ व अन्य स्थानों पर पानी की व्यवस्था की हैं। धरती पर सबसे कीमती वस्तुऐं हैं शुद्ध पानी और शुद्ध हवा अफसोस कि मुफ्त में मिल रही इन दोनों बेशकीमती वस्तुओं की हम ज़रा भी परवाह नहीं करते। हमारी लापरवाही भविष्य में सम्पूर्ण श्रृष्टि के लिए बड़ा संकट पैदा कर सकती है। माहेश्वरी समाज की ओर से बीहड़ में बहुत ही सुन्दर कार्य किया जा रहा हैं। इस अवसर पर समाज बंधुओं के साथ अन्य सेवा भावी लोग भी उपस्थित रहे। पशु पक्षियों के लिए सेवा का कार्य गर्मी के मौसम में चार माह तक निरंतर जारी रहेगा।

धीरवास सरपंच ने जिला कलेक्टर के नाम मांग पत्र सौंपा

जयपुर टाइम्स

तारानगर(निस)। तारानगर क्षेत्र की पंचायत समिति की ग्राम पंचायत धीरवास छोटा की सरपंच जैता देवी ने बुधवार को अपने क्षेत्र में बीमा क्लेम की मांग को लेकर कलेक्टर के नाम उपखण्ड अधिकारी को ज्ञापन दिया है। ज्ञापन के माध्यम से सहारण ने बताया है कि धीरवास छोटा के गाँव धीरवास छोटा के पटवार हल्का धीरवास बड़ा में क्रॉप कटिंग रबी 2024-25 के लिए विभाग या कम्पनी की ओर से जारी रैडम खसरा 1612 व 7356 चने के लिए और रैण्डम खसरा नंबर 9625 व 3524 तारामीरा के लिए रोही धीरवास छोटा में होना निर्धारित था लेकिन अब कम्पनी के कर्मचारियों व पटवारी ने रैण्डम खसरे के अलावा क्रॉप कटिंग खसरा धीरवास बड़ा के सिंचित रकबे में से लिया गया है। पिछले वर्ष 2023-24 में भी यही हुआ था खसरे के चयन धीरवास छोटा में न होकर धीरवास बड़ा के सिंचित क्षेत्र में से हुआ था जिससे धीरवास छोटा के सभी किसान बीमा क्लेम से वँचित रह गए थे। इस बार भी यही खेल खेला जा रहा है और गांव के साथ बार बार अनदेखी होने से किसान चिंतित व आक्रोशित है। सरपंच जैता देवी ने क्रॉप कटिंग निर्धारित रैडम खसरे 1612,7356 चना व 9625, 7356 तारामीरा रोही धीरवास छोटा में करवाने की मांग की है जिससे गाँव के किसानों को फ़सल बीमा क्लेम का लाभ मिल सके।

पीड़ित पक्ष को 19.21 लाख रूपए का अवार्ड पारित

जयपुर टाइम्स

तारानगर(निस)। तारानगर न्यायालय मोटर दुर्घटना दावाधिकरण के पीठासीन अधिकारी संतोष कुमार मीणा ने सड़क दुर्घटना मामले में ब्याज सहित कुल 19.21 लाख रूपये का आवार्ड पारित किया। पीड़ित पक्ष की ओर से पैरवी कर रहे अधिवक्ता अनिल कुमार स्वामी राजपुरा ने बताया कि 17 दिसंबर 2017 को शाम 5 बजे नोहर निवासी रजाक व उसका भाई फारूख ट्रेक्टर में सवार होकर साहवा से सामान लेकर आ रहे थे, जब झाड़सर छोटा के पास पहुंचे तो पिछे से केंटर चालक तरसेमसिंह ने केंटर को तेज गति व लापरवाही से चलाते हुए ट्रेक्टर को पिछे से टक्कर मारी, जिससे फारूख की मौके पर ही मृत्यु हो गई। तारानगर थाने में उक्त घटना का मुकदमा दर्ज हुआ। पुलिस ने अनुसंधान कर केंटर चालक के खिलाफ न्यायालय में चालान पेश किया। मृतक फारूख की ओर से उसकी पत्नी कलसुम व पुत्र और मातो ने न्यायालय में क्लेम याचिका पेश की जिसमें पीठासीन अधिकारी संतोष कुमार मीणा ने पत्रावली का अवलोकन कर पत्रावली पर आये साक्ष्यों के आधार पर प्रार्थीगण के पक्ष में कुल ब्याज सहित 19.21 लाख रूपए का अवार्ड पारित कर अप्रार्थी बीमा कम्पनी को अदा करने का आदेश प्रदान किया।

ग्राम पंचायत स्तरीय जनसुनवाई आज

चूरू(निस)। जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा के निर्देशानुसार गुरुवार को जिले की सभी ग्राम पंचायतों में ग्राम पंचायत स्तरीय जनसुनवाई आयोजित की जाएगी। जिला कलक्टर ने जनसुनवाई आयोजन को लेकर समुचित निर्देश दिए हैं। एडीएम अर्पिता सोनी ने बताया कि राज्य सरकार के निर्देशानुसार त्रिस्तरीय जनसुनवाई के क्रम में अप्रैल माह के प्रथम गुरुवार 3 अप्रैल को ग्राम पंचायत स्तरीय जनसुनवाई, द्वितीय गुरुवार को राजकीय अवकाश होने की स्थिति में 9 अप्रैल को उपखंड स्तरीय जनसुनवाई तथा तृतीय 17 अप्रैल को जिला स्तरीय जनसुनवाई आयोजित की जाएगी। मुख्य सचिव की ओर से वीसी के जरिए राज्य स्तर से पर्यवेक्षण किया जाएगा।

परंपरागत जल स्त्रोतों को करें पुनर्जीवित

रतनसरा पहुंची प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना 2.0 जलग्रहण घटक अंतर्गत जलग्रहण यात्रा-2025

विधायक गोदारा ने हरी झंडी दिखाकर जागरूकता रैली को किया रवाना

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना 2.0 जलग्रहण घटक अंतर्गत प्रदेश में चल रही जलग्रहण यात्रा-2025 नेछवा, सीकर से होते हुए बुधवार को जिले के रतनगढ़ उपखंड के रतनसरा पहुंची। इस अवसर पर रतनसरा राउमावि में कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में रतनगढ़ विधायक पूसाराम गोदारा, जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा, सीईओ श्वेता कोचर, रतनगढ़ एसडीएम रामकुमार वर्मा सहित अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों ने शिरकत की और यात्रा का स्वागत किया। कार्यक्रम में संबोधित करते हुए जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा ने कहा कि परंपरागत जलस्त्रोतों का पुनर्जीवित करें। हम सभी परिवेश के परंपरागत जल स्त्रोतों की देखरेख करें और जल संरक्षण गतिविधियों पर विशेष फोकस करें। परिवेश में अवस्थित परंपरागत जल स्त्रोतों की मरम्मत करवाएं तथा उन्हें सुचारू रखें। हमारा प्रयास रहे कि घर का पानी घर में और खेत का पानी खेत में काम आए। वर्षा जल संरक्षण के साथ भूमिगत जल स्तर बढ़ाने की दिशा में प्रयास करें। उन्होंने कहा कि पानी को रिसाइकिल करने पर फोकस करें तथा जलग्रहण गतिविधियों के माध्यम से खेतों में बनाए जाने वाले टांकों आदि के माध्यम से कृषि कार्य को सुदृढ़ करते हुए फसल की उपज को बढ़ाएं। जल संरक्षण व कृषि गतिविधियों में वाटरशेड के विभिन्न प्रकल्पों को अधिकाधिक सम्मिलित करें। सीईओ श्वेता कोचर ने कहा कि जलग्रहण गतिविधियों में सभी के सम्मिलित प्रयासों से हम जल स्तर को बढ़ा पाएंगे। हमें जल संरक्षण को अपनी आदत में शामिल करना होगा। इस दौरान विद्यालय के विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी और कठपुतली नृत्य का प्रदर्शन किया गया। अतिथियों ने जलग्रहण गतिविधियों में उत्कृष्ट कार्य करने वालों को सम्मानित किया।

विधायक पूसाराम गोदारा ने रैली को दिखाई हरी झंडी

इस अवसर पर रतनगढ़ विधायक पूसाराम गोदारा ने भी कार्यक्रम में शिरकत की और जलग्रहण गतिविधियों व जल संचय को लेकर जागरूकता रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। कार्यक्रम में संबोधित करते हुए विधायक गोदारा ने कहा कि जल संरक्षण वर्तमान की प्राथमिकता है। हम संकल्पित होकर जल संरक्षण के लिए प्रयास करें। मानवता के अस्तित्व के लिए जल संरक्षण जरूरी है। जनसहभागिता से जल संरक्षण के प्रयासों को बढ़ाया जाए। उन्होंने कहा कि हम भूमिगत जल स्तर को बनाए रखने के लिए किए जाने वाले प्रत्येक प्रयास में सक्रिय भागीदारी निभाएं और जल संरक्षण के लिए परंपरागत जल स्त्रोतों का संरक्षण, संवर्द्धन करें। इस दौरान रतनसरा के भुवाना जोहड़ा का शिलान्यास किया व चक जालेऊ के सुरजाना जोहड़ा का लोकार्पण किया गया। विद्यार्थियों ने रैली निकालकर जल संरक्षण व जलग्रहण गतिविधियों के लिए जागरूक किया। इस दौरान रतनगढ़ एसडीएम रामकुमार वर्मा, बीडीओ जगदीश व्यास, सरपंच विक्रमपाल सिंह, एसई महेन्द्र कुमार, प्रभारी अधिकारी संजय शर्मा, राजीविका बीपीएम शिवानी भटनागर, मुकेश आदि सहित ग्रामवासी मौजूद रहे। संचालन नीरज ने किया।

जलवायु परिवर्तन के प्रतिकूल प्रभावों की दी जानकारी

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। स्थानीय सोना देवी सेठिया कन्या स्नाातकोतर कन्या महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना की दोनों इकाइयों व आईक्यूएसी के संयुक्त तत्वावधान में भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण (बीएसआई) की ओर से पर्यावरण संरक्षण व जलवायु परिवर्तन के लिए संदेश दिया गया। इसमें राष्ट्रीय सेवा योजना की स्वयंसेविकाओं के साथ महाविद्यालय की अन्य छात्राओं ने भाग लिया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि बीएसआई के सीनियर वैज्ञानिक डॉ चन्दन सिंह पुरोहित तथा सीनियर प्रजेंटेशन असिस्टेंट सहायक टीम अधिकारी अमित कुमार, क्षेत्रीय सहायक अधिकारी रणजीत, सहायक अधिकारी नरेंद्र भाटी का माला एवं साफा पहनाकर स्वागत किया गया। डॉ. पुरोहित ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए बीएसआई व इससे संबन्धित शाखाओं के बारें में जानकारी प्रदान करते हुए पर्यावरण संरक्षण व जलवायु परिवर्तन पर अपने विचार प्रस्तुत किए। सहायक टीम अधिकारी अमित कुमार ने मरूस्थलीकरण व पौधरोपण के लिए संदेश दिया। उपप्राचार्य डॉ जयश्री सेठिया ने युवाओं को जलवायु परिवर्तन से होने वाले घातक नुकसान से अवगत करवाया। प्राचार्य डॉ साधना सिंह ने जलवायु परिवर्तन व पर्यावरण के महत्व और संरक्षण के लिए विद्यार्थियों को जागरूक किया। लेफ्टिनेंट डॉ मेघना सोनी ने पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने वाली गतिविधियों पर रोक लगाने के लिए प्रेरित किया। राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी संजय वर्मा ने बताया कि प्रकृति के अत्यधिक दोहन के कारण न केवल मानव जाति को बल्कि पृथ्वी पर निवास करने वाले सभी प्राणियों को ऐसे वातावरण में धकेल दिया है, जहां स्वस्थ जीवन की मात्र कल्पना ही कर सकते है। महाविद्यालय निर्देशिका डॉ.वन्दना भटनागर ने धन्यवाद ज्ञापित करते हुए बताया कि प्रदूषण ने हमारे पर्यावरण को बहुत हानि पहुंचाई है जो मानव के संमुख एक चुनौती है। इस दौरान सेल्वी बगड़ा, रब्बानी भाटी, विष्णु गुप्ता दीपाली प्रजापत भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन दीपाली प्रजापत ने किया।

नवजात बेटियों को 5100 रुपए की प्रोत्साहन राशि

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़ (नि.सं.)। लाडनूँ रोड स्थित सुजला हॉस्पिटल में कन्या के जन्म पर 51 सौ की प्रोत्साहन राशि मिलेगी। जीवनमल नाहाटा ट्रस्ट, नई दिल्ली के मुख्य ट्रस्टी नरेंद्र कुमार नाहटा ने बताया कि बिना बेटियों के इस संसार की कल्पना भी नहीं की जा सकती। बेटी है तो कल है। हमारा ट्रस्ट सालों से बेटी बचाओ और बेटी पढ़ाओ अभियान पर काम कर रहा है। समय समय पर बेटियों व महिलाओं के लिए ट्रस्ट के माध्यम से शिक्षा व चिकित्सा के लिए काम कर रहे है । इस नवरात्रा पर 6 अप्रैल 2025 तक सुजला हॉस्पिटल में होने वाली डिलीवरी पर अगर बेटी का जन्म होता है, तो नवजात बेटी को जीवनमल नाहटा ट्रस्ट नई दिल्ली की तरफ़ से 5100 की प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। अस्पताल के डायरेक्टर राकेश चौधरी ने बताया ने ये जानकारी दी।

जिला परिषद साधारण सभा की बैठक 7 अप्रैल को

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। जिला प्रमुख वंदना आर्य की अध्यक्षता में 7 अप्रैल को दोपहर 12.15 बजे जिला ?परिषद सभागार में जिला ?परिषद की साधारण सभा की बैठक आयोजित की जाएगी।सीईओ श्वेता कोचर ने बताया कि बैठक में विभागीय योजनाओं, एसएफसी वार्षिक कार्ययोजना पर अनुमोदन, एफएफसी की वार्षिक कार्ययोजना पर अनुमोदन, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना चतुर्थ डीआरआरपी रोड व सीएमसीपीएल प्रस्तावों का अनुमोदन सहित विभिन्न बिन्दुओं पर चर्चा की जाएगी।

पार्षद पंकज घासोलिया ने मांगी कचरा प्रबंधन की जानकारी

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। भाजपा पार्षद पंकज घासोलिया ने नगरपरिषद आयुक्त को पत्र प्रेषित कर डंपिंग यार्ड में कचरा प्रबंधन के बारे में जानकारी मांगी है। पत्र में पंकज घासोलिया ने लिखा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के स्वच्छ भारत मिशन के तहत सुजानगढ़ शहर में वर्षों से जमा कचरे के ढ़ेर से निजात पाने के लिए ट्रेवल लिगसी ट्रीटमेंट प्लांट की स्थापना की गई थी। जिसका संचालन डीएस प्राइवेट लिमिटेड नामक कंपनी की ओर से किया जा रहा था। पत्र में पार्षद ने जानकारी मांगी कि वर्ष 23-24 में अनुबंधित कंपनी की ओर से 38 हजार टन क्यूबिक कचरे का निस्तारण तय मानकों के अनुसार किया गया या नहीं? नगरपरिषद की ओर से कितने क्यूबिक कचरे का संग्रह और किस प्रकार निस्तारण किया गया। निस्तारण में खाद, प्लास्टिक व आरडीएफ का अनुपात क्या रहा और किन मानकों के अनुसार बेचा गया। पत्र में पार्षद पंकज घासोलिया ने अनुबंध के अनुसार कार्य नहीं होने पर इसके लिए जिम्मेदार ठेकेदारों व अधिकारियों की जिम्मेदारी तय करने की मांग की है।

पौधरोपण व परितोष वितरण कार्यक्रम आयोजित

जयपुर टाइम्स

रतनगढ़(निस)। राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय, छोटड़िया में टाटा ट्रांसमिशन लाइन की ओर से पौधरोपण और पारितोषिक वितरण कार्यक्रम एसएमसी अध्यक्ष तोलाराम शर्मा की अध्यक्षता में आयोजन किया गया। टाटा समूह की ओर से आरसीएम प्रभारी अश्विनी कुमार के मुख्य आतिथ्य में आयोजित कार्यक्रम में सेक्टर प्रभारी सुरेश कुमार जोशी, सेक्टर सहायक आशीष सिंधे, आरओडब्लू ऑफिसर गुण प्रकाश किरादू उपस्थित रहें। इस अवसर पर अश्विनी कुमार ने टाटा ग्रुप की ओर से किए जा रहें सामाजिक सरोकारों से जुड़े कार्यों की जानकारी प्रदान की और विद्यालय में बच्चों के ठण्डे जल की व्यवस्था के लिए वाटर कूलर सेट लगाने की घोषणा की साथ ही भीषण गर्मी को देखते हुए विद्यालय के बगीचे की देखभाल और पेड़-पौधों की सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम का वादा किया और पानी की पाइप लाइन डलवाने के कार्य का शुभारम्भ भी किया। इस अवसर पर टाटा समूह की और से विद्यार्थियों की शिक्षण सामग्री वितरित की गई और सभी मिठाई वितरित की गई। प्रह्लाद दान चारण ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया और टाटा समूह के कार्यों की सराहना की। संस्था प्रधान राजकुमार जांगिड़ ने सभी का आभार प्रकट किया और वृक्षारोपण अभियान को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर शिव प्रकाश, रतनलाल, शम्भू दान चारण, बेगराज शर्मा, रमेश कुमार शर्मा, गनपत राम नाई, किशन लाल सुथार, नागर मल सुथार, पूर्णमल शर्मा, सांवर मल सुथार, बाबूलाल जोशी, खुमाण चन्द जोशी, महावीर प्रसाद जोशी, भंवर लाल सुथार, हड्मानाराम सुथार, छगन लाल जोशी, पूरनमल नाई सहित अनेक कई नागरिक उपस्थित रहें।

सैन जयंती को लेकर बैठक आयोजित, सौंपी जिम्मेदारियां

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। सैन जयंती महोत्सव को लेकर सैन मंदिर में बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में सैन जयंती पर तीन दिन होने वाले कार्यक्रमों को लेकर बैठक में चर्चा की। सैन सेवा समिति अध्यक्ष राजेश रक्षक ने बताया कि 25 अप्रेल को जिले में सैन जयंती महोत्सव मनाया जाएगा। जिसको लेकर चूरू सैन सेवा समिति की ओर से भी विभिन्न आयोजन करवाये जाएंगे। उन्होंने बताया कि जयंती महोत्सव पर 21, 22 व 23 अप्रेल क्रिकेट प्रतियोगिता होगी। जिनमें समाज के युवा अपने खेल का प्रदर्षन करेंगे। 24 अप्रेल को सैन मंदिर में चित्रकला व पेंटींग प्रतियोगिता होगी। इसी दिन दोपहर में महिलाएं भजन कीर्तन करेगी। 25 अप्रेल की सुबह नौ बजे सैन मंदिर से भव्य शोभायात्रा निकाली जायेगी। जिसमें समाज के महिला पुरूष शामिल होंगे। वहीं शाम को समाज की प्रतिभाओं का सम्मान किया जाएगा। समिति अध्यक्ष राजेष रक्षक ने बताया कि पहली बार कर्पूरी ठाकुर की जीवनी पर लेख प्रतियोगिता का आयोजन करवाया जा रहा हैं। जिसमें 700 शब्दों की लिमिट रखी गई है। प्रतियोगिता में भाग लेने वाले प्रतिभागी 21 अप्रेल को अपना लेख मंदिर में जमा करवाए। बैठक में ओमप्रकाश, कामेश सविता, राजेंद्र रक्षक, गोपाल, नरेंद्र भाटी, श्याम सुंदर भाटी, अशोक तंवर, लक्ष्मी नारायण, बसंत रक्षक, कपिल रक्षक, सूर्यप्रकाश, अर्जुन बशीर, कमल रक्षक, दीपक रक्षक, सुशील भाटी, रमेश, विद्याधर, जयप्रकाश व ओम जाड़ीवाल आदि मौजूद रहे।

ट्रक की टक्कर से टूटा बिजली का पोल

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। शहर के भौजलाई बास स्थित सैंड चौक में बीती रात एक ट्रक की टक्कर से बिजली के तीन पोल क्षतिग्रस्त हो गए, जिसके कारण मौहल्ले की विद्युत सप्लाई बाधित हो गई। भाजपा नेता कमल दाधीच ने बताया कि ट्रक की टक्कर से पोल टूटने की सूचना बिजली विभाग को दी गई। जोधपुर डिस्कॉम के कनिष्ठ अभियंता अरूण मीणा ने बताया कि ट्रक की टक्कर से तीन पोल क्षतिग्रस्त हो गए थे। जिससे मौहल्ले के पचास विद्युत कनेक्शन प्रभावित हुए। मीणा ने बताया कि पोल क्षतिग्रस्त करने पर ट्रक चालक से साढ़े बारह हजार रूपये की वसूली की गई है। जेईएन ने बताया विभागीय कर्मचारियों की ओर से नये पोल लगा कर बुधवार शाम तक विद्युत सप्लाई बहाल कर दी गई।

अंजू शर्मा बनी स्टेट एडवाइजर

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। अंतरराष्ट्रीय गैर लाभकारी संगठन व सेव अर्थ मिशन के वाइस प्रेसिडेंट जितेन्द्र मीणा ने सुजानगढ़ की अंजू शर्मा को स्टेट एडवाइजर मनोनीत किया है। मीणा ने बताया कि हरित क्रांति संचार के लिए संगठन की ओर से बड़े पैमाने पर पौधरोपण अभियान के माध्यम से एक लाख से अधिक पौधे लगाए जाएंगे।

कार्यालय अधिशाषी अभियंता जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग, खण्ड भिवाड़ी एनसीआर (खैरथल-तिजारा)

जिला खैरथल-तिजारा में आगामी ग्रीष्म ऋतु 2025 में आमजन की पेयजल की समस्याओं के निवारण हेतु किशनगढ़ बास में कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है। जिसका दूरभाष नंबर 01460 - 298735 है। यह समय प्रातः 5:00 बजे से रात्रि 9:00 बजे तक कार्यरत रहेगा राज्य सरकार के निर्देशानुसार ग्रीष्मकाल में PHED का जिला स्तरीय कंट्रोल रूम स्थापित जो 31.07.2025 तक चालू रहेगा

Whatsapp No. District khairthal Tijara 7374917525

रहिमन पानी राखिये, बिन पानी सब सून।
पानी बिना ना उबरे, मोती मानस चून ॥

बदलती जीवनशैली और बदलते शहरीकरण के कारण पानी की मांग लगातार बढ़ रही है।
भू-जल अतिदोहन के कारण पानी की कमी निरन्तर बढ़ रही है।
अतः जीवन को सुरक्षित रखना है तो वर्षा एवं भूमिगत जल को संरक्षित रखना होगा। के दूरुपयोग को रोकना होगा वरना जीवन खतरे में पड़ जायेगा।
आओ हम दैनिक कार्यों में जल उपयोग के निम्नांकित तरीकों को अपनाकर जल की बचत कर आने वाली पीढ़ी के जीवन को सुरक्षित रखने में सहयोग प्रदान कर सकते हैं-

जल बिन सब सून

' जल ही जीवन है ' जल के बिना जीवन सुरक्षित नहीं है इस बाबत महान कवि रहिमनजी ने भी अपने निम्नांकित दोहे के मार्फत जीवन पर जल की उपयोगिता का चित्रण किया है।

बचे हर बूंद, पले जीवन, हमने किये हैं वो सारे जतन । अब आगे आये एक-एक जन, जल संचय में लगा दे तन मन ।।

क्र. सं.	दैनिक क्रिया का नाम	खर्च पानी की मात्रा लीटर में	जल उपयोग करने के तरीके	पानी बचत की मात्रा लीटर में
1.	स्नान करने में	फव्वारे से - 180 लीटर	बाल्टी से 18 लीटर	162 लीटर
2.	शौचालय जाने में	फ्लक्स टैंक से 13 लीटर	छोटी बाल्टी से 4 लीटर	9 लीटर
3.	शेव करने में	नल खोलकर करने से 11 लीटर	मग से पानी लेकर 1 लीटर	10 लीटर
4.	दंत मंजन	नल खोलकर करने में 33 लीटर	मग या छोटे लोटे से पानी लेकर 1 लीटर	32 लीटर
5.	कपड़ों की धुलाई	नल खोलकर करने में 166 लीटर	बाल्टी के उपयोग से 18 लीटर	148 लीटर
6.	एक लॉन / कोर्ट यार्ड में 10,000 से 12,000 लीटर उपयोग किये जल से एक छोटे परिवार हेतु एक माह का जल उपलब्ध हो सकता है।			
7.	प्रति सैकण्ड नल से टपकती जल बूंद से एक दिन में 17 लीटर जल का अपव्यय होता है।			
8.	इसके अलावा उपभोक्ता अपनी सर्विस लाईनों की मरम्मत कर पानी के रिसाव को रोककर भी सहयोग प्रदान कर सकते हैं।			
9	जलदाय विभाग की पाईप लाईनों में यदि कहीं लीकेज हो तो उसकी सूचना भी विभाग को समय पर देकर सहयोग कर सकते हैं।			

हाथ धोते समय कम से कम पानी का उपयोग करें।

शेविंग या बर्तन धोते समय जब प्रयोग में न हो, नल बंद कर दें

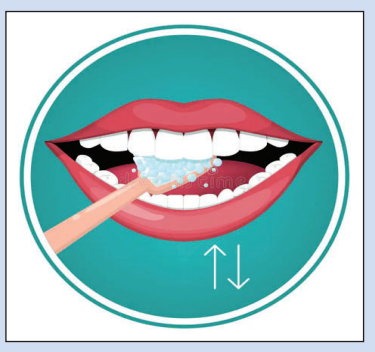

अपने दाँत ब्रश करते समय एक कप या गिलास का उपयोग करें

नहाते समय शॉवर की बजाय बाल्टी का इस्तेमाल करें

सब्ज़ियों को धोने के लिए नल के पानी को चलाने से बचें, इसके बजाय एक कटोरी का उपयोग करें, पानी डालें और फिर इन्हें धो ले

कार्यालय अधिशाषी अभियंता जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग, खण्ड भिवाड़ी एनसीआर (खैरथल-तिजारा)

स्वात्वाधिकारी, कैम्ब्रिज मल्टीमीडिया प्रा.लि. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक रामेश्वरलाल जाट द्वारा कैम्ब्रिज मल्टीमीडिया प्रा.लि., सी-565 सी, 4 सी स्कीम, न्यू लोहा मंडी रोड, सीकर रोड़ जयपुर में मुद्रित एवं सी-565 सी, 4 सी स्कीम, न्यू लोहा मंडी रोड, सीकर रोड़ जयपुर -302013 से प्रकाशित।
सम्पादक : नीतू चौधरी, सी-588, 4सी स्कीम, न्यू लोहा मण्डी रोड, जयपुर-302013 मो. : 7014217770, E-Mail : jaipurtimes2007@gmail.com *पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के जिम्मेदार, समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जयपुर।